राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार में प्रेसनोट,नोटिस,वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-9879141480
ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई,उत्तरप्रदेश,बिहार,राजस्थान,मध्यप्रदेश,उत्तरांचल,उत्तराखंड,दिल्ली,हरियाणा में प्रकाशित

सुरत–गुजरात,संस्करण बुधवार,10 मई 2023 वर्ष–6,अंक–105 पृष्ठ–08 मूल्य–01रूपये

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

8 साल में दिल्ली सरकार के 100 से ज्यादा अफसर करप्शन में फंसे, DJB सबसे आगे

नई दिल्ली। दिल्ली में पिछले 8 साल में 100 से ज्यादा अफसरों को भ्रष्टाचार के आरोपों में गिरफ्तार किया गया है। 2015 से 2022 के बीच हर साल कम से कम एक दर्जन अधिकारियों को रिश्वत लेनदेन के आरोपों में गिरफ्तार किया गया है। एक आरटीआई आवेदन से यह जानकारी सामने आई है। इंडियन एक्सप्रेस की ओर से दायर किए गए आरटीआई के जवाब में बताया गया है कि इनमें से अधिकतर दिल्ली जल बोर्ड (डीजेपी), म्यूनिसिपल कॉर्पोरेशन ऑफ दिल्ली (एमसीडी) और राजस्व विभाग के हैं, जहां आम लोग अपने कामकाज के लिए पहुंचते हैं। हालांकि, इस दौरान 144 केसों में फाइल किए गए चार्जशीट में चालान या चार्जशीट तो दायर किए गए लेकिन केवल 32 फीसदी में दोष साबित हुआ। 2015 से 2022 के बीच दिल्ली सरकार के विभागों से 101 अधिकारियों को पकड़ा गया। इनके अलावा इस साल एसीबी ने 3 अधिकारियों को गिरफ्तार किया। इस साल दो ट्रांसपोर्ट डिपार्टमेंट के अधिकारी और एक एमसीडी से पकड़ा गया। इस तरह कुल संख्या 104 हो गई। रिपोर्ट के मुताबिक, एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि ये अफसर उन विभागों के हैं जो एसीपी के दायरे में आते हैं। केंद्र सरकार के विभागों के अधीन विभागों में तैनात अधिकारियों या सिविल सर्विसेज के अफसरों के करप्शन केस केंद्रीय जांच एजेंसियों जैसे सीबीआई के दायरे में आते हैं। आरटीआई में मिले जवाब के मुताबिक, सबसे अधिक 23 अफसर दिल्ली जल बोर्ड के हैं। इसके अलावा एमसीडी और रेवेन्यू डिपार्टमेंट के 18-18 अफसरों को इस अवधि में गिरफ्तार किया गया है। कम दोषसिद्धि को लेकर एक वरिष्ठ अधिकारी ने कानून में कुछ कमियों से लेकर, अप्रभावी अभियोजन और ट्रायल के वक्त तक सबूतों नष्ट कर दिए जाने जैसे कारक बताए।

'आपके सपने मेरे सपने, मिलकर करेंगे पूरा', कर्नाटक के वोटरों से पीएम नरेन्द्र मोदी की अपील

आधी रात ट्वीट किया वीडियो

बेंगलुरु। कर्नाटक में वोटिंग से पहले प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने वीडियो के ज़रिये बड़ी अपील की है। बीजेपी की तरफ से कल देर रात को ये वीडियो जारी किया गया। इस वीडियो में पीएम मोदी ने अपील की है कि लोगों ने कर्नाटक में डबल इंजन सरकार के तीन साल का कार्यकाल देखा है। पीएम ने कहा कि कोरोना जैसी महामारी के बावजूद कर्नाटक में बीजेपी सरकार के कार्यकाल में सालाना 90 हज़ार करोड़ का विदेशी निवेश आया, जबकि पिछली सरकार के वक्त ये आंकड़ा महज 30 हज़ार करोड़ का था।

कर्नाटक का एक ट्रिलियन डॉलर इकोनॉमी का लक्ष्य

इस वीडियो में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा, कर्नाटक विकसित भारत के इस संकल्प को नेतृत्व देने की ऊर्जा से भरा हुआ है। अभी भारत दुनिया की पांचवी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था है। हमें जल्द से जल्द भारत को टॉप 3 अर्थव्यवस्था में

शामिल करना है। ये तभी संभव है जब कर्नाटक की अर्थव्यवस्था तेजी से आगे बढ़ें, एक ट्रिलियन डॉलर इकोनॉमी का लक्ष्य हासिल करे। हम कर्नाटक को इंडस्ट्री, इनवेस्टमेंट और इनोवेशन में नंबर एक बनना चाहते हैं। बीजेपी सरकार बीज से बाजार तक किसानों की सहुलियत बढ़ाने के लिए भी लगातार काम कर रही है। बीजेपी कर्नाटक को कृषि में नंबर एक बनाने के लिए प्रतिबद्ध है।

हर कन्नड़िगा की आंखों का सपना मेरा सपना

प्रधानमंत्री मोदी ने आगे कहा, डबल इंजन की सरकार बनने के बाद कर्नाटक में कनेक्टिविटी को लेकर, ईज ऑफ लिविंग, ईज ऑफ डूइंग बिजनेस को लेकर जो निर्णय हुए, जो प्रोजेक्ट शुरू हुए वो कर्नाटक को नंबर एक राज्य बनाने के आधार बनेंगें। कर्नाटक को और आधुनिकता की ओर ले जाना, बीजेपी सरकार का दायित्व है। कर्नाटक के सभी शहरों में इन्फ्रास्ट्रक्चर सुधरे, ट्रांसपोर्ट की व्यवस्था आधुनिक हो। हमारे गांवों और शहरों में क्वालिटी ऑफ लाइफ बेहतर हो, महिलाओं और नौजवानों के लिए नए-नए अवसर बनें। हर कन्नड़िगा की आंखों का सपना मेरा सपना है। आपका संकल्प, मेरा संकल्प है। गौरतलब है कि 10 मई को होने वाले कर्नाटक विधानसभा चुनाव के लिए प्रचार अभियान सोमवार शाम समाप्त हो गया। कर्नाटक में 10 मई को मतदान होगा जबकि 13 मई को मतगणना होगी।

जातीय जनगणना पर HC के आगे भी लड़ेगी बिहार सरकार, कानून बनाने को भी तैयार

नई दिल्ली। बिहार में जातीय जनगणना पर पटना हाई कोर्ट ने अंतिम फैसला होने तक रोक लगा दी है। इस संबंध में अदालत ने अगली सुनवाई 4 जून को करने की बात कही थी, लेकिन बिहार सरकार की ओर से जल्दी प्रक्रिया के आग्रह पर मंगलवार को ही मामले पर विचार किया जाएगा। इस बीच खबर है कि बिहार सरकार जातीय जनगणना पर आगे बढ़ने के लिए सभी विकल्पों पर विचार कर रही है। इसके तहत सरकार पहले सभी कानूनी पहलुओं को आजमाएगी और उसके बाद भी यदि जातीय जनगणना को मंजूरी नहीं मिल पाई तो फिर विधानसभा में कानून बनाने का रास्ता अपनाया जाएगा। राज्य सरकार के एक मंत्री का कहना है कि हम जातीय जनगणना कराके रहेंगे। उन्होंने कहा कि इससे राज्य में सामाजिक योजनाएं तैयार करने में मदद मिलेगी और हर वर्ग को सहूलियतें दी जा सकेंगी। उन्होंने कहा कि यह बेहद गंभीर मसला है और हम इसीलिए इसे पूरा कराने पर अड़े हैं। बिहार के मंत्री ने कहा कि जातिगत आधार पर जनसंख्या का आंकड़ा सामने आना चाहिए ताकि कोई भी सरकारी नीति तैयार की जा सके। समाज में ओबीसी और ईबीसी यानी आर्थिक पिछड़ा वर्ग के तौर पर दो बड़े समुदाय हैं। हमारे लिए यह जानना जरूरी है कि हर बिरादरी में लोगों की आर्थिक स्थिति क्या है। जेडीयू के एक नेता ने कहा कि कास्ट सर्वे से पता चलेगा कि किस जाति में कितने लोग गरीब हैं। इस आधार पर हमें आर्थिक पिछड़ा वर्ग को मिलने वाले आरक्षण का लाभ देने में भी सहूलियत होगी। उन्होंने कहा कि अभी कोई भी अपनी कमाई को तय लिमिट से कम बताकर खुद को EWS के दायरे में बता देता है। लेकिन सर्वे के नतीजे आ जाएंगे तो सबका डेटा हमारे पास होगा

श्रीकृष्ण जन्मभूमि मामला लेकर शोकावकाश के कारण दो याचिकाओं पर सुनवाई टली

मथुरा। श्रीकृष्ण जन्मभूमि मामला को लेकर सोमवार को सिविल जज सीनियर डिवीजन की अदालत में दो याचिकाओं पर सुनवाई होनी थी लेकिन अदालत में शोकावकाश होने के कारण यह सुनवाई नहीं हो सकी है, अदालत ने दोनों याचिकाओं पर 11 मई और 22 मई की तिथि निर्धारित की है। श्रीकृष्ण जन्मस्थान की 13.37 एकड़ जमीन से कब्जा हटाने के लिए आशुतोष पांडे की से सिविल जज सीनियर डिवीजन की अदालत में वाद दायर किया गया था। इस वाद में सोमवार को सुनवाई तय थी। शोकावकाश के कारण अदालत में सुनवाई नहीं हो सकी। अदालत ने अगली सुनवाई के लिए 11 मई की तिथि निर्धारित की है। वहीं हिन्दू सेना के राष्ट्रीय अध्यक्ष विष्णु गुप्ता द्वारा सिविल जज एफटीसी के यहां

दायर किए वाद को सिविल जज सीनियर डिविजन की अदालत में ट्रांसफर किए जाने के लिए मुस्लिम पक्ष की ओर से प्रार्थना पत्र दिया गया था। इस प्रार्थना पत्र पर भी अदालत में सुनवाई तय थी। शोकावकाश के कारण ट्रांसफर प्रार्थना पत्र पर सुनवाई नहीं हो सकी। अदालत ने अगली सुनवाई के लिए 22 मई की तिथि निर्धारित की है। सोमवार शाम शाही मस्जिद ईदगाह कमेटी के सचिव व अधिवक्ता तनवीर अहमद ने बताया कि श्रीकृष्ण जन्मस्थान और ईदगाह प्रकरण से जुड़े सभी वादों की सुनवाई सिविल जज सीनियर डिविजन की अदालत में चल रही है। सिविल जज एफटीसी की कोर्ट में दायर वाद की सुनवाई भी वहीं हो इसके लिए प्रार्थना पत्र अदालत में दिया गया है। शोकावकाश के कारण ट्रासफर प्रार्थना पत्र पर सुनवाई नहीं हो सकी। अदालत ने अगली सुनवाई के लिए 22 मई की तिथि निर्धारित की है।

विवादों के बीच यूपी में टैक्स फ्री हुई 'दी केरला स्टोरी', पश्चिम बंगाल ने किया था बैन

लखनऊ। चर्चित बॉलीवुड फिल्म 'दी केरला स्टोरी' को भारतीय जनता पार्टी शासित उत्तर प्रदेश में टैक्स फ्री घोषित कर दिया गया है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मंगलवार को यह जानकारी दी है। इससे पहले मध्य प्रदेश सरकार ने भी फिल्म को कर मुक्त कर दिया था। 5 मई को रिलीज हुई फिल्म में एक्ट्रेस अदा शर्मा मुख्य भूमिका में हैं, जिसका निर्देशन सुदीप्तो सेन ने किया है।

मंगलवार को सीएम आदित्यनाथ ने ट्वीट किया, 'दी केरला स्टोरी' उत्तर प्रदेश में टैक्स फ्री की जाएगी। खास बात है कि फिल्म रिलीज के बाद से अपने सब्जेक्ट के चलते काफी विवादों में रही है। कांग्रेस, तृणमूल कांग्रेस समेत कई बड़ी पार्टियां इसपर सवाल उठा चुकी हैं।

शिवराज बोले- फिल्म करती है साजिश का पर्दाफाश

एमपी के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने फिल्म को लेकर कहा था कि यह, लव जिहाद, धार्मांतरण और आतंकवाद की साजिश

का पर्दाफाश करती है। उन्होंने ट्वीट किया था, यह फिल्म धर्मांतरण का डरावना चेहरा उजागर करती है। यह दिखाती है कि कैसे बेटियों को लव जिहाद के जाल में फंसाकर बर्बाद किया जा रहा है। यह फिल्म आतंकवाद की डिजाइन का भी खुलासा करती है। यह हमें जागरूक बनाती है।

ममता बनर्जी सरकार ने लगाई रोक

इधर, पश्चिम बंगाल में मुख्यमंत्री ममता बनर्जी की अगुवाई वाली सरकार ने सोमवार को दे केरल स्टोरी पर बैन लगाने का फैसला किया। सीएम बनर्जी ने मुख्य सचिव को यह सुनिश्चि करने के लिए कहा था कि फिल्म को सभी पर्दों से हटा लिया जाए। उन्होंने कहा था कि यह फैसला बंगाल में शांति बनाए रखने के लिए लिया गया है।

अबतक साढ़े पांच लाख से अधिक श्रद्धालुओं ने किया दर्शन

देहरादून। चारधाम यात्रा में अब तक साढ़े पांच लाख से अधिक तीर्थयात्री धाम में मत्था टेक चुके हैं। इन तीर्थयात्रियों में बाबा केदारनाथ धाम पहुंचने वाले श्रद्धालुओं की सबसे बड़ी संख्या है। पर्यटन विभाग की ओर से 22 अप्रैल से लेकर 08 मई तक जारी रिपोर्ट का यह आंकड़ा है। बदरीनाथ, केदारनाथ, गंगोत्री और यमुनोत्री धाम में अब तक कुल 05 लाख 51 हजार 565 तीर्थयात्रियों ने धाम के दर्शन किए हैं। इसमें केदारनाथ धाम में 1 लाख 95 हजार 615, बदरीनाथ में 1 लाख 28 हजार 141, गंगोत्री में

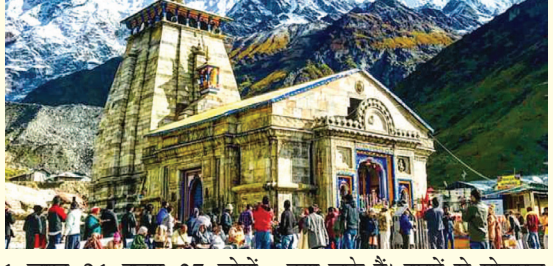

1 लाख 21 हजार 07 लोगों और यमुनोत्री धाम में 01 लाख 06 हजार 802 श्रद्धालु मंदिर में दर्शन कर चुके हैं। चारधाम के लिए 08 मई तक कुल 26 लाख 07 हजार 695 लोग पंजीकरण करा चुके हैं। इसमें से मोबाइल एप से 04 लाख 54 हजार 372, वेब पोर्टल से 19 लाख 92 हजार 255, वाट्सअप से 01 लाख 63 हजार 08 लोगों ने पंजीकरण कराया है।

मध्य प्रदेश के खरगोन में रेलिंग तोड़ पुल से गिरी बस, अब तक 15 ने तोड़ा दम, 25 जख्मी

मध्य प्रदेश में बड़ा सड़क हादसा हुआ है। श्रीखंडी से इंदौर जा रही बस पुल से नीचे गिर गई है। हादसे में करीब लगभग 20 यात्रियों की मौत की आशंका जताई जा रही है। ग्रामीणों की मदद से राहत और बचाव शुरू।

खरगोन। मध्यप्रदेश के खरगोन में मंगलवार सुबह बड़ा हादसा हो गया। यहां एक 50 फीट ऊंचे पुल से यात्रियों से भरी हुई बस सूखी नदी में नीचे गिर गई। हादसे में कई लोगों के घायल होने के साथ ही लगभग 20 से अधिक मौतों की सूचना मिल रही है। 15 यात्रियों की मौत की आधिकारिक पुष्टि की जा चुकी है। घायलों को निजी वाहनों से जिला चिकित्सालय खरगोन ले जाया गया है। मंगलवार सुबह

खरगोन के बोराड़ नदी पर बने पुल से एक यात्री बस नीचे गिर गई। नदी सूखी है। इस वजह से बड़ी संख्या में लोग हताहत हुए। घटना में अब तक करीब 20 लोगों की मौत हो चुकी है और कई लोग घायल हैं। इनमें कई बच्चे और महिलाएं भी शामिल हैं। घायलों को निजी वाहनों से ग्रामीणों और पुलिस की मदद से जिला चिकित्सालय में लाया गया। इतनी बड़ी घटना के काफी समय बाद तक मौके पर कोई एंबुलेंस नहीं पहुंच पाई थी जिसको लेकर ग्रामीणों में आक्रोश दिखा। बताया जा रहा है कि बस मां शारदा ट्रैवल्स की है, जो खरगोन से इंदौर जा रही थी। यह हादसा खरगोन-ठीकरी मार्ग पर हुआ। बस नदी पर बने पुल से गुजर रही थी। तभी अनियंत्रित होकर रेलिंग तोड़ते हुए नीचे गिर पड़ी। जोर से आवाज आई और अफरा-तफरी मच गई। बस में 35 से अधिक यात्री सवार थे। हादसा दसंगा गांव में हुआ है। ग्रामीणों ने पुलिस को सूचना दी। फिलहाल ग्रामीणों के साथ मिलकर पुलिस जवान घायलों की मदद करने में लगे हुए हैं।

मणिपुर हिंसा में म्यांमार के उग्रवादी भी शामिल, मिजोरम के रास्ते राज्य में घुसे; स्थानीय लोगों में घुल-मिलकर सुरक्षाबलों से बच रहे

इम्फाल। मणिपुर में हिंसा थम गई। दूसरे दिन भी कर्फ्यू में ढील दी गई। इसी के साथ जनजीवन पटरी पर लौटने लगा है। इस बीच, खुफिया सूत्रों से पता चला है कि हिंसा की साजिश की बड़ी वजह म्यांमार के उग्रवादी हैं। दरअसल, म्यांमार से 50 हजार से ज्यादा कुकी-मिजो-चिन समूह के लोग और रोहिंग्या मिजोरम में घुस चुके हैं। इनमें उग्रवादी समूहों के कैडर भी शामिल हैं। खुफिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, इन लोगों की शारीरिक बनावट और भाषा-बोली स्थानीय लोगों जैसी ही है। इस वजह से इनकी अलग से पहचान नहीं हो पा रही है।। ये सुरक्षाबलों की नजरों से बच रहे हैं। इसका फायदा उठाकर कुकी समुदाय के लोग तो पूर्वोत्तर के अन्य राज्यों में भी घुस गए हैं। म्यांमार से मिजोरम में घुसे इन लोगों को राज्य सरकार शरण देने के साथ पहचान पत्र के जरिए सभी सरकारी सुविधाएं दे रही है। हालांकि, केंद्र लगातार इन्हें शरणार्थी का दर्जा देने से मना कर रहा है। ये कथित शरणार्थी अघोषित तौर पर मिजोरम के नागरिक बन चुके हैं।

म्यांमार से सटे जिलों में हुई ज्यादा हिंसा

केंद्रीय गृह मंत्रालय को भी घुसपैठियों की समस्या की भनक है। म्यांमार के सगियांग और चिन प्रांत मणिपुर के साथ करीब 398 किमी की सीमा साझा करते हैं। इस सीमा क्षेत्र से

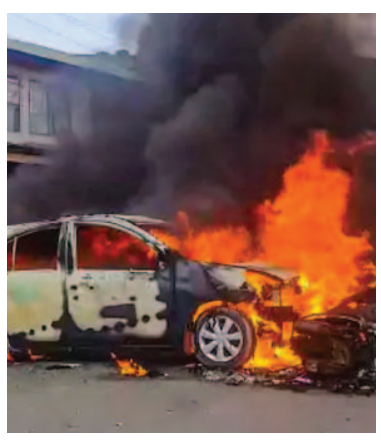

मणिपुर के टेंग्नोउपाल, चंदेल, उखरुल, काम्जोंग और चूराचांदपुर जिले जुड़े हुए हैं। हाल ही में चूराचांदपुर सहित सबसे ज्यादा हिंसा इन्हीं जिलों में हुई है। जिस दिन हिंसा हुई, उस दिन सफेद बोलेरो में लोगों ने प्रदर्शनकारियों पर फायरिंग की, उनके तार उग्रवादी समूह से जुड़े हैं।

3 मई को मैतेई आरक्षण के खिलाफ मार्च के बाद भड़की थी हिंसा

मणिपुर में 3 मई को ऑल ट्राइबल स्टूडेंट्स यूनियन ऑफ मणिपुर ने आदिवासी एकता मार्च निकाला था। ये मैतेई समुदाय को एसटी का दर्जा देने के विरोध में था। मार्च के बाद स्थिति बिगड़ गई और इसने जातीय संघर्ष का रूप ले लिया। एक तरफ मैतेई समुदाय के लोग तो दूसरी तरफ कुकी और नागा समुदाय के लोग थे। हिंसा में अब तक 60 लोग मारे जा चुके हैं। 230 घायल हुए हैं और 35,655 लोग विस्थापित हुए हैं।

सीएम बीरेन सिंह ने कहा कि हिंसा के जिम्मेदार संगठनों और कथित बाहरी लोगों की जांच होगी। इस बीच, मोबाइल इंटरनेट 13 मई तक बंद रहेगा। हिंसा के दौरान 1041 रायफल और 7,460 कारतूस लूट लिए गए थे। कार्रवाई के बाद 214 हथियार, 4273 कारतूस बरामद किए जा चुके हैं।

हिंसा प्रभावितों का पुनर्वास, धर्मस्थलों की सुरक्षा करें-सुप्रीम कोर्ट

सुप्रीम कोर्ट में सोमवार को मणिपुर ट्राइबल फोरम और हिल एरिया कमेटी की हाईकोर्ट के आदेश के खिलाफ दायर याचिकाओं पर सुनवाई हुई। इस दौरान कोर्ट ने मणिपुर हिंसा के चलते विस्थापित हुए लोगों को लेकर चिंता जताई।

कोर्ट ने केंद्र से कहा, 'ये मानवीय संकट है। विस्थापितों के पुनर्वास के लिए जरूरी कदम उठाएं। राहत कैंपों में दवाओं और खाने-पीने जैसी जरूरी चीजों का इंतजाम करें। साथ ही राज्य में धार्मिक स्थलों की हिफाजत के लिए भी कदम उठाएं।' साथ ही केंद्र से स्थिति की रिपोर्ट मांगी है। अगली सुनवाई 17 मई को होगी।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

संपादकीय

एक और मिग-21

एक और मिग 21 का दुर्घटनाग्रस्त होना दुखद और अफसोसजनक भी है। दुखद इसलिए कि इससे तीन नागरिकों की जान चली गई और अफसोसजनक इसलिए कि उड़ता ताबूत कहे जाने के बावजूद इस विमान का अभी भी प्रशिक्षण में प्रयोग करना पड़ रहा है। उत्तरी राजस्थान के हनुमानगढ़ जिले के बहलोल नगर गांव में सोमवार सुबह मिग-21 लड़ाकू विमान एक घर पर जा गिरा, जिससे तीन महिलाओं की मौत हो गई और दो अन्य घायल हो गईं। पायलट ने कूदकर पैराशूट के जरिये खुद को बचा लिया, लेकिन क्या ऐसे विमान भारत की सेना के मुफीद हैं? इन बचे हुए लगभग खटारा विमानों से भी अब पूरी तरह तौबा कर लेने में भलाई है। गौर करने की बात है कि विमान ने सूरतगढ़ वायु सेना स्टेशन से उड़ान भरी थी और उड़ान भरने के तुरंत बाद पायलट ने तकनीकी खराबी की सूचना दे दी थी। पायलट विमान को सुरक्षित जगह नहीं उतार पाया, पर इसमें कोई शक नहीं कि उसने अंत समय तक विमान पर नियंत्रण बनाए रखने की कोशिश की है। गौरतलब है कि 1963 में सोवियत संघ से मिग-21 का आयात शुरू हुआ था और यह विमान लंबे समय तक भारतीय वायुसेना की ताकत रहा। विंग कमांडर अभिनंदन वर्द्धमान ने ऐसे ही एक मिग-21 से अमेरिकी-पाकिस्तानी एफ-16 को मार गिराया था। मिग-21 ने तमाम लड़ाइयों और सैन्य अभियानों में भारत को मजबूती दी है, पर एक स्याह तथ्य यह भी है कि मिग-21 की दुर्घटनाओं का सिलसिला 1966 में ही शुरू हो गया था। कुल 840 विमानों में से भी चार सौ से ज्यादा विमान दुर्घटनाग्रस्त हो चुके हैं। करीब 200 पायलट शहीद हो चुके हैं और करीब पचास नागरिकों पर ये विमान मौत बनकर बरस चुके हैं। इन पुराने विमानों का मोह झटके से छोड़ देना चाहिए। योजना के अनुसार, 2024-25 तक ये विमान उपयोग से बाहर हो जाएंगे, लेकिन खतरे को देखते हुए इस योजना में परिवर्तन करना चाहिए। कोई जरूरत नहीं है कि ऐसे विमानों को आम लोगों और पायलट की जान से खेलने का मौका दिया जाए। दशकों पुराने मिग-21 में समय-समय पर सुधार किए गए हैं, लेकिन इसके बावजूद उन्हें सोलह आना चाक-चौबंद नहीं बनाया जा सकता। तकनीकी खराबियों की आशंका हमेशा बनी रहती है और ताजा हादसा भी तकनीकी खामी की वजह से हुआ है। सेना हादसे की जांच करेगी, जरूरी सुधार भी करेगी, पर उसे जो नुकसान हुआ है, उसका समग्रता में अध्ययन करते हुए ही शीघ्र फैसला लेना चाहिए। इस दुखद हादसे की कुल ध्वनि यही है कि भारत को जल्द से जल्द नए विमान चाहिए। अभी हमारे पास अपनी जरूरत से कम विमान हैं। भारतीय वायु सेना अपनी इस जरूरत को समझती है, पर यह सच है कि मिग-21 की जगह नए विमान लाने में देरी हो चुकी है। नए विमानों के अभाव में मिग-21 को उड़ाने की मजबूरी को समझा जा सकता है, तो उपाय क्या है? हमें स्वदेशी विमान तेजस के निर्माण में तेजी लानी चाहिए। तेजस का आगमन अगले साल के मध्य में होगा और तेजस ही बहुत हद तक मिग-21 की जगह ले सकेगा। राफेल की आपूर्ति धीरे-धीरे हो रही है। विमान निर्माण में तेजी लाने के साथ ही दुनिया के श्रेष्ठ युद्धक विमान खरीदने में भी भारत को पीछे नहीं रहना चाहिए। आज के जोखिम भरे समय में भारतीय सेना का हरसंभव संसाधनों से लैस रहना जरूरी है। जो समय बीत गया, उसकी चिंता छोड़कर आगामी 30-40 साल की चिंता और योजना के साथ आगे बढ़ना चाहिए।

आज का राशीफल

मेष पारिवारिक दायित्व की पूर्ति होगी। मादक वस्तुओं का प्रयोग न करें। शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। कुछ ऐसा होगा जिसका आपको लाभ मिलेगा।

वृषभ व्यावसायिक प्रयास फलीभूत होंगे। रचनात्मक प्रयास लाभप्रद होंगे। घर के मुखिया या संबंधित अधिकारी का सहयोग मिलेगा। फिजूल खर्च पर नियंत्रण रखें। रुपए पैसे के लेन-देन में सावधानी रखें।

मिथुन दाम्पत्य जीवन में तनाव आ सकते हैं। कुछ व्यावसायिक समस्याएं आ सकती हैं। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। राजनैतिक महात्वाकांक्षा की पूर्ति होगी। निजी संबंधों के मामले में अतृप्त महसूस करेंगे।

कर्क बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलेगा। स्थानान्तरण व परिवर्तन की दिशा में सफलता मिलेगी। रुका हुआ कार्य सम्पन्न होगा। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। वाहन प्रयोग में सावधानी रखें।

सिंह जीवन साथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। व्यावसायिक योजना सफल होगी। अनावश्यक व्यय का सामना करना पड़ेगा।

कन्या सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। रुपए पैसे के लेन-देन में सावधानी रखें। आर्थिक संकट का सामना करना पड़ेगा। व्यावसायिक योजनाओं में कठिनता का अनुभव कर सकते हैं। विरोधी परास्त होंगे।

तुला पारिवारिक जनों का सहयोग मिलेगा। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। जारी प्रयास सफल होंगे। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। ससुराल पक्ष से लाभ होगा। व्यर्थ की भागदौड़ रहेगी।

वृश्चिक शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। वाणी पर नियंत्रण रखें, इससे विवाद की स्थिति को टाला जा सकता है। वाहन प्रयोग में सावधानी रखें।

धनु आर्थिक योजना सफल होगी। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता के योग हैं। भाई या पड़ोसी का सहयोग मिलेगा। धार्मिक प्रवृत्ति में वृद्धि होगी। मनोरंजन के अवसर प्राप्त होंगे।

मकर जीवन साथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। भाग्य वश कुछ ऐसा होगा जिसका आपको लाभ मिलेगा। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। व्यर्थ की भागदौड़ रहेगी।

कुम्भ दाम्पत्य जीवन में व्यर्थ के तनाव आ सकते हैं। किसी रिश्तेदार के कारण स्वास्थ्य प्रभावित हो सकता है। क्रोध में वृद्धि होगी। रिश्तों में सुधार हो सकता है। प्रेम प्रसंग प्रगाढ़ होंगे।

मीन पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। आर्थिक पक्ष मजबूत होगा। यात्रा में अपने सामान के प्रति सचेत रहें, चोरी या खोने की आशंका है। उदर विकार या त्वचा के रोग से पीड़ित रहेंगे। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा।

कर्नाटक की राजनीति के महत्वपूर्ण केन्द्र रहे हैं मठ

(लेखक- योगेश कुमार गोयल)

10 मई को कर्नाटक की कुल 224 विधानसभा सीटों पर होने जा रहे विधानसभा चुनाव पर पूरे देश की नजरें केन्द्रित हैं कि यहां कौन किस पर कितना भारी साबित होता है। सभी दलों द्वारा अपनी-अपनी जीत सुनिश्चित करने के लिए मतदाताओं को लुभाने के लिए हर प्रकार की कोशिशें और हर तरह की जोर आजमाइश की जा रही है। विधानसभा में इस बार भाजपा और कांग्रेस के बीच कड़ा मुकाबला होने की संभावना है, वहीं, जेडीएस भी अपना वोटबैंक बनाए रखने के भरपूर प्रयास कर रहा है। इस बार का चुनावी परिदृश्य इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि चुनावी मैदान में किस्मत आजमा रहे प्रमुख दलों कांग्रेस, भाजपा और जेडीएस द्वारा स्थानीय समस्याओं और जमीनी मुद्दों को दरकिनार कर साम्प्रदायिक ध्रुवीकरण, जातिगत समीकरण, कट्टर हिन्दुत्व बनाम उदार हिन्दुत्व और क्षेत्रीय अस्मिता जैसे भावनात्मक और अति राष्ट्रवाद जैसे मुद्दों को ज्यादा हवा दी जा रही है। कर्नाटक विधानसभा चुनाव का परिणाम क्या होगा, यह तो 13 मई को पता चल ही जाएगा लेकिन इस बार जिस प्रकार लिंगायत तथा अन्य धार्मिक मुद्दे जोर-शोर से उछाले गए हैं, उसके मद्देनजर प्रदेश में जातीय अथवा सामुदायिक आधार पर स्थापित मठों की राजनीति में सक्रिय भूमिका पर नजर डालना बेहद जरूरी है। दरअसल सभी राजनीतिक दलों के प्रमुख नेताओं का ध्यान मठों और संतों पर केन्द्रित है और सभी दल विभिन्न मठों में जाकर संतों का समर्थन जुटाने की जुगत में लगे हैं। भाजपा हो या कांग्रेस अथवा जेडीएस, सभी राजनीतिक दल मठों के मठाधीशों की कृपा पाने के उद्देश्य से मठों में हाजिरी लगा रहे हैं। इसी कड़ी में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी सिद्धगंगा मठ का दौरा कर चुके हैं जबकि गृहमंत्री अमित शाह ने वोकालिग्गा समुदाय में बहुत अहम स्थान रखने वाले श्री आदिचुंचनगिरी मठ का दौरा किया। दरअसल भाजपा वोकालिग्गा मतदातों को अपनी ओर लाने के प्रयासों में जुटी है। भाजपा की नजरें अनुसूचित जाति, लिंगायत और वोकलिग्गा समुदायों पर केन्द्रित हैं। भाजपाध्यक्ष जेपी नड्डा भी तुमकुरु, दावणगेरे, चित्रदुर्ग जिलों के कई मठों में हाजिरी लगा चुके हैं। दूसरी ओर राहुल गांधी सहित कांग्रेसी नेता भी मठों का समर्थन हासिल करने के लिए मठों में हाजिरी लगाते रहे हैं।

वर्तमान में कर्नाटक में करीब 650-700 मठ हैं, जिनकी प्रदेश की राजनीति में सक्रिय भूमिका रही है। इन मठों का प्रदेश की जनता पर विशेष प्रभाव रहा है और यही कारण है कि प्रमुख दलों के नेता प्रदेश के विभिन्न मठों व मंदिरों में जा-जाकर माथा टेक रहे हैं। दरअसल कर्नाटक के ये मठ प्रदेश की राजनीति के महत्वपूर्ण केन्द्र रहे हैं और राजनीतिक तौर पर इनका भरपूर इस्तेमाल होता रहा है लेकिन प्रदेश के इतिहास में ऐसा पहली बार देखा जा रहा है कि दोनों प्रमुख दलों द्वारा ज्यादा से ज्यादा मठों को अपने पक्ष में करने की होड़ सी लगी हो और ऐसे में चुनाव के दौरान इन मठों के मठाधीशों की भूमिका पर काफी हद तक यह निर्भर करेगा कि सत्ता की चाबी किसके हाथ लगती है। कुल 30 जिलों में विभाजित कर्नाटक में 80 फीसदी से भी अधिक आबादी किसी न किसी रूप में इन मठों से जुड़ी रही है और इन मठों के लोगों पर विशेष प्रभाव का सबसे बड़ा कारण यही है कि प्रदेश में ये मठ हजारों स्कूल-कॉलेजों का संचालन करते हैं और कल्याणकारी योजनाओं के अलावा किसी भी प्रकार की आपदाओं के समय राहत गतिविधियां भी चलाते रहे हैं। यही कारण है कि किसी भी राजनीतिक दल द्वारा इन मठों की अनदेखी किया जाना संभव नहीं है।

राजनीतिक दृष्टि से कर्नाटक में सबसे प्रमुख भूमिका लिंगायत-वीरशैव मठों की रही है और उसके बाद नंबर आता है वोक्कालिगा मठों का, तीसरे स्थान पर कुरूबा समुदाय के मठ और फिर अष्ट अथवा उडुपी मठ, ब्राह्मण समुदाय जिनका प्रमुख अनुयायी है। इनके अलावा दलित समुदाय भी प्रदेश के कई मठों से जुड़ा है, जिनमें कोलार का निदुमामिदि मठ, चित्रकुट जिले में स्थित बंजारा गुरूपीठ, बेंगलुरू स्थित मडिगा मठ, मदारा चन्नैया पीठ तथा श्रीमचिदेवा महासंस्थान मठ प्रमुख हैं। इन सभी मठों का अलग-अलग समुदायों में अच्छा खासा प्रभाव है। पिछड़े समुदाय 'कुरूबा' की प्रदेश में करीब आठ फीसदी आबादी है और इनके प्रदेशभर में करीब 80 मठ हैं। यह समुदाय हवेरी जिले में स्थित कागिनेले कनक गुरूपीठ से प्रमुख रूप से जुड़ा है। जहां तक सबसे महत्वपूर्ण लिंगायत समुदाय की बात है तो भाजपा द्वारा मुस्लिमों का आरक्षण खत्म कर लिंगायतों को उसका लाभ देने की घोषणा के पीछे छिपे निहितार्थ स्पष्ट समझे जा सकते हैं।

वैसे लिंगायत समुदाय समय-समय पर हिन्दू धर्म से अलग होने की मांग करता रहा है और इसी मांग को लेकर लिंगायतों ने कुछ साल पहले बीदर में एक बड़ा प्रदर्शन भी किया था, जिसमें कर्नाटक के अलावा महाराष्ट्र, तेलंगाना, आंध्र प्रदेश और केरल के लिंगायतों ने भी हिस्सा लिया था। इन राज्यों में साढ़े तीन हजार से भी ज्यादा लिंगायत-वीरशैव मठ हैं। ये 12वीं सदी के समाज सुधारक बासवन्न के अनुयायी माने जाते रहे हैं। प्रदेश की राजनीति में मठों के राजनीतिक प्रभाव के मद्देनजर लिंगायतों की भूमिका बहुत महत्वपूर्ण रही है। केवल लिंगायतों के ही राज्य में करीब 400 मठ हैं और इस समुदाय की आबादी भले ही महज करीब 17 फीसदी है किन्तु प्रदेश की कुल 224 विधानसभा सीटों में से करीब 100 सीटों पर इनकी प्रभावी भूमिका रहती है। यही कारण है कि लिंगायतों के बड़े वोट बैंक में सेंध लगाने के लिए सभी राजनीतिक अपने-अपने पासे फैंक रहे हैं। भाजपा 2008 में लिंगायतों की ही मदद से लिंगायतों के कद्दावर नेता माने जाते रहे येदियुरप्पा के नेतृत्व में पहली बार अपनी सरकार बनाने में सफल हुई थी और बाद में येदियुरप्पा के भ्रष्टाचार के आरोपों में घिरने के बाद 2013 में लिंगायतों का समर्थन न मिलने के चलते भाजपा को हार का सामना करना पड़ा था। लिंगायत के अलावा दूसरा प्रमुख समुदाय है वोक्कालिगा, जो आबादी के लिहाज से करीब 12 फीसदी हैं और इस समुदाय के प्रदेशभर में करीब 150 मठ हैं। इस समुदाय का मुख्य मठ 'आदिचुनचुनागिरी महासंस्थान' है, जो पिछले चुनावों में विभिन्न राजनीतिक दलों का समर्थन करता रहा है। बहरहाल, अभी दावे के साथ यह कह पाना मुश्किल है कि विधानसभा चुनाव में किस मठ की कृपादृष्टि किस दल पर होती है। हालांकि यह देखना काफी दिलचस्प होगा कि प्रदेश में सक्रिय सैंकड़ों मठों के कंधों पर सवार होकर कौनसा दल सत्ता की वैतरणी पार करने में कितना सफल होता है।

(लेखक वरिष्ठ पत्रकार एवं राजनीतिक विश्लेषक हैं)

विकास के मुद्दों पर हावी तुष्टिकरण की राजनीति

योगेन्द्र योगी

कर्नाटक विधानसभा चुनाव प्रचार के शोर से आगामी लोकसभा चुनाव के हालात का अंदाजा लगाया जा सकता है। प्रचार के इस शोर में प्रदेश और देश के विकास के मुद्दे गौण हो चुके हैं। भाजपा और कांग्रेस सहित कई अन्य दलों ने एक-दूसरे के खिलाफ व्यक्तिगत लांछन लगा कर चुनाव की लोकतांत्रिक गरिमा को ठेस पहुंचाने का प्रयास किया है। चुनाव आयोग ने कांग्रेस और भाजपा के स्टार प्रचारकों को कारण बताओ नोटिस जारी किया है। आयोग के मुताबिक, बीजापुर शहर से भाजपा उम्मीदवार व पार्टी के स्टार प्रचारक बासन गौड़ा आर पाटिल और चित्तपुर विधानसभा क्षेत्र से कांग्रेस उम्मीदवार व पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे के बेटे प्रियांक खड़गे को कारण बताओ नोटिस भेजा है। भाजपा उम्मीदवार बासन गौड़ा पाटिल ने कोप्पल जिले के यालबुर्ग इलाके में जनसभा में सोनिया गांधी को लेकर विवादित बयान दिया था। आयोग को ये भी शिकायत मिली कि कांग्रेस नेता प्रियांक खड़गे ने 30 अप्रैल को कलबुर्गी की जनसभा में प्रधानमंत्री को लेकर विवादित बयान दिया था। हालांकि भाजपा और कांग्रेस ने चुनावी घोषणा पत्र जारी किए हैं। घोषणा पत्रों पर चर्चा करने के बजाय एक-दूसरे पर आरोप लगाकर मतदाताओं को दिग्भ्रमित करने की कवायद से कर्नाटक व देश को क्षति पहुंचाई जा रही है। वहीं इस चुनाव को विपक्षी एकता के लिहाज से यदि 'लिटमस टेस्ट' माना जाये तो आगामी लोकसभा चुनाव में ऐसी कवायद सिरे नहीं चढ़ने की सूरत नजर नहीं आती। प्रमुख विपक्षी दल कांग्रेस कर्नाटक में अपने बूते चुनाव लड़ रही है। जनता दल एस और आम आदमी पार्टी ने भी अपने उम्मीदवार उतारे हैं। ऐसे में विपक्षी एकता के प्रयास अभी दूर की कौड़ी लगते हैं। यद्यपि राष्ट्रीय स्तर पर न्यूनतम साझा कार्यक्रम तैयार करने के लिए बिहार के मुख्यमंत्री नितीश कुमार बेशक प्रयासरत हैं किन्तु कर्नाटक में विपक्षी दलों के बिखराव की हालत देख ऐसे प्रयासों की गंभीरता का अंदाजा लग सकता है। जिन राज्यों में क्षेत्रीय दलों का दबदबा है, उनमें ये दल विपक्षी एकता के लिए किसी दूसरे दल से सीटों पर समझौता करके जरा भी त्याग करने को तैयार नहीं हैं। यही वजह कि कर्नाटक में जनता दल एस, कांग्रेस और आप चुनाव मैदान में हैं। विपक्षी दलों में एकता की कमी से भाजपा को पूर्व में भी चुनावी फायदा मिलता रहा है। कर्नाटक चुनाव में सत्तारूढ़ भाजपा, कांग्रेस तथा जनता दल एस ने घोषणा पत्रों में वादों की बौछार की है। इसके विपरीत चुनाव में विकास और समस्याओं के समाधान को दरकिनार कर फिजूल के मुद्दे हावी हैं। भाजपा और कांग्रेस एक-दूसरे पर व्यक्तिगत आरोप-प्रत्यारोप लगाने में कसर नहीं छोड़ रहे हैं, ऐसे में घोषणा पत्र दिखावा साबित हो रहे हैं। घोषणा पत्रों पर सवाल-जवाब करने के बजाय अन्य मुद्दों पर बल देने से कर्नाटक में बुनियादी सुविधाओं के मसले दरकिनार हो गए। दरअसल विपक्षी दलों की जिम्मेदारी बनती है कि सत्तारूढ़ दल के कार्यकाल के दौरान छूट गए विकास कार्यों को मुद्दा बनाएं। निजी आरोपों और विकास विरोधी मुद्दों को हवा दे डाली। चुनाव प्रचार को बदरंग करने की शुरुआत प्रधानमंत्री मोदी पर निजी रूप से टिप्पणी करके की गई। इसके बाद दोनों तरफ से आरोप-प्रत्यारोपों की बाढ़ आ गई। दोनों दलों के नेता एक-दूसरे पर निजी हमले कर रहे हैं। विकास के मुद्दे दरकिनार कर दिए गए। कांग्रेस ने बजरंग दल के साथ पीएफआई पर प्रतिबंध जैसे बेबुनियाद मुद्दे को लाकर भाजपा को अपने बचाव के लिए बड़ा चुनावी प्रचार का हथियार थमा दिया। भाजपा ने अब इसे प्रमुख मुद्दा बना कर बजरंग बली से जोड़ दिया। धर्म से जुड़े ऐसे मुद्दों पर भाजपा पूर्व में कांग्रेस पर हावी रही है। कांग्रेस की इस तरह की चुनावी शुरुआत के साथ भाजपा खुल कर धार्मिक मसले पर सामने आ गई। विकास के बजाए अब इस मुद्दे पर वोटों का ध्रुवीकरण किया जा रहा है। बता दें कि कर्नाटक देश के विकसित राज्यों में शुमार है। इसके बावजूद पर्याप्त बुनियादी सुविधाओं का अभाव हर साल मौसम बदलने के साथ ही आम लोगों को झेलना पड़ता है। राजधानी बंगलुरू अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर बतौर आईटी हब पहचान बना चुकी है। देश की प्रमुख आईटी कंपनियों के हजारों कर्मचारी यहां कार्यरत हैं। इसके अलावा दूसरे बड़े उद्योगों के कर्मचारी भी बड़ी संख्या में हैं। बारिश के मौसम में पिछले कई सालों से प्रदेश की राजधानी की हालत बाढ़ग्रस्त क्षेत्र जैसी हो जाती है। पिछले साल मानसून के दौरान हुई बारिश से लगभग पूरा बंगलुरू जलमग्न हो गया। नावों के जरिये लोगों को अपना बचाव करना पड़ा। यह शहर प्रदूषण की मार भी झेल रहा है। इससे निपटने के उपायों पर भी गंभीरता से प्रयास नहीं किए गए। ऐसे चुनावी मुद्दे प्रमुखता से उठाने के बजाय हाशिये पर धकेले जा चुके हैं। विपक्षी दलों के पास कर्नाटक के विकास से जुड़े इस तरह के दूसरे मुद्दों पर भाजपा को कठघरे में खड़ा करने का अच्छा मौका था। अब सत्तारूढ़ भाजपा को जवाबदेही से बचने का मौका मिल गया। वहीं कर्नाटक चुनाव के मद्देनजर संभावना कम ही है कि आगामी लोकसभा चुनाव में ऐसे मुद्दे विकास और देश के भविष्य की रूपरेखा का स्थान नहीं लेंगे।

महज सोलह साल में आठ गुना मूल्यवान हो गया आईपीएल

क्रिकेट की दुनिया में आईपीएल मतलब 'इंडियन प्रीमियर लीग' ने एक लंबा सफर तय कर लिया है। जब मुंबई इंडियंस और राजस्थान रॉयल्स के बीच इसका 1000वां मैच खेला गया, तब यह स्पष्ट हो गया कि रंगारंग क्रिकेट का यह स्वरूप अब परिपक्व हो गया है। इस साल के आईपीएल टूर्नामेंट को हर लिहाज से सर्वश्रेष्ठ माना जा रहा है। 16 साल का सफर पूरा हो गया है। इन वर्षों में क्रिकेट की दिशा और दशा, दोनों बदल गई है और यह दुनिया का सबसे कामयाब लीग है। आईपीएल की जब 2008 में शुरुआत की गई थी, तब इसे 'क्रिकेटेनमेंट' का नाम दिया गया था। इसका मकसद था, क्रिकेट को लोकप्रिय बनाने के लिए मनोरंजन का तड़का लगाया जाए, पर अब स्थिति यह है कि विशुद्ध क्रिकेट की वजह से यह दुनिया की सबसे लोकप्रिय लीग बन गई है। आईपीएल के मूल्य में खूब इजाफा हुआ है। लीग की शुरुआत के समय इसकी वैल्यू 1.1 अरब डॉलर थी, जो 2022 तक बढ़कर 8.4 अरब डॉलर पर पहुंच गई है। पिछले साल गुजरात टाइटंस और लखनऊ सुपर जायंट्स के रूप में दो नई टीमें शामिल किए जाने के बाद इस लीग को बहुत फायदा पहुंचा है और एक साल में इसके मूल्य में खासी बढ़ोतरी हुई है। 2021 में इस लीग का मूल्य 6.2 अरब डॉलर था, 2022 में 8.4 अरब डॉलर हो गया। आज मुंबई इंडियंस 8.3 करोड़ डॉलर के मूल्य के साथ नंबर वन टीम है। कोलकाता नाइट राइडर्स और चेन्नई सुपरकिंग्स क्रमशः दूसरे और तीसरे स्थान पर हैं। यह लीग सभी देशों के खिलाड़ियों को आकर्षित करती है। इसमें शुरुआती वर्षों में पाकिस्तान के खिलाड़ी भी भाग लेते थे। इसमें टेस्ट खेलने वाले बाकी सभी देशों के क्रिकेटर तो भाग लेते ही हैं, साथ ही, सहयोगी सदस्यों में हॉलैंड, अमेरिका, अमीरात और नेपाल के खिलाड़ियों को भी खेलने का मौका मिलता है। दुनिया के लगभग 1,000 क्रिकेट खिलाड़ियों में से करीब 400 खिलाड़ियों को नीलामी में शामिल किया जाता है। भारतीय क्रिकेट में हुई इस आर्थिक क्रांति ने क्रिकेटरों के लिए बेहतर माहौल बना दिया है। सैकड़ों खिलाड़ियों की माली हालत तो सुधरी ही है, दुनियाभर के पूर्व दिग्गज क्रिकेटर, सपोर्ट स्टाफ, क्रिकेट विशेषज्ञ भी जमकर कमाई कर रहे हैं। आईपीएल में समय के साथ नियम भी खूब बदले हैं। इस बार लागू किए गए इम्पेक्ट प्लेयर के नियम ने तो इस खेल को 12-12 खिलाड़ियों के खेल में बदल दिया है। इसमें मैच खेलने वाली दोनों टीमों को खेल शुरू होने से पहले चार-चार स्थानापन्न खिलाड़ियों के नाम देने पड़ते हैं और टीम मैच में किसी भी समय इन खिलाड़ियों में से किसी एक को अंतिम एकादश में शामिल कर सकती है। अब बल्लेबाजी और गेंदबाजी करने वाली टीमों को अंपायर के वाइड गेंद के फैसले का रिव्यू कराने का अधिकार दिया गया है। इसके अलावा कमर से ऊपर फुलटॉस को नो बॉल कराने के लिए रिव्यू कराने का भी नियम है। ऑटो नो बॉल के नियम ने भी खेल को एकदम से बदल दिया है। हमें याद है कि अभी कुछ साल पहले आरसीबी और मुंबई इंडियंस के बीच एक महत्वपूर्ण मैच खेला जा रहा था और आरसीबी को लसिथ मलिंगा द्वारा फेंके जा रहे आखिरी ओवर की आखिरी गेंद पर जीतने के लिए सात रन बनाने थे। मलिंगा ने नो बॉल डाली, पर अंपायर की निगाह नहीं जाने पर आरसीबी वह मैच हार गई। मगर अब वैसी गलती दोहराई नहीं जा सकती। अब तीसरा अंपायर तकनीक की मदद से नो बॉल पर निगाह रखता है और गेंदबाज का पैर आगे निकलते ही सायरन बज उठता है। हालांकि, आईपीएल सबसे ज्यादा ध्यान कमाई की वजह से खींचता है। यहां खिलाड़ियों की किस्मत बदल जा रही है। यह क्रिकेटरों को करोड़पति बना रहा है। पिछले दिनों मुंबई के खिलाफ सैकड़ा जड़ने वाले 21 वर्षीय यशस्वी जायसवाल के बारे में कहा जाता है कि वह क्रिकेट सीखने का खर्च निकालने के लिए स्टेडियम के बाहर गोलगप्पे बेचा करते थे। इसी तरह, केकेआर के लिए खेल रहे रिंकू सिंह की भी कहानी है। कभी क्रिकेट खेलने का शौक पूरा करने के लिए अलीगढ़ में कोचिंग सेंटर में झाड़ू-पोंछा लगाने का काम करने वाले रिंकू अब अपने शहर के गरीब क्रिकेटरों के लिए स्टेडियम में होस्टल बनाने की सोच रहे हैं। यह आईपीएल का ही कमाल है।

(ये लेखक के अपने विचार है)

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

टाटा मोटर्स ने अल्ट्रोज सीएनजी की बुकिंग शुरू

मुंबई । टाटा मोटर्स ने बीते महीने अल्ट्रोज़ सीएनजी की बुकिंग शुरू कर दी थी। बुकिंग के लिए टोकन अमाउंट 21000 रुपए का रखा गया था। बता दें कि हाल ही में डीलरशिप पर देखा गया है। डीलरशिप पर दिखी अल्ट्रोज सीएनजी कार रेड कलर में थी। यह इसका टॉप मॉडल एक्सजेड प्लस (एस) है, जिसमें ड्यूल-टोन अलॉय व्हील और एक सनरूफ दिया गया है। इसका इंटीरियर 7-इंच टचस्क्रीन इंफोटेनमेंट सिस्टम, पुश बटन स्टार्ट-स्टॉप, ऑटो क्लाइमेट कंट्रोल, रेन-सेंसिंग वाइपर, सनरूफ से लैस है। इसके अलावा इसमें हाइट-एडजस्टेबल ड्राइवर सीट, दो ट्विटर के साथ चार स्पीकर साउंड सिस्टम, और कीलेस एंट्री जैसे फीचर भी देखने को मिल सकते हैं। पैसेंजर सेफ्टी के लिए इसमें ड्यूल फ्रंट एयरबैग, टायर प्रेशर मॉनिटरिंग सिस्टम (टीपीएमएस), आईएसओफिक्स चाइल्ड सीट एंकर और रिवर्स कैमरा जैसे फीचर मिल सकते है। अल्ट्रोज सीएनजी को भारत में जल्द ही लांच कर दिया जाएगा। उम्मीद है कि पेट्रोल मॉडल की तुलना में इसकी कीमत ज्यादा होगी और यह मार्केट में मौजूद बलेनो सीएनजी, ग्लैंजा सीएनजी को टक्कर देगी।

बीमा प्रीमियम 10 से 15 फीसदी महंगा

नई दिल्ली । देश की बीमा कंपनियां जल्द ही वाहनों का प्रीमियम बढ़ाने की तैयारी कर रही हैं। आम आदमी पर एक और महंगाई की मार पड़ने जा रही है।भारतीय बीमा कंपनियां वाहन मालिकों के लिए बीमा प्रीमियम में 10 से 15 फ़ीसदी की वृद्धि की तैयारी कर रही हैं।बीमा कंपनियों का कहना है कि वैश्विक स्तर पर 40 से 60 फ़ीसदी तक की बीमा प्रीमियम में वृद्धि हुई है। बीमा कंपनियों के ऊपर अप्रत्याशित रूप से देनदारीयां और नुकसान मैं ज्यादा भुगतान करना पड़ रहा है। इसके लिए बीमा प्रीमियम बढ़ाना आवश्यक हो गया है। थर्ड पार्टी बीमा की राशि भी कम से कम 10 फ़ीसदी बनाने का प्रस्ताव है।

रुपया 2 पैसे बढ़त के साथ 82.82 पर बंद

मुंबई । अमेरिकी डॉलर के मुकाबले मंगलावार को रुपया बढ़त पर बंद हुआ। सप्ताह के दूसरे ही कारोबारी दिन रुपया .29 पैसे की बढ़त के साथ ही 82.13 पर बंद हुआ। वहीं शुरुआती कारोबार में अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 14 पैसे की गिरावट के साथ ही 81.92 के स्तर पर आ गया। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने कहा कि विदेशी कोषों की आवक, सकारात्मक घरेलू शेयर बाजार जैसे कारकों ने स्थानीय मुद्रा का समर्थन किया, जिससे गिरावट सीमित हुई। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया डॉलर के मुकाबले कमजोर होकर 81.84 पर खुला और फिर पिछले बंद भाव के मुकाबले 14 पैसे की गिरावट दर्ज करते हुए 81.92 पर आ गया। इससे पहले गत रुपया सोमवार को डॉलर के मुकाबले 81.78 पर बंद हुआ था। इस बीच छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दर्शाने वाला डॉलर सूचकांक 0.07 प्रतिशत बढ़कर 101.44 के स्तर पर आ गया।

भारतीय रिजर्व बैंक का स्वर्ण भंडार मार्च में बढ़कर 794.64 टन रहा

मुंबई ।

भारतीय रिजर्व बैंक का स्वर्ण भंडार इस साल मार्च के अंत में सालाना आधार पर 34.22 टन बढ़कर 794.64 टन रहा है। बीते वर्ष मार्च अंत तक रिजर्व बैंक के पास 760.42 टन का स्वर्ण भंडार था। इसमें 11.08 टन का स्वर्ण जमा शामिल है। केंद्रीय बैंक ने विदेशी मुद्रा भंडार का प्रबंधन अक्टूबर-2022 शीर्षक से जारी छमाही रिपोर्ट में कहा कि रिजर्व बैंक के पास इस साल मार्च अंत तक 794.64 टन स्वर्ण भंडार था। रिपोर्ट के अनुसार इसमें से 437.22 टन सोना विदेशों में बैंक ऑफ इंग्लैंड और बैंक ऑफ इंटरनेशनल सेटलमेंट्स (बीआईएस) में सुरक्षित रखा गया है। जबकि 301.10 टन सोना देश में रखा गया है। मूल्य के हिसाब से कुल विदेशी मुद्रा भंडार में सोने की हिस्सेदारी मार्च, 2023 में बढ़कर 7.81 प्रतिशत हो गई जो सितंबर, 2022 में 7.06 प्रतिशत थी। छमाही के दौरान मुद्रा भंडार इस साल मार्च में बढ़कर 578.45 अरब डॉलर रहा, जो सितंबर, 2022 में 532.66 अरब डॉलर था। विदेशी मुद्रा भंडार में विदेशी मुद्रा परिसंपत्तियां, सोना, विशेष आहरण अधिकार और अंतरराष्ट्रीय मुद्राकोष में रखा भंडार शामिल हैं।

सोने में उछाल, चांदी में गिरावट

नई दिल्ली । घरेलू बाजारों में मंगलवार को सोने में उछाल आया है जबकि चांदी की कीमतें गिरी हैं। दुनिया भर के बाजारों में आई तेजी के बीच ही दिल्ली सर्राफा बाजार में सोना 450 रुपये ऊपर आकर 61,300 रुपये प्रति 10 ग्राम पहुंच गया। वहीं गत कारोबारी सत्र में सोना 60,850 रुपये प्रति 10 ग्राम के भाव पर बंद हुआ था। वहीं चांदी 380 रुपये की गिरावट के साथ 77,400 रुपये प्रति किलोग्राम पहुंच गई। दिल्ली सर्राफा बाजार में सोने की हाजिर कीमत 450 रुपये की तेजी के साथ 61,300 रुपये प्रति 10 ग्राम पहुंच गयी। वहीं विदेशी बाजारों में सोना चमक बिखेरते हुए 2,024 डॉलर प्रति औंस पर पहुंच गया, जबकि चांदी गिरावट के साथ 25.45 डॉलर प्रति औंस रह गई। इससे पहले मंगलवार को कॉमेक्स में सोना मजबूती के साथ कारोबार कर रहा था क्योंकि निवेशक इस सप्ताह महत्वपूर्ण अमेरिकी मुद्रास्फीति आंकडों के आने की प्रतीक्षा कर रहे हैं जो फेडरल रिजर्व के ब्याज दर संबंधी अगले फैसले को प्रभावित कर सकता है।''

मार्क जुकरबर्ग को पछाड़ 12वें पायदान पर पहुंचे मुकेश अंबानी

अडानी दो पायदान लुढ़कर 23 वें स्थान पर

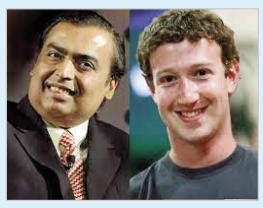

मुंबई । दुनिया के अमीरों की सूची में रिलायंस इंडस्ट्रीज के चेयरमैन मुकेश अंबानी फिर फेसबुक के सीईओ मार्क जुकरबर्ग को पछाड़ दिया है। ब्लूमबर्ग बिलेनियर इंडेक्स के आंकड़ों के अनुसार, मुकेश अंबानी 85.8 अरब डॉलर की संपत्ति के साथ 12वें स्थान पर पहुंच गए हैं। रिलायंस के शेयरों में तेजी आने से अंबानी की संपत्ति में 1.4 अरब डॉलर का इजाफा हुआ है। इसकारण वह अमीरों की सूची में जुकरबर्ग से आगे निकल गए है। वहीं, 85.5 अरब डॉलर की संपत्ति के साथ जुकरबर्ग 13वें स्थान पर हैं। वहीं अमीरों की सूची में गौतम अडानी दो फायदान फिसलकर 23वें स्थान पर आ गए हैं। दरअसल, अडानी ग्रुप के शेयरों में गिरावट आने से उनकी संपत्ति घटी है। इसके चलते वहां दो पायदान फिसले हैं। बता दें कि हिंडनबर्ग की रिपोर्ट के बाद अडानी ग्रुप के शेयरों में बड़ी बिकवाली आई है। इसके चलते उनकी संपत्ति इस साल अब तक 63.5 अरब डॉलर घट गई। सोमवार को अडानी के नेटवर्थ में 4.78 अरब डॉलर की सेंध लग गई। सोमवार को अडानी के नेटवर्थ में 4.78 अरब डॉलर की गिरावट आई। अमीरों की सूची में पहले स्थान पर बर्नार्ड अरनॉल्ट कायम है। 208 अरब डॉलर की संपत्ति के साथ वो शीर्ष पर हैं। उनके बाद दूसरे नंबर पर एलन मस्क, तीसरे नंबर पर जेफ बेजोस, चौथे नंबर पर बिल गेट्स और पांचवें नंबर वर वॉरेन बफे हैं।

शेयर बाजार में सपाट कारोबार, सेंसेक्स 2.92 अंकों की हल्की गिरावट पर बंद

निफ्टी में 1.55 अंकों की बढ़त

मुम्बई ।

शेयर बाजार में मंगलवार को सपाट कोरोबार हुआ। सप्ताह के दूसरे ही कारोबारी दिन दुनिया भर के बाजारों से मिले नकारात्मक संकेतों के कारण बिकवाली हावी होने से घरेलू बाजार करीब-करीब स्थिर बंद हुआ। दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों वाला मानक सूचकांक सेंसेक्स 2.92 अंक नीचे आकर 61,761.33 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान सेंसेक्स 62,027.51 अंक तक ऊपर जाने के बाद 61,654.94 तक नीचे आया। वहीं दूसरी ओर पचास शेयरों वाला नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी 1.55 अंक तकरीबन 0.01 फीसदी नीचे आया है। निफ्टी कारोबार के अंत में 18,265.95 अंक पर बंद हुआ। वहीं कारोबार के दौरान निफ्टी 18,344.20 की उंचाई तक गया और 18,229.65 तक गिरा।

आज के कारोबार में सेंसेक्स के शेयरों में 19 शेयर लाभ के साथ ही हरे निशान पर बंद हुए। इंडसइंड बैंक, एक्सिस बैंक, टीसीएस, महिंद्रा एंड महिंद्रा और टाटा मोटर्स सेंसेक्स के शीर्ष5 लाभ वाले शेयर रहे। सबसे ज्यादा लाभ इंडसइंड बैंक के शेयरों को हुआ। इसके शेयर करीब 1.20 फीसदी तक उछले। वहीं दूसरी तरफ सेंसेक्स के शेयरों में से 11 शेयर नुकसान के साथ ही लाल निशान पर बंद हुए। आईटीसी, एसबीआई, बजाज फाइनैंस, एनटीपीसी और पावर ग्रिड सेंसेक्स के सबसे अधिक नुकसान वाले शेयर रहे। सबसे ज्यादा नुकसान आईटीसी के शेयरों को हुआ। इसके शेयर करीब 1.74 फीसदी तक फिसले । इससे पहले आज सुबह शेयर बाजार की शुरुआत बढ़त के साथ हुई है। सेंसेक्स 140.5 अंक की बढ़त के साथ 61,904.75 के स्तर पर कारोबार कर रहा था। वहीं निफ्टी 41.10 अंक की बढ़त के साथ 18305 के स्तर पर कारोबार कर रहा था। प्री-ओपनिंग में बाजार में बढ़त दिखी है। सेंसेक्स 149.14 अंक की बढ़त के साथ 61,913.39 के स्तर पर कारोबार कर रहा था। वहीं निफ्टी 39.70 अंक की बढ़त के साथ 18304.10 के स्तर पर कारोबार कर रहा था दूसरी ओर एशियाई बाजारों की बात करें तो दक्षिण कोरिया का कॉस्पी, चीन का शंघाई कम्पोजिट और हांगकांग का हैंगसेंग नीचे आया जबकि जापान का निक्की ऊपर आया है। वहीं यूरोप के प्रमुख बाजारों में शुरुआती कारोबार में गिरावट रही जबकि अमेरिकी बाजार में सोमवार को मिला-जुला रुख रहा।

मैनकाइंड फार्मा के आईपीओ की बंपर लिस्टिंग, निवेशकों की मौज

मुंबई ।

मैनकाइंड फार्मा के आईपीओ में पैसा लागने वालों की मौज हो गई है। कंपनी के शेयरों की मंगलवार को स्टॉक एक्सचेजों पर बंपर लिस्टिंग हुई है। मैनकाइंड फार्मा के शेयर स्टॉक मार्केट में 20 फीसदी के प्रीमियम पर लिस्ट हुए हैं। लिस्टिंग के बाद भी शेयर में तेजी देखने को मिल रही है। बीएसई और एनएसई दोनों पर यह शेयर 20.4 फीसदी के प्रीमियम के साथ 1,300 रुपये पर लिस्ट हुआ। शुरुआती कारोबार में कंपनी का शेयर बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज पर 3.08 फीसदी या 40 रुपये की बढ़त के साथ 1340 रुपये पर ट्रेड कर रहा था। इस तरह आईपीओ में पैसा लगाने वाले कुल 24.07 फीसदी या 260 रुपये प्रति शेयर के मुनाफे में दिखे। कंपनी का आईपीओ सब्सक्रिप्शन के आखिरी दिन 15.32 गुना ओवरसब्सक्राइब हुआ था। आईपीओ में योग्य संस्थागत खरीदारों (क्यूआईबी) का हिस्सा 4916 प्रतिशत सब्सक्राइब हुआ था।

वहीं, खुदरा निवेशकों का हिस्सा (आरआईआई) अंडरसब्सक्राइब हुआ था। यह सिर्फ 0.92 गुना ही सब्सक्राइब हुआ। इसके अलावा गैर संस्थागत निवेशकों (एनआईआई) का हिस्सा 380 प्रतिशत सब्सक्राइब हुआ था। यह आईपीओ 25 अप्रैल को खुला था और 27 अप्रैल को बंद हुआ। मैनकाइंड फार्मा देश की चौथी सबसे बड़ी फार्मा कंपनी है। मैनकाइंड फार्मा के आईपीओ के लिए प्राइस बैंड 1026 से 1080 रुपये प्रति शेयर था।

मैनकाइंड फार्मा कई तरह की दवाइयों का विकास और निर्माण करती है। यह कई कंज्यूमर हेल्थकेयर प्रोडक्ट्स भी बनाती है। मैनकाइंड फार्मा ने कंडोम, प्रेग्नेंसी डिटेक्शन, इमरजेंसी कॉन्ट्रासेप्टिव्स, एंटासिड पाउडर, विटामिन, मिनरल सप्लीमेंट्स और एंटी-एक्ने कैटेगरीज में कई अलग-अलग ब्रैंड बनाए हैं। कंपनी की देशभर में 25 मैन्यूफैक्चरिंग फैसिलिटीज हैं।

भारत ऊर्जा बदलाव को बढ़ावा देने कर रहा कई उपाय: बीईई महानिदेशक

नई दिल्ली । ऊर्जा दक्षता ब्यूरो (बीईई) के महानिदेशक अभय बाकरे ने कहा कि भारत अपनी शुद्ध शून्य प्रतिबद्धताओं के तहत विभिन्न उपाय कर रहा है। इसके लिए घरेलू बाजार के साथ ही वैश्विक स्तर पर उद्योगों के लिए ऊर्जा बदलाव को बढ़ावा दिया जा रहा है। उन्होंने कहा कि ऊर्जा संक्रमण कार्य समूह (ईटीडब्ल्यूजी) की आगामी बैठक में विभिन्न उपायों पर चर्चा की जाएगी। बिजली मंत्रालय के तहत आने वाला बीईई ऊर्जा दक्षता वाली प्रक्रियाओं, उपकरणों और प्रणालियों को बढ़ावा देता है। बाकरे ने बताया कि भारत की जी20 अध्यक्षता के तहत होने वाली बैठकों में ऊर्जा संक्रमण को बढ़ावा देने, कम कार्बन उत्सर्जन वाले औद्योगिक उत्पादों के बाजार में वृद्धि और ऊर्जा दक्षता पर एक मिशन पर चर्चा की जाएगी। ईटीडब्ल्यूजी की तीसरी और चौथी बैठक 15-17 मई को मुंबई में और 19-20 जुलाई को गोवा में होने वाली है।

सरकार ने 50 रुपए किलो से कम भाव पर सेब आयात पर लगाई रोक

नई दिल्ली ।

सरकार ने सेब आयात पर कुछ शर्तें लगा दीं। इसके तहत 50 रुपए किलो से कम के भाव पर सेब का आयात नहीं किया जा सकेगा। विदेश व्यापार महानिदेशालय ने एक अधिसूचना में कहा कि अगर कीमत 50 रुपए किलो से अधिक है तो आयात की अनुमति होगी। अधिसूचना के अनुसार अगर सीआईएफ (लागत, बीमा, माल ढुलाई) आयात कीमत 50 रुपए किलो से कम है तो सेब के आयात पर पाबंदी होगी। न्यूनतम आयात मूल्य की शर्त भूटान से होने वाले आयात पर लागू नहीं होगी। भारत को सेब निर्यात करने वाले मुख्य देशों में अमेरिका, ईरान, ब्राजील, संयुक्त अरब अमीरात, अफगानिस्तान, फ्रांस, बेल्जियम, चिली, इटली, तुर्की, न्यूजीलैंड, दक्षिण अफ्रीका और पोलैंड शामिल हैं। दक्षिण अफ्रीका से आयात 2022-23 के अप्रैल-फरवरी में 84.8 प्रतिशत बढ़कर 1.85 करोड़ टन रहा। इसी प्रकार पोलैंड से आयात इस दौरान 83.36 प्रतिशत बढ़कर 1.53 करोड़ टन रहा। हालांकि, अमेरिका, संयुक्त अरब अमीरात, फ्रांस और अफगानिस्तान से आयात में कमी आई।

प्रौद्योगिकी सेवा क्षेत्र में सौदों की संख्या 270 से घटकर 150 रह गई: रिपोर्ट

मुंबई ।

वैश्विक प्रौद्योगिकी सेवा क्षेत्र में होने वाले सौदों की संख्या में नरमी आई है। साल 2023 की पहली तिमाही में इन सौदों की संख्या साल भर पहले के 270 से घटकर करीब 150 रह गई है। एक रिपोर्ट में यह आकलन पेश किया गया है। ईवाई और नैसकॉम की संयुक्त रिपोर्ट के मुताबिक प्रौद्योगिकी सेवा क्षेत्र के लिए 2022 का साल विरोधाभासों से भरा रहा। इस दौरान प्रौद्योगिकी सेवा क्षेत्र में हुए विलय एवं अधिग्रहण और निजी इक्विटी खरीद के सौदों का कुल मूल्य 57 अरब डॉलर से अधिक रहा था। यह राशि वर्ष 2020 के 27 अरब डॉलर से दोगुना से भी अधिक है। हालांकि वित्तीय वर्ष 2023 की पहली तिमाही जनवरी-मार्च में इस क्षेत्र में होने वाले सौदों और उनके मूल्य में गिरावट दर्ज की गई है। मार्च, 2023 की तिमाही में इस तरह के 150 से अधिक सौदे हुए हैं, जबकि पिछले साल समान तिमाही में 270 से अधिक और 2021 की पहली तिमाही में 220 से अधिक सौदे हुए थे। प्रौद्योगिकी सेवा क्षेत्र में विलय एवं अधिग्रहण के रुझान एवं परिदृश्य शीर्षक से जारी रिपोर्ट कहती है कि 2023 में बाजार के अधिक सतर्क रहने और जोखिम प्रबंधन के लिए सौदों की रचनात्मक संरचना अपनाने की संभावना है। रिपोर्ट में मझोले आकार वाली कंपनियों के विलय एवं अधिग्रहण में सक्रिय रहने की उम्मीद जताई गई है। इसके मुताबिक रणनीतिक खरीदारों के कुछ वर्गों और निजी इक्विटी खरीद की वजह से साल के बाकी समय में सौदों की रफ्तार बनी रहने की संभावना है। प्रौद्योगिकी सेवा क्षेत्र में सूचना प्रौद्योगिकी सेवाओं के अलावा व्यवसाय प्रक्रिया प्रबंधन (बीपीएम), इंजीनियरिंग और शोध एवं विकास भी शामिल हैं। वर्ष 2022 में इन सभी खंडों में कुल मिलाकर 947 सौदे हुए थे जो पांच साल का उच्चस्तर है।

खाने के तेलों की कीमतों में मिलाजुला रुख रहा

नई दिल्ली ।

वैश्विक बाजारों के मजबूत होने से सोयाबीन तेल तिलहन, कच्चा पामतेल (सीपीओ) एवं पामोलीन तथा बिनौला तेल कीमतों में सुधार आया। कम लिवाली के बीच सोयाबीन डीगम तेल के भाव पूर्ववत रहे। बाजार सूत्रों ने कहा कि मलेशिया एक्सचेंज में 3.5 प्रतिशत की मजबूती रही, जबकि शिकॉगो एक्सचेंज में अधिक घट-बढ़ नहीं है। दिल्ली तेल-तिलहन बाजार में सोमवार को कारोबार का मिलाजुला रुख दिखाई दिया। मंडियों में सरसों की आवक बढ़ने से जहां सरसों तेल-तिलहन में गिरावट देखी गई वहीं गर्मी बढ़ने के बीच ऊंचे भाव में लिवाली घटने से मूंगफली तेल-तिलहन में भी गिरावट रही। विदेशी बाजारों के मजबूत होने से सोयाबीन तेल तिलहन, कच्चा पामतेल (सीपीओ) एवं पामोलीन तथा बिनौला तेल कीमतों में सुधार आया। कम लिवाली के बीच सोयाबीन डीगम तेल के भाव पूर्ववत रहे। सोमवार को तेल-तिलहनों के भाव इस प्रकार रहे- सरसों तिलहन 5,125-5,225 (42 प्रतिशत कंडीशन का भाव) रुपए प्रति क्विंटल, मूंगफली 6,690-6,750 रुपए प्रति क्विंटल, मूंगफली तेल मिल डिलिवरी (गुजरात) 16,540 रुपए प्रति क्विंटल, मूंगफली रिफाइंड तेल 2,500-2,765 रुपए प्रति टिन, सरसों तेल दादरी 9,680 रुपए प्रति क्विंटल, सरसों पक्की घानी 1,620-1,700 रुपए प्रति टिन, सरसों कच्ची घानी 1,620-1,730 रुपए प्रति टिन, तिल तेल मिल डिलिवरी 18,900-21,000 रुपए प्रति क्विंटल, सोयाबीन तेल मिल डिलिवरी दिल्ली 10,700 रुपए प्रति क्विंटल, सोयाबीन मिल डिलिवरी इंदौर 10,450 रुपए प्रति क्विंटल, सोयाबीन तेल डीगम, कांडला 9,000 रुपए प्रति क्विंटल। सीपीओ एक्स-कांडला 9,000 रुपए प्रति क्विंटल, बिनौला मिल डिलिवरी (हरियाणा) 9,400 रुपए प्रति क्विंटल, पामोलिन आरबीडी, दिल्ली 10,400 रुपए प्रति क्विंटल, पामोलिन एक्स कांडला 9,500 रुपए (बिना जीएसटी के) प्रति क्विंटल, सोयाबीन दाना 5,410-5,460 रुपए प्रति क्विंटल, सोयाबीन लूज 5,160-5,240 रुपए प्रति क्विंटल और मक्का खल (सरिस्का) 4,010 रुपए प्रति क्विंटल।

स्टारबक्स के अपने मेन्यू में छोटे आकार के खाद्य पदार्थ भी शामिल

नई दिल्ली ।

देश में ग्राहकों की छोटे आकार के खाद्य और कम मात्रा वाले पेय की पसंद को देखते हुए टाटा स्टारबक्स ने अपने उत्पादों को उसी के अनुसार पेश किया है। यह 160 रुपए से शुरू होने वाले खाद्य पदार्थों और 185 रुपए से शुरू होने वाले पेय पदार्थों की पेशकश कर रही है। टाटा स्टारबक्स के मुख्य कार्याधिकारी सुशांत दास ने कहा कि ग्राहक किफायती के बजाय पिको साइज, जो छह औंस (1 औंस 28.38 ग्राम का होता है) या बाइट साइज को ज्यादा पसंद करते हैं। वे छोटे आकार के अधिक अभ्यस्त तथा अधिक सहज होते हैं या दिन में कुछ वक्त ऐसा होता है, जब वे कम खाना चाहते हैं या भोजन की उस बड़ी मात्रा की तुलना में कम भोजन करना चाहते हैं, जो शायद हम सामान्य रूप से परोसते हैं। दास ने कहा कि यह कदम अपनी पेशकश को अधिक किफायती बनाने के लिए नहीं है, बल्कि उपभोक्ता की आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए है। छोटे आकार हमारे उत्पादों को अधिक किफायती बनाने में मदद करते हैं लेकिन यह प्राथमिक कारण नहीं है। उनका मानना है कि भारतीय महत्त्व के प्रति सचेत होने के साथ-साथ कीमत के प्रति भी सचेत होते हैं। उन्होंने कहा कि जब तक हम अच्छे मूल्य की पेशकश कर रहे हैं, उपभोक्ता सही कीमत देने के लिए तैयार हैं।

दिल्ली कैपिटल्स पर जीत के इरादे से उतरेगी चेन्नई सुपर किंग्स

चेन्नई (एजेंसी)। चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) आईपीएल के इस 16 वें सत्र में बुधवार को दिल्ली कैपिटल्स पर जीत के इरादे से उतरेगी। सीएसके को इस मैच में अपने घरेलू मैदान का भी लाभ मिलेगा जिससे वह जीत की प्रबल दावेदार मानी जा रही है। पिछले मैच में मुम्बई इंडियंस के हाथों मिली जीत से भी सीएसके के हौंसले बुलंद हैं जिसका भी लाभ उसे मिलेगा। ऐसे में वह इस मैच को जीतकर प्लेऑफ के लिए अपनी संभावनाएं और पक्की करना चाहेगी।

सीएसके ने श्रीलंकाई स्पिनर मतीषा पथिराना की कसी हुई गेंदबाजी से मुंबई इंडियंस को कम स्कोर वाले मैच में हराया था। इस मैच में सीएसके की ओर से रूतुराज गायकवाड़, डेवोन कोंवे और शिवम दुबे ने अच्छी बल्लेबाजी कर अपनी टीम को आसानी से लक्ष्य तक पहुंचाया था। सीएसके के पास शीर्ष क्रम में कोंवे, रूतुराज और शिवम दुबे जैसे अच्छे बल्लेबाज हैं। अनुभवी अजिंक्य रहाणे ने भी इस सत्र में अपनी आक्रामक बल्लेबाजी से सभी का ध्यान खींचा है हालांकि अंबाति रायडू के खराब प्रदर्शन से उसे झटका लगा है। इसके अलावा ऑलराउंडर रविन्द्र जडेजा भी अब तक अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पाये हैं। कप्तान महेंद्र सिंह धोनी ने कुछ अच्छी पारियां खेली हैं पर निचले क्रम पर आने के कारण उनके पास अधिक अवसर नहीं रहता। टीम की ओर से युवा तेज गेंदबाज तुषार देशपांडे ने 19 विकेट लिए हैं। वहीं जडेजा ने भी अच्छी गेंदबाजी की है। दूसरी ओर दिल्ली कैपिटल्स का प्रदर्शन अब तक प्रभावशाली नहीं रहा है। टीम के बल्लेबाजों में निरंतरता की कमी है। सलामी बल्लेबा फिल साल्ट ने अब तक अच्छी बल्लेबाजी की है पर कप्तान डेविड वॉर्नर अब तक अपेक्षा के अनुरुप नहीं खेल पाये हैं। मिशेल मार्श और रोवमैन पावेल की भी बल्लेबाजी सामान्य रही है। दिल्ली ने पिछले पांच में से चार मैच जीत हैं जिससे उनकी प्लेऑफ की संभावनाएं बनी हुई हैं। अब अगर उसे प्लेऑफ में पहुंचना है तो हर मैच जीतना होगा। कैपिटल्स की राह इस प्रकार से

आसान नहीं कही जा सकती क्योंकि सीएसके को चेन्नई में उसके घरेलू मैदान पर हराना आसान नहीं है। इसके लिए उसके बल्लेबाजों और गेंदबाजों को अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना होगा। बल्लेबाजी में दिल्ली की जिम्मेदारी वार्नर और साल्ट के अलावा मिशेल पर रहेगी। ऑलराउंडर अक्षर पटेल ने अब तक गेंद और बल्ले से बेहतरीन प्रदर्शन किया है। वहीं गेंदबाजी की जिम्मेदारी तेज गेंदबाज ईशांत शर्मा, एनरिच नॉर्किया के पास रहेगी स्पिनर के तौर पर टीम के पास कुलदीप यादव और अक्षर हैं। कुल मिलाकर देखा जाये तो ये मैच रोमांचक होना तय है।

दोनो ही टीमें इस प्रकार हैं-

चेन्नई सुपर किंग्स: महेन्द्र सिंह धोनी (कप्तान), डेवोन कोंवे, रुतुराज गायकवाड़, अंबाती रायडू, सुभ्रांशु सेनापति, मोईन अली, शिवम दुबे, राजवर्धन हैंगरगेकर, ड्वेन प्रिटोरियस, मिचेल सेंटनर, रविंद्र जडेजा, तुषार देशपांडे, एम पथिराना, सिमरजीत सिंह, दीपक चाहर, प्रशांत सोलंकी, महेश तीक्ष्णा, अजिंक्य रहाणे, बेन स्टोक्स, शेख रशीद, निशांत सिंधु, सिसंडा मगाला, अजय मंडल, भगत वर्मा, आकाश सिंह।

दिल्ली कैपिटल्स: डेविड वार्नर (कप्तान), पृथ्वी शॉ, सरफराज खान, अमन हकीम खान, अभिषेक पोरेल (विकेटकीपर), अक्षर पटेल, खलील अहमद, कुलदीप यादव, रोवमैन पॉवेल, रिले रोसौव, एनरिक नोर्किया, मुस्तफिजुर रहमान, चेतन सकारिया, मुकेश कुमार, फिल सॉल्ट, लुंगी एनगिडी, प्रवीण दुबे, ललित यादव, रिपल पटेल, विक्की ओस्तवाल, ईशांत शर्मा, मनीष पांडे, कमलेश नागरकोटी और यश धुल।

मेसी को लौरियस खेल पुरस्कार समारोह में सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी का अवार्ड

पैरिस (एजेंसी)। अर्जेंटीना की विश्वकप विजेता फुटबॉल टीम के कप्तान लियोनेल मेसी को लौरियस खेल पुरस्कार समारोह में साल के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी का अवार्ड मिला है। मेसी को विश्वकप में उनके शानदार प्रदर्शन के लिये इस पुरस्कार से सम्मानित किया गया। अर्जेंटीना ने विश्व कप फाइनल में फ्रांस को शूटआउट में हराया था।

इस पुरस्कार की दौड़ में फ्रांस के स्ट्राइकर कीलियन एम्बाप्पे, स्पेन के राफेल नडाल और दो बार के फॉर्मुला-1 विश्व चैंपियन रेड बुल टीम के मैक्स वस्टरप्पन भी शामिल थे। इस समारोह में अर्जेंटीना को साल की सर्वश्रेष्ठ टीम चुना गया। मेसी इस समारोह में अपनी पत्नी एंटोनेला रोकुज़ो के साथ शामिल हुए। उन्होंने अपने साथ-साथ टीम की ओर से भी पुरस्कार लिया। मेसी ने इससे पहले साल 2020 में भी यह अवार्ड संयुक्त रुप से फॉर्मूला वन ड्राइवर लुईस हैमिल्टन के साथ हासिल किया था।

रोहित की फार्म को लेकर परेशान नहीं : ग्रीन

मुंबइ (एजेंसी)। ऑलराउंडर कैमरून ग्रीन ने कहा है कि रोहित शर्मा दिग्गज खिलाड़ी हैं और उनके फॉर्म को लेकर चिंता की जरुरत नहीं है। मुम्बई इंडियंस के कप्तान रोहित इस सत्र में अब तक एक भी बार बढ़ी पारी नहीं खेल पाये हैं जिससे प्रशंसकों के साथ ही टीम प्रबंधन भी हैरान है। अब तक खेले गए 10 मैच में रोहित ने 18.39 की औसत से केवल एक अर्धशतक के साथ ही 184 रन बनाए हैं। इसी कारण मुंबई की टीम अभी तक अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पायी है और छठे स्थान पर है। इसके बाद भी रोहित की बल्लेबाजी को लेकर ग्रीन परेशान नहीं हैं। उन्होंने कहा, ''रोहित एक दिग्गज हैं, विशेष रूप से मुंबई के साथ और उसने अपने करियर में जो कुछ भी किया है उसे देखते हुए, हम उसका पूरा समर्थन करते हैं। वह कभी भी फॉर्म में वापसी कर सकते हैं। उसने कुछ मैचों में अच्छी बल्लेबाजी की है, शीर्ष पर अच्छी लय दिखाई है, इसलिए हम उसका पूरी तरह से समर्थन कर करते हैं। चेन्नई सुपर किंग्स के खिलाफ सलामी बल्लेबाज के रूप में रोहित की जगह उतरने वाले ग्रीन ने कहा कि वह अपनी टीम के लिए किसी भी क्रम पर बल्लेबाजी कर सकते हैं। उन्होंने कहा, ''उम्मीद है कि शुरुआती 10 मैच में हमने जो कुछ भी सीखा है, वह हमें आने वाले ओवरों में बेहतर अच्छी स्थिति में लायेगा। वहीं कमेंट्री छोड़कर टीम से जुड़े आरसीबी के बल्लेबाज केदार जाधव ने कहा कि इंपेक्ट प्लेयर नियम ने कुछ चीजों में बदलाव आया है। उन्होंने कहा, ''इंपेक्ट प्लेयर नियम ने टीमों और खिलाड़ियों को निडर बना दिया है। उनके पास आक्रमण के लिए अब एक अतिरिक्त बल्लेबाज होता है, इसलिए जाहिर है कि वे अब अधिक आजाद होकर खेल रहे हैं और 180 की जगह 200 से अधिक रन बन रहे हैं। जाधव ने कहा कि प्लेऑफ में जगह बनाने की दौड़ में शामिल ज्यादातर टीमों के लिए कठिन कड़े होंगे।

एशिया कप का आयोजन पाक नहीं श्रीलंका में होगा

-पीसीबी के 'हाइब्रिड मॉडल' को एसीसी ने खारिज किया

लाहौर (एजेंसी)। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) को करारा झटका लगना तय है। एशियाई क्रिकेट परिषद (एसीसी) अब एशिया कप को पाक की जगह पर श्रीलंका में आयोजित करना चाहता है। एसीसी ने एशिया कप आयोजन के लिए पीसीबी के 'हाइब्रिड मॉडल' को खारिज कर दिया है। पाक ने हाल ही में एशिया कप के लिए 'हाइब्रिड मॉडल' का विकल्प दिया था। जिसे एसीसी ने ठुकरा दिया है। उसका कहना है कि सितंबर के महीने में संयुक्त अरब अमीरात में अत्यधिक उमस भरी गर्मी होती है। जिससे खिलाड़ियों के चोटिल होने का खतरा बढ़ जाता है। ऐसे में इन खेलों का श्रीलंका में हो सकता है। ऐसे में अब देखना होगा कि पीसीबी किसी अन्य देश में होने पर इस टूर्नामेंट में भाग लेता है या नहीं। गौरतलब है कि

भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने दोनो ही देशों के बीच तनाव के कारण भारतीय टीम को पाक भेजने से इंकार कर दिया था। इसके बाद पीसीबी ने भारतीय टीम के मुकाबले किसी अन्य देश में रखे जाने का विकल्प भी दिया। पीसीबी ने 'हाईब्रिड मॉडल का जो प्रस्ताव दिया था जिसमें भारत अपने मैच यूएई में खेले जबकि पाकिस्तान अपने मैचों को मे घरेलू धरती पर खेलेगा। पीसीबी प्रमुख नजम सेठी इस मामले पर समर्थन हासिल करने के लिए दुबई गये थे पर उन्हें समर्थन नहीं मिला। उन्होंने भारत के मैचों के अलावा सभी मुकाबलों के लिए पाक के कराची या लाहौर का विकल्प दिया था। क्रिकेट श्रीलंका और बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड (बीसीबी) ने भी पीसीबी के प्रस्ताव का विरोध किया।

एसीसी के अनुसार 'हाइब्रिड मॉडल' सैद्धांतिक रूप में सही नहीं है क्योंकि इसके लिए बजट पारित नहीं हो सकता है। उन्होंने कहा कि यह केवल पाकिस्तान की मेजबानी के बारे में नहीं है। भारत और पाकिस्तान एक ग्रुप में है और ऐसे में तीसरी टीम को दुबई और पाकिस्तान के किसी शहर के बीच यात्रा करनी होगी।

गौरतलब है कि पाकिस्तान ने हाल ही में देश में सुरक्षा इंतजामों के बढ़ते खर्च को देखते हुए पाकिस्तान सुपर लीग (पीएसएल) के मैचों को यूएई में कराने का फैसला किया। उसके इस फैसल से ही एशिया कप मेजबानी उसके हाथ से फिसलनी शुरु हो गयी। इसका कारण है कि प्रसारक भी दो देशों में अलग-अलग टीम नहीं भेजना चाहते। यूएई की तरह श्रीलंका में दो शहरों के बीच यात्रा के लिए विमान की जरूरत नहीं है। आप चाहे कोलंबो में खेले या गॉल या कैंडी में, ये शहर एक दूसरे के काफी करीब है।

धवन ने की अर्शदीप की सराहना, मैच को अंतिम ओवर तक ले गये

कोलकाता। आईपीएल में कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) के खिलाफ हुए मैच में हार से निराश पंजाब किंग्स के कप्तान शिखर धवन ने कहा कि बल्लेबाजी के लिए कठिन पिच पर हमारे बल्लेबाजों ने अच्छा प्रदर्शन किया। धवन ने अपनी टीम के तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह की भी सराहना की। धवन ने कहा कि अर्शदीप ने अच्छा खेल दिखाया और मैच को अंतिम गेंद तक ले जाने का श्रेय भी उन्हें ही जाता है। अंत में केकेआर ने हमसे बेहतर प्रदर्शन कर मैच जीत है। साथ ही कहा कि इस मैच में उनकी टीम को एक अच्छे ऑफ स्पिनर की कमी महसूस हुई। अगर उनके पास एक अच्छा ऑफ स्पिनर होता तो वे रनों पर अंकुश लगा सकते थे। इस मैच में पंजाब किंग्स ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए सात विकेट गंवाकर 179 रन बनाए। पंजाब की ओर से कप्तान शिखर धवन ने 47 गेंदों पर 57 रन की अर्धशतकीय पारी खेली। शिखर के अलावा, जितेश शर्मा और शाहरुख खान ने भी 21-21 रन बनाये। वहीं केकेआर की ओर से वरुण चक्रवर्ती ने अच्छी गेंदबाजी करते हुए चार ओवरों में 26 रन देकर 3 विकेट लिए। इसके बाद लक्ष्य का पीछा करते हुए केकेआरी की ओर से कप्तान नितीश राणा ने 38 गेंदों पर ही 51 रन बना दिया। वहीं जेसन रॉय ने 38 रन बनाये। अंत में आंद्र रसल ने 23 गेंदों पर 42 रन और रिंकू सिंह ने 10 गेंदों पर 21 रन बनाकर अपनी टीम को जीत दिलायी। अंतिम ओवर में केकेआर को 6 गेंदों पर 6 रन की जरुरत थी। अर्शदीप ने इस ओवर में अच्छी गेंदबाजी कर रसेल को पवेलियन भेज दिया। इस मैच के आखिरी गेंद पर 2 रन की जरुरत थी पर रिंकू ने अंतिम गेंद पर चौका लगाकर अपनी टीम को जीत दिला दी।

वापसी के लिए मुझे काफी प्रयास करना पड़ा : हार्दिक

नई दिल्ली । भारतीय हॉकी टीम में वापसी से उत्साहित मिडफील्डर हार्दिक सिंह ने कहा कि उन्हें वापसी के लिए काफी प्रयास करना पड़ा है। ओलंपिक कांस्य पदक विजेत टीम के सदस्य हार्दिक को इसके बाद खराब प्रदर्शन के कारण बाहर कर दिया गया था। इस खिलाड़ी ने कहा है कि बीच के दौर में वह कम्फर्ट जोन (आराम) में चले गये थे जिसका उन्हें नुकसान हुआ। हार्दिक को वापसी के बाद मार्च में पांचवें हॉकी इंडिया सालाना पुरस्कारों में वर्ष के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी का बलबीर सिंह सीनियर पुरस्कार मिला है।

हार्दिक ने कहा,' इस समय मैं खुश हूं कि हर दिन मेरा प्रदर्शन बेहतर हो रहा है। मैं साल 2017 और 18 में अपने कम्फर्ट जोन में चला गया था जिससे मेरा खेल प्रभावित हुआ और मुझे अपनी जगह तक खोनी पड़ी। इसके बाद मुझे वापसी के लिए नये सिरे से अपने खेल को निखारना पड़ा। उन्होंने कहा,'' एक खिलाड़ी को टीम में बने रहने के लिए हर दिन कड़ी मेहनत करके अपना सौ फीसदी अभ्यास सत्र में देना होता है। इसमें आराम से बाहर निकलकर अपने को नई चुनौतियों के लिए तैयार करना होता है।

हार्दिक चोटिल होने के कारण 2023 विश्व कप को पूरा नहीं खेल पाये थे। उन्होंने कहा,'' विश्व कप मेरे लिये अपने को साबित करने का अच्छा अवसर था। मैं अच्छा खेल भी रहा था पर फिर चोट लग गई। मैं हैरान था क्योंकि मैं टूर्नामेंट के लिये काफी मेहनत कर रहा था। ओलंपिक के बाद मेरा पूरा ध्यान विश्व कप पर ही था। इस दौरान मैंने मैदान से बाहर से टीम का हौंसला भी बढ़ाया।

अंक तालिका में गुजरात टाइटंस अभी भी नंबर एक पर बरकरार

-ऑरेंज कैप की दौड़ में डु प्लेसिस शीर्ष पर, पर्पल कैप के लिए शमी, राशिद और तुषार में मुकाबला

कोलकाता (एजेंसी)। कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) को आईपीएल के 16 वें सत्र में पंजाब किंग्स के खिलाफ मिली जीत के बाद अंक तालिका में बदलाव आया है। इस मैच में पंजाब किंग्स ने पहले खेलते हुए 7 विकेट पर 179 रन बनाए। इसके बाद केकेआर ने जीत का ये लक्ष्य आंद्रे रसेल और रिंकू सिंह की शानदार बल्लेबाजी से अंतिम गेंद पर ही हासिल कर लिया। इस जीत के साथ ही केकेआर अब अंक तालिका में पांचवे स्थान पर पहुंच गयी है। ऐसे में अब उसे पलेऑफ में पहुंचने के लिए बचे हुए तीनो मुकाबले बड़े अंतर से जीतने होंगे। वहीं मुंबई इंडियंस के अलावा पंजाब किंग्स भी प्लेऑफ के लिए संघर्ष करती नजर आ रही है।

अंक तालिका में गुजरात टाइटंस अभी 11 में से 8 मैच जीतकर पहले स्थान पर है जबकि अंतिम दो स्थानों पर सनराइजर्स हैदराबाद और दिल्ली कैपिटल्स की टीमें हैं। इन दोनों ही टीमों के प्लेऑफ में पहुंचने की संभावनाएं काफी कम हैं। इसका कारण है कि दोनों टीमों का प्रदर्शन सत्र में अच्छा नहीं रहा है। चौथे स्थान के लिए राजस्थान, कोलकाता और आरसीबी के बीच मुकाबला हो सकता है।

ऑरेंज कैप के लिए फाफ डु प्लेसिस सबसे बड़े दावेदार-आरसीबी के कप्तान फाफ डु प्लेसिस ऑरेंज कैप के सबसे बड़े दावेदार बनकर उभरे हैं। उन्होंने अब तक 10 मैचों में 56 की औसत से 511 रन बनयो हैं। इस दौरान उन्होंने 40 चौके और सबसे ज्यादा 29 छक्के लगाये हैं। वहीं दूसरे नंबर पर यशस्वी जायसवाल और शुभमन गिल हैं। विराट कोहली सबसे अधिक रनों के मामले में पांचवे और केकेआर के रिंकू सिंह शीर्ष दस में शामिल हैं। पर्पल कैप-वहीं पर्पल कैप की दौड़ में गुजरात टाइटंस के मोहम्मद शमी, राशिद खान और चेन्नई सुपर किंग्स के तुषार देशपांडे के नाम 19-19 विकेट हैं और ये तीन ही प्रबल दावेदार के तौर पर उभरे हैं।

विश्व के नंबर एक खिलाड़ी से संघर्षपूर्ण मैच में हारे त्रद्धश्ह्यडुद्य

भारत के चोटी के स्क्वाश खिलाड़ी सौरव घोषाल शुरुआती बढ़त का फायदा उठाने में नाकाम रहे और यहां विश्व चैंपियनशिप के प्री क्वार्टर फाइनल में दुनिया के नंबर एक खिलाड़ी डिएगो एलियास से हार गए। चार साल पहले विश्व चैंपियनशिप के क्वार्टर फाइनल में पहुंचने वाले घोषाल रविवार की रात को खेले गए इस मैराथन मुकाबले में 11-9 11-4 6-11 3-11 10-12 से हार गए। घोषाल ने पहले दोनों गेम जीतकर अच्छी शुरूआत की थी लेकिन इसके बाद उन्होंने अगले दोनों गेम गंवा दिए। पांचवें और निर्णायक गेम में भी वह कुछ महत्वपूर्ण अंक हासिल करने में नाकाम रहे। इस गेम में स्कोर एक समय 10-10 से बराबरी पर था। घोषाल ने यहां पर गलती की जिसका फायदा उठाकर पेरू के खिलाड़ी ने मैच अपने नाम किया। छत्तीस वर्षीय घोषाल से 10 वर्ष छोटे एलियास ने भारतीय खिलाड़ी की जमकर प्रशंसा की। उन्होंने कहा,'' सौरव ने शुरू में शानदार खेल दिखाया। उसकी रणनीति बहुत अच्छी थी और मैं शुरू में उसका अनुमान नहीं लगा पाया। मुझे खुशी है कि मैं वापसी करने में सफल रहा क्योंकि मैं काफी दबाव में था और मैं जैसा चाहता था वैसी शुरुआत नहीं कर पाया था।'' भारत के अन्य खिलाड़ियों में महेश मनगांवकर, रमित टंडन और क्वालीफायर अभय सिंह पहले दौर के मैच में हार गए थे। महिला वर्ग में भाग ले रही एकमात्र भारतीय खिलाड़ी जोशना चिनप्पा को पहले दौर में ही अमेरिका की ओलिविया क्लाइन से हार का सामना करना पड़ा था।

जीत के बाद फीकी पड़ी केकेआर की खुशी

-ऑरेंज कैप की दौड़ में डु प्लेसिस शीर्ष पर, पर्पल कैप के लिए शमी,

नई दिल्ली (एजेंसी)। इंडियन प्रीमियर लीग 2023 में कोलकाता नाइट राइडर्स की टीम ने सोमवार को खेले गए मुकाबले में पंजाब किंग्स को मात देकर अपनी सीजन की पांचवी जीत हासिल की। इस बेहद करीबी मुकाबले में कोलकाता नाइट राइडर्स को जीत के बाद भी भारी नुकसान उठाना पड़ा है।

दरअसल कोलकाता नाइट राइडर्स के कप्तान नितीश राणा ने मुकाबले में एक गलती कर दी जिस कारण उन्हें भारी जुर्माना उठाना पड़ा है। बीसीसीआई ने नितीश राणा पर स्लो ओवर रेट के कारण जुर्माना लगाया है। आईपीएल के कोड ऑफ कंडक्ट को तोड़ने के कारण नितीश राणा को ये सजा मिली है।

कोलकाता नाइट राइडर्स के कप्तान पर आरोप है कि उन्होंने पंजाब किंग्स के खिलाफ खेले गए मुकाबले में धीमी ओवर गति को बनाए रखा था। यानी कोलकाता नाइट राइडर्स की टीम तय समय पर अपने 20 ओवर नहीं डाल सकी। इस देरी का खामियाजा टीम को भुगतना पड़ा है। बता दें कि न्यूनतम ओवर रेट अपराधों से संबंधित आईपीएल की आचार संहिता है। इस आचार संहिता के मुताबिक पहली बार नियमों की अवहेलना करने पर टीम पर 12 लाख रुपये का जुर्माना लगाया जाता है। इसी कड़ी में नितीश राणा पर 12 लाख रुपये का जुर्माना लगा है।

इस संबंध में इंडियन प्रीमियर लीग की ओर से एक प्रेस रिलीज भी जारी की गई है। इसके तहत कोलकाता नाइट राइडर्स के कप्तान नितीश राणा पर धीमी गति से ओवर डालने के लिए फाइन लगाया गया है। लीग की आचार संहिता के मुताबिक टीम के कप्तान के खिलाफ ये एक्शन लिया गया है। इस लीग में कोलकाता द्वारा ये पहली बार किया गया अपराध है, जिस कारण टीम के कप्तान पर 12 लाख रुपये का जुर्माना लगया गया है। बता दें कि तीन बार ये अपराध करने पर टीम को बैन कर दिया जाता है।

शानदार रहा मैच

वरूण चक्रवर्ती की अगुआई में गेंदबाजों के उम्दा प्रदर्शन के बाद कप्तान नितीश राणा के अर्धशतक और आंद्रे रसेल की तूफानी पारी से कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) ने इंडियन प्रीमियर लीग में सोमवार को यहां पंजाब किंग्स को पांच विकेट से हराकर प्ले ऑफ में जगह बनाने की उम्मीदों को जीवंत रखा। पंजाब के 180 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए केकेआर ने नितीश राणा (51), रसेल (42) और जेसन रॉय (38) की

पारियों से अंतिम गेंद पर पांच विकेट पर 182 रन बनाकर जीत दर्ज की। रिंकू सिंह (10 गेंद में नाबाद 21) ने अंतिम गेंद पर अर्शदीप सिंह पर चौका जड़कर टीम को जीत दिलाई। रसेल ने 23 गेंद में तीन छक्के और तीन चौके मारे। पंजाब की ओर से लेग स्पिनर राहुल चाहर ने 23 रन देकर दो विकेट चटकाए लेकिन अपनी टीम को जीत नहीं दिला सके।

अकरम ने विराट की कप्तानी में आरसीबी के खिताब नहीं जीत पाने का कारण बताया

लाहौर। पाकिस्तान के पूर्व ऑलराउंडर वसीम अकरम ने विराट कोहली की कप्तानी में रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर (आरसीबी) को एक बार भी खिताब नहीं मिलने के कारणों को बताया है। आरसीबी के आईपीएल में सबसे बेहतर टीम होने के बाद भी उसे एक बार भी खिताब नहीं मिलने से प्रशंसक भी हैरान हैं। कोहली ने काफी समय तक आरसीबी की कप्तानी संभाली और वह उसके फाइनल तक ले गये पर खिताब नहीं जिता पाये। वहीं टीम 2020 और 2021 में प्लेऑफ में भी पहुंची थी। वहीं अकरम से पूछा गया कि आईपीएल में कप्तान के तौर पर विराट के नेतृत्व में क्या कमी है। तो उन्होंने कहा कि कोहली एक ही समय में भारतीय टीम और आरसीबी के कप्तान थे, इससे पता चलता है कि उनपर कप्तानी का बोझ बढ़ जाता था जिससे वह दबाव में आ जाते थे। उन्होंने कहा, मुझे नहीं पता कि उनमें कहां कमी रह गई। वह बहुत मेहनती लड़का है। वह भारतीय क्रिकेट पर बहुत अधिक ध्यान केंद्रित कर रहे थे इस कारण आईपीएल में कप्तानी करते समय यह उनके लिए बोझ के समान हो जाती है। इसलिए वह जहां है वहां बेहतर है। इस बार वह काफी अच्छा प्रदर्शन कर रहा है। इससे ऐसा लगता है कि वह अब खेल का आनंद ले रहा है। अकरम ने साथ ही कहा कि अगर आरसीबी को आईपीएल में जीत दर्ज करनी है तो उसे एक ईकाई के तौर पर खेलना होगा। आरसीबी की बल्लेबाजी इस सीजन में फाफ डु प्लेसिस, विराट कोहली और ग्लेन मैक्सवेल जैसे खिलाड़ियों पर आधारित रही है। विराट अपना सर्वश्रेष्ठ प्रयास कर रहे हैं पर जीत के लिए पूरी टीम को बेहतर प्रदर्शन करने की जरूरत है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

ट्विटर यूजर ने दी कंगना रनौत को इंस्टाग्राम फॉलोअर्स खरीदने की सलाह

बॉलीवुड एक्ट्रेस कंगना रनौत सोशल मीडिया पर खूब एक्टिव रहती हैं। एक ट्विटर यूजर ने उन्हें फेक इंस्टाग्राम फॉलोअर्स खरीदने की सलाह दी, जिसका क्वीन एक्ट्रेस ने जवाब दिया। बॉलीवुड की दमदार एक्ट्रेसेस में शुमार कंगना रनौत सोशल मीडिया पर खूब एक्टिव रहती हैं और अक्सर अपने बिंदास जवाबों के लिए चर्चा में रहती हैं।

जिससे वो ट्रोल हो गई थीं। वहीं अब एक ट्विटर यूजर ने एक्ट्रेस को फेक इंस्टाग्राम फॉलोअर्स खरीदने की सलाह दे दी, जिसका कंगना रनौत ने जवाब दिया है।

कंगना को फॉलोअर्स खरीदने की सलाह

दरअसल एक ट्विटर यूजर ने कंगना रनौत के इंस्टाग्राम अकाउंट का स्क्रीनशॉट शेयर किया और लिखा, कंगना आप टॉप एक्ट्रेसेस हो, आपको भी बाकी एक्ट्रेसेस की तरह ही नकली फॉलोअर्स खरीद लेने चाहिए, आप इससे ज्यादा डिजर्व करती हो। इस ट्विटर यूजर का ये ट्वीट तेजी से वायरल हुआ और इस पर खुद कंगना रनौत ने भी रिएक्ट किया।

क्या दिया कंगना ने जवाब

कंगना ने इस ट्विटर यूजर को जवाब में लिखा, नहीं नहीं मैं नहीं चाहती कि बहुत सारे लोग मेरा पर्सनल कम्यूनिकेशन देखें, जो मैं मेरे फैन्स और उनके साथ करती हूं, जो डिजर्व करते हैं। अगर ये कम हो जाएं तो बेहतर है। भगवान कृष्णा ने कहा है कि जब तक मांगा न जाए तब तक कोई भी मूल्यवान वस्तु अर्पित न करें, इस तरह की गैरजिम्मेदारी के परिणाम होते हैं। कंगना के इस जवाब को उनके फैन्स काफी पसंद कर रहे हैं।

कंगना रनौत को नहीं चाहिए मुआवजा

याद दिला दें कि 2020 में बीएमसी ने कंगना रनौत के मुंबई ऑफिस का कुछ हिस्सा अवैध करार देते हुए गिरा दिया था। कंगना ने 3 साल बाद कहा है कि उन्हें उनकी बिल्डिंग गिराने के एवज में कोई मुआवजा नहीं मिला है। कंगना ने कहा कि कोर्ट ने उन्हें मुआवजा देने की बात कही थी लेकिन अब उन्हें एक भी पैसा नहीं चाहिए। एक्ट्रेस ने कहा कि वो नहीं चाहती कि उनकी वजह से टैक्स पेयर्स का नुकसान हो।

माधुरी की वजह से बिगड़ा उर्फी का काम

फैशनिस्टा उर्फी जावेद किसी पहचान की मोहताज नहीं है। वह अपने अतरंगी फैशन सेंस के लिए काफी मशहूर हैं। वह हर बार किसी न किसी वजह से लाइमलाइट में बनी रहती हैं। उर्फी सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं, और अपने फैंस के साथ अपने लाइफ अपडेट शेयर करती रहती हैं। इस बार भी उर्फी ने सोशल मीडिया पर एक खुलासा किया है। उर्फी जावेद ने बताया है कि उन्हें एक अवार्ड फंक्शन में बुलाने के बाद आने से मना कर दिया गया। दरअसल, बीती रात मुंबई में 2023 अवार्ड फंक्शन का आयोजन किया गया था, जहां बी-टाउन और छोटे पर्दे के स्टार्स ने शिरकत की। उर्फी को भी इस अवार्ड के लिए इनविटेशन आया था, लेकिन लास्ट मोमेंट पर उन्हें आने से मना कर दिया गया। उर्फी ने इंस्टाग्राम स्टोरी पर एक पोस्ट शेयर कर इस बात का खुलासा किया है। उन्होंने लिखा- इस इवेंट की मजेदार बात- वे मेरी टीम तक पहुंचे, मुझे इनवाइट किया, मैंने इनविटेशन एक्सेप्ट किया, सारे प्लान कैंसल किए, अपना आउटफिट अरेंज किया, आखिरी टाइम पर उन्होंने मेरी टीम से कहा कि अब मैं इनवाइटेड नहीं हूं। जब हमने वजह पूछी तो उन्होंने कहा कि मैं माधुरी दीक्षित की गेस्ट लिस्ट में नहीं हूं (कितना अजीब कारण है)। भाई मैं मर नहीं रही कहीं जाने के लिए, लेकिन आखिरी समय पर इनवाइट करके किसी से न आने के लिए कहना। थोड़ी हिम्मत जुटाओ या मुझसे उधार ले लो। बता दें कि, इस अवार्ड फंक्शन की चीफ गेस्ट माधुरी दीक्षित थीं।

इंडस्ट्री में नेपोटिज्म पर बोले मिथुन के बेटे महाक्षय

अनुपमा में काव्या का किरदार निभा रही मदालसा शर्मा के पति और रा सारा रारा रा में नजर आने वाले हैं। इसी के प्रमोशन में एक्टर ने अपने पापा, मम्मी और बहन के बारे में बात की है। महाक्षय चक्रवर्ती बॉलीवुड एक्टर मिथुन चक्रवर्ती और योगिता बाली के बेटे हैं। इन्होंने 2008 में इन्होंने जिम्मी से डेब्यू किया था। इसके बाद उन्होंने इश्केदारियां, हॉन्टेड-3डी समेत अन्य फिल्मों काम किया। पिछले 15 सालों में एक्टर ने बहुत सारे अच्छे प्रोजेक्ट्स को हासिल करने की कोशिश की लेकिन उन्हें काफी जद्दोजहद करनी पड़ी। उन्होंने एक इंटरव्यू में बताया कि जब उनके पास बिल्कुल काम नहीं था। उन्हें इस दौरान अपने पिता से इमोशनल सपोर्ट मिला। इंटरव्यू में महाक्षय ने बताया कि मिथुन चक्रवर्ती ने हमेशा सपोर्ट किया। उन्होंने अक्सर यही कहा है कि अगर इंडस्ट्री में आना है तो वो मेरी ही पसंद होगी। मैंने एक्टर बनने का फैसला किया। मेरे मम्मी-पापा ने इस बारे में बिल्कुल जोर नहीं दिया। पापा ने एक बार कहा था- मैं तुम्हारी बिल्कुल मदद नहीं करूंगा क्योंकि तुम मेरे बेटे हो। मेरा बेटा होने की वजह से तुम्हें कभी फ्री टिकट नहीं मिलेगा। तुम्हें खुद ही मेहनत करनी होगी। खुद ही जनता का प्यार, पैसा और समय कमाना होगा।

नेपोटिज्म पर बोले महाक्ष्य चक्रवर्ती

नेपोटिज्म और स्टार किड होने पर मिमोह ने कहा कि इंडस्ट्री में ऐसा कुछ नहीं है। अगर ऐसा कुछ होता तो हर चौथी-पांचवी फिल्म में मैं होता। लेकिन ऐसा नहीं है। मैं अभी भी बाकियों की तरह संघर्ष कर रहा हूं और मुझे यह कहते हुए बहुत गर्व हो रहा है। जब मुझे काम नहीं मिला तो इसकी वजह यह थी कि मैं ऑडिशन में सेलेक्ट नहीं हुआ। इसमें कोई गलत बात नहीं है। एक एक्टर के नाते आप रिजेक्ट होगे ही। मैंने टीवी, फिल्म और वेब शोज के ऑडिशन्स दिए हैं। उनकी वजह से ही काम मिला है। मैं अभी भी ऑडिशन दे रहा हूं क्योंकि मैं एक एक्टर हूं।

बहन और मां के बारे में बोले मिमोह चक्रवर्ती

मिमोह ने आगे कहा कि उनकी मां योगिता बाली जो कि अब फिल्मों से दूर हैं और परिवार के साथ बिजी और खुश हैं। वह बाहर जाना बहुत कम पसंद करती हैं लेकिन एक्टर चाहते हैं कि वह अपनी मां के साथ एक बार जरूर स्क्रीन शेयर करें और ऐसा जल्द होगा। वहीं, बहन दिशानी चक्रवर्ती के लिए मिमोह ने कहा कि वह अभी लॉस एंजलिस में रहती हैं। वह भी फिल्मों में आने का प्लान बना रही हैं। उन्हें पता है कि आगे क्या करना है।

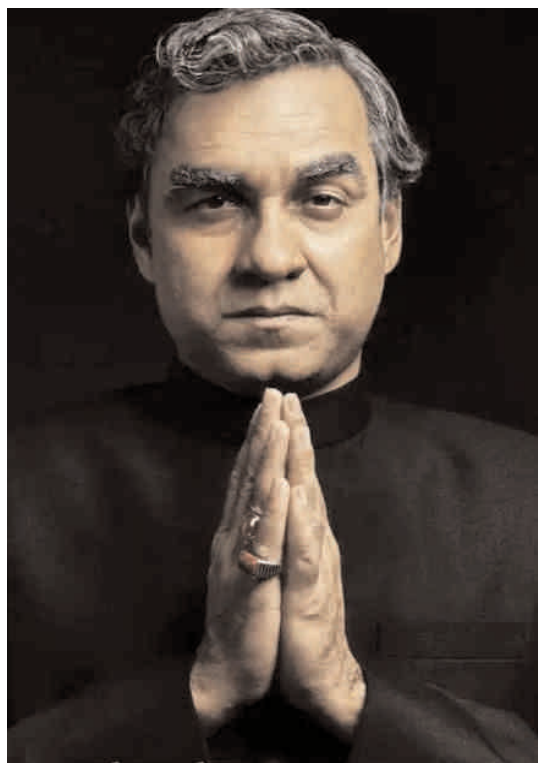

पंकज त्रिपाठी ने शुरू की मैं अटल हूं की शूटिंग

हाल ही में अभिनेता पंकज त्रिपाठी ने अटल बिहारी वाजपेयी की बायोपिक **मैं हूँ अटल से अपना पहला लुक** जारी किया था, जिसने सोशल मीडिया **पर जबरदस्त प्रतिक्रिया प्राप्त की** थी। हाल ही में, अभिनेता ने फिल्म की **शूटिंग शुरू होने की ओर इशारा** करते हुए अपने सोशल मीडिया पर एक **और अपडेट साझा किया। आज**, निर्माताओं ने आधिकारिक तौर पर मैं अटल हूं की शूटिंग की घोषणा की। यह फिल्म भारत के प्रिय नेता, अटल बिहारी वाजपेयी के जीवन और राजनीतिक करियर के इर्द-गिर्द घूमेगी, **जो न केवल एक राजनेता थे, बल्कि** एक कवि भी थे। मुंबई में शूटिंग शुरू **करते हुए, टीम के पास हमारे** देश के विभिन्न हिस्सों जैसे मुंबई और लखनऊ को कवर करने के लिए 45 दिनों से अधिक का लंबा शेड्यूल होगा। शूटिंग शुरू होने पर पंकज त्रिपाठी ने कहा कि, यह मेरे लिए बड़े सम्मान की बात है कि मुझे हमारे महान नेता अटल बिहारी वाजपेयी की **भूमिका निभाने का मौका मिला।** उनकी जीवन शैली और भारत के लिए उनके दृष्टिकोण को समझने के लिए हमने कठोर पठन सत्र आयोजित किए। मैं आज बहुत खुश हूं क्योंकि हम मैं अटल हूं की शूटिंग शुरू कर **रहे हैं। निर्देशक रवि जाधव ने** कहा, मैंने पंकज जी को अटल जी को **जानने और समझने की प्रक्रिया में** शामिल होते देखा है। मुझे यकीन है कि **इस तरह के कुशल व्यक्तित्व को** निभाने के लिए पंकज जी से बेहतर कोई **और नहीं हो सकता था। हमारी** फिल्म के साथ वही जादू पैदा करने की उम्मीद है जो अटल जी ने अपने जीवन और हमारे देश के लिए अपनी दृष्टि के साथ बनाया था। इस अवसर पर निर्माता विनोद भानुशाली व संदीप **सिंह ने कहा, मैं अटल हूं एक विशेष** फिल्म है। फिल्म से जुड़ा हर व्यक्ति **इसे हमारे दर्शकों के लिए बेह**तरीन अनुभवों में से एक बनाने में कोई **कसर नहीं छोड़ रहा है। हमने अप**नी फिल्म की शूटिंग के लिए फर्श पर **आने से पहले कहानी से लेक**र हमारे हर किरदार के लिए लोकेशन, **लोकेशन तक के लिए काफी** शोध किया है। यह एक अविश्वसनीय **अनुभव की शुरुआत है। टीमों** के साथ अनंत मुलाकातों, पूरे क्रू की **कड़ी मेहनत और हमारे अविश्व**सनीय कलाकारों के साथ, मुझे अपनी **फिल्म मैं अटल हूं की** शूटिंग शुरू करने में खुशी हो रही है।

अवॉर्ड फंक्शन में पहने आउटफिट के कारण ट्रोल हुई शिल्पा

शिल्पा शेट्टी कुंद्रा अपनी फिटनेस और खूबसूरती के कारण हमेशा लाइमलाइट में रहती हैं। शिल्पा बॉलीवुड की सबसे फिट एक्ट्रेसेस में से एक हैं। बीते रविवार को शिल्पा एक अवॉर्ड फंक्शन में स्टाइलिश अवतार में स्पॉट हुई। हालांकि एक्ट्रेस को अब सोशल मीडिया पर ट्रोल किया जा रहा है। दरअसल शिल्पा को उनके आउटफिट के लिए ट्रोलिंग का सामना करना पड़ रहा है। इवेंट में शिल्पा शेट्टी एक टू पीस ब्लैक एंड व्हाइट स्ट्राइप्स वाली आउटफिट में नजर आईं। उन्होंने अपने लुक को गोल्ड नेकलेस से एक्सेसराइज किया और रेड लिप शेड के साथ अपने मेकअप को ग्लैम टच दिया। वेन्यू में जाने से पहले एक्ट्रेस ने स्माइल के साथ कैमरे के लिए पोज़ भी दिए। हालांकि शिल्पा का आउटफिट नेटिजंस को रास नहीं आया और इसके लिए उन्हें अब ट्रोल किया जा रहा है। सोशल मीडिया पर ट्रोल हो रही शिल्पा शेट्टी के लिए एक यूजर ने लिखा, पार्टी में ज़ेबरा एक अन्य ने कमेंट किया, मेट गाला की फीलिंग ले रही हैं ये एक और ने कहा, ज़ेबरा क्रॉसिंग एक नेटिज़न्स ने कहा, शहरी ज़ेबरा हालांकि कुछ फैंस ने एक्ट्रेस के लुक और फिटनेस की तारीफ भी की। शिल्पा शेट्टी के वर्क फ्रंट की बात करें तो वे जल्द ही 'केडी- द डेविल' में नजर आएंगी। वह फिल्म में सत्यवती का रोल प्ले करेंगी।

सामंथा रुथ प्रभु की रोमांटिक कॉमेडी खुशी का सिंगल टीजर आउट

दक्षिण की सबसे महत्वाकांक्षी परियोजनाओं में से एक, **शाकुंतलम बॉक्स ऑफिस पर असफल रही**, लेकिन सामंथा **रुथ प्रभु फिर से अपने दर्शकों को अपना बना**ने आ रही हैं। वह वरुण धवन के साथ सिटाडेल के हिन्दी वर्जन को शूट कर रही हैं। इसमें वे प्रियंका चोपड़ा की भूमिका को दोहराती नजर **आएंगी। वहीं वे दूसरी ओर अपनी तमिल फिल्म** खुशी की **शूटिंग फिर से शुरू करने जा रही हैं। इस फिल्म** में वे विजय **देवरकोंडा के साथ रोमांस करती दिखाई देंगी।** 7 मई को **फिल्म के पहले रोमांटिक सिंगल का एक टी**जर जारी किया **गया और यह किसी सपने से कम नहीं लग** रहा है। यह फिल्म 1 सितंबर को सिनेमाघरों में प्रदर्शित होने जा रही है। हालांकि **इसमें अभी समय है लेकिन फिल्म निर्माताओं** और **अभिनेताओं ने फिल्म के पहले सिंगल का** एक टीजर जारी **किया है। छोटी सी झलक में ऐसा लग रहा** था कि विजय **पहाड़ी की चोटी से चिल्लाकर कह रहा है कि** वह कितना प्यार **करता है। जबकि सा**मंथा ने प्रार्थना करने के लिए बैठने के **दौरान हिजाब और बु**र्का पहन रखा था। विजय ने इसकी **झलक शेयर करते** हुए लिखा, खुशी पहला गाना। पूरा गाना **9 मई को रिलीज होगा।** 23 मार्च को, विजय देवरकोंडा और **सामंथा ने अपने संबं**धित सोशल मीडिया पेजों पर खुशी **नामक अपनी आगामी** रोमांटिक कॉमेडी की रिलीज की **तारीख की घोषणा की**। खुशी शिव निर्वाण द्वारा लिखित और **निर्देशित एक रोमांटि**क कॉमेडी है। मैथ्री मूवी मेकर्स द्वारा निर्मित यह फिल्म एक रोमांटिक कॉमेडी है। कुछ हफ्ते पहले, सामंथा ने खुलासा किया कि वह जल्द ही फिल्म के सेट पर **शामिल होंगी। फिल्म** के सहायक कलाकारों में जयराम, **सचिन खेडेकर, मु**रली शर्मा, वेन्नेला किशोर, लक्ष्मी, रोहिणी, अली, राहुल रामकृष्ण, श्रीकांत अयंगर और शरण्या प्रदीप शामिल हैं। छायाकार मुरली, संपादक प्रवीण पुडी और संगीतकार हेशम अब्दुल वहाब तकनीकी दल का हिस्सा हैं।

द केरल स्टोरी को बैन करने की मांग पर आया शबाना आजमी का रिऐक्शन

शबाना आजमी ने द केरल स्टोरी के बैन की मांग कर रहे लोगों को **गलत बताया है। शबाना ने फिल्म के फेवर में एक** ऐसा ट्वीट किया है जिसकी लोग तारीफ कर रहे हैं। द केरल स्टोरी की स्क्रीनिंग को रोकने **की मांग के बीच शबाना आजमी इसके सपोर्ट में** आई हैं। फिल्म को **लेकर सोशल मीडिया दो मतों में बंटा है। कई लोग** इसे प्रोपागैंडा बता रहे आजमी ने फिल्म को लेकर एक ट्वीट किया है जो कि चर्चा में है। शबाना ने ट्विटर पर लिखा है, द केरल स्टोरी को बैन करने की मांग करने वाले लाल सिंह चड्ढा को बैन करने की मांग करने वालों जितने ही **गलत हैं। एक बार फिल्म सेंट्रल बोर्ड ऑफ फिल्म** सर्टिफिकेशन से पास कर दी गई तो एक्स्ट्रा कॉन्स्टिट्यूशनल अथॉरिटी बनने की जरूरत नहीं है। फिल्म के टीजर में दावा किया गया था कि केरल से 32000 लड़कियां गायब होकर भर्ती हो गईं। इसका जबरदस्त विरोध हुआ इसके बाद ट्रेलर में यह संख्या हटा दी गई। फिल्म में दिखाया गया है कि **कैसे साथ पढ़ने वाली मुस्लिम लड़कियों ने दूसरे** धर्म की लड़कियों का **ब्रेनवॉश करके उनका धर्म बदलवाया। इसके बाद** उन्हें आतंकी संगठन **इस्लामिक स्टेट जॉइन करवाया गया। कई लोग** फिल्म को बैन करने **की मांग** कर रहे हैं।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

गाजा पट्टी पर इजरायली हमलों में तीन कमांडरों सहित 13 लोग मारे गए

गाजा। गाजा पट्टी पर इजरायली हवाई हमले में इस्लामिक जिहाद आतंकवादी समूह के तीन कमांडरों सहित 13 लोग मारे गए और 20 अन्य घायल हो गए। गाजा में फिलिस्तीनी सुरक्षा अधिकारियों ने बताया कि हवाई हमले मुख्य रूप से दक्षिणी गाजा पट्टी और गाजा शहर में राफह और खान यूनिस के कस्बों में इमारतों, सैन्य सुविधाओं और चौकियों पर हुए। इजरायली सेना के प्रवक्ता ने कहा कि सेना ने गाजा पट्टी में इस्लामिक जिहाद के खिलाफ सैन्य अभियान शील्ड एंड एरो शुरू किया, जो जारी है। घटनाक्रम की पुष्टि करते हुए इस्लामिक जिहाद की सैन्य शाखा, अल-कुद्स ब्रिगेड ने कहा कि उसके तीन कमांडर परिवार के साथ मारे गए। उनकी पहचान अल-कुद्स ब्रिगेड की सैन्य परिषद के सचिव जिहाद शकर अल-घन्नम, इसके उत्तरी क्षेत्र के कमांडर खलील सलाह अल-बहतिनी और तारिक मुहम्मद एजेदीन के रूप में की। अल-कुद्स ब्रिगेड ने कहा, जैसा कि हम अपने शहीदों, उनकी पत्नियों और उनके बच्चों के साथ शोक मनाते हैं, हम पुष्टि करते हैं कि शहीदों का खून हमारे संकल्प को बढ़ाएगा। इजराइल रक्षा बल के प्रवक्ता डैनियल हागरी ने कहा कि ऑपरेशन में मारे गए तीन इस्लामिक जिहाद नेता सुरक्षा स्थिरता के लिए एक कमजोर कारक थे। इजरायली सेना ने कहा कि स्थिति के आकलन के अनुसार, सेना ने गाजा पट्टी के करीब रहने वाले इजरायली निवासियों को गाजा से रॉकेट दागे जाने के डर से 40 किमी की दूरी पर बम आश्रयों के पास रहने का आदेश दिया था। गाजा से संभावित जवाबी रॉकेटों का हवाला देकर इजराइल ने घिरे एन्क्लेव के पास दक्षिणी शहरों में ट्रेन सेवा को रोक दिया। कई समुदायों में, स्थानीय नगर पालिकाओं ने आश्रय खोले, और रक्षा मंत्री योआव गैलेंट ने रिजर्व सैनिकों को बुलाने के लिए अधिकृत किया। गाजा में स्वास्थ्य मंत्रालय ने कहा कि पीड़ितों में महिलाएं और बच्चे भी शामिल हैं। गाजा शहर में रिहायशी इमारत की सबसे ऊपरी मंजिल और राफह में घर में हवाई हमले में कम से कम 20 अन्य लोग घायल हो गए। इस्लामिक जिहाद के अधिकारी खादर अदनान की मौत के बाद गाजा पट्टी से दक्षिणी इजराइल में 100 से अधिक रॉकेट दागे जाने के एक हफ्ते से भी कम समय के बाद हवाई हमले हुए, जो इजरायल की हिरासत में रहते हुए 86 दिनों तक भूख हड़ताल पर रहे थे।

भारतीय मूल के डॉक्टर पर महिला से यौन शोषण के आरोप

न्यूयॉर्क । अमेरिका के जॉर्जिया राज्य में भारतीय मूल के 68 वर्षीय डॉक्टर पर 12 माह के दौरान नियमित जांच के दौरान अपनी चार महिला मरीजों के यौन शोषण के कई आरोप लगाए गए हैं। विभाग ने कहा कि जॉर्जिया में वेटरंस अफेयर्स मेडिकल सेंटर में काम करने वाले राजेश मोतीभाई पटेल पर कानून के तहत काम करते हुए अपने मरीजों की शारीरिक सुचिता कायम रखने के संवैधानिक अधिकार का उल्लंघन करने और अवांछित यौन संपर्क बनाने का आरोप है। अमेरिकी अटॉर्नी ryan के. बुचानन ने कहा, ''पटेल ने 2019 और 2020 के बीच अपनी महिला मरीजों का कथित तौर पर यौन शोषण किया और अपनी देखरेख में मरीजों को नुकसान न पहुंचाने की अपनी शपथ का उल्लंघन किया।

हालात अनुकुल होने पर चीन की यात्रा पर जाएंगें अमेरिकी विदेश मंत्री

वाशिंगटन । अमेरिकी विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन हालात अनुकूल होते ही चीन की यात्रा कर सकते हैं। उनके प्रवक्ता ने यह जानकारी दी। ब्लिंकन को इस साल की शुरुआत में चीन की यात्रा करनी थी। उनकी इस यात्रा के कुछ दिन पहले अमेरिकी हवाई क्षेत्र में एक चीनी जासूसी गुब्बारा दिखने के बाद यात्रा रद्द कर दी गई थी। विदेश विभाग के उप प्रवक्ता वेदांत पटेल ने कहा, उनका (चीन) जाने का इरादा है। जैसे ही स्थिति अनुकूल होगी और यात्रा की अगर कोई योजना बनती है, तब वह चीन जाना चाहेंगे।'' इसके पहले दिन में चीन में अमेरिकी राजदूत निकोलस बर्न्स ने बीजिंग में चीनी विदेश मंत्री छिन कांग से मुलाकात की। पटेल ने कहा, हम पीआरसी (पीपुल्स रिपब्लिक ऑफ चाइना) में कई अधिकारियों के साथ संपर्क में बने हुए हैं। जैसा कि आप जानते हैं, जब से ब्लिंकन विदेश मंत्री हैं और जिस दौरान चीन के विदेश मंत्री छिन कांग अमेरिका में राजदूत रहे, तब उन्हें एक दूसरे से मुलाकात के कई अवसर मिले। उन्होंने कहा, ''यहां महत्वपूर्ण बात यह है कि हम चाहते हैं कि दोनों देशों के बीच संवाद का माध्यम खुला रहे।'' व्हाइट हाउस की प्रेस सचिव कैरीन ज्यां-पियरे ने कहा कि ब्लिंकन हालात अनुकूल होने पर चीन की अपनी यात्रा को कार्यक्रम फिर से बनाएंगे। उन्होंने कहा, हमने हमेशा अमेरिका और पीआरसी के बीच संचार के विश्वसनीय माध्यमों का आह्वान किया है।

इंटरनेट पहुंचे मामले में सबसे खराब देशों में शामिल पाकिस्तान

इस्लामाबाद। कंगाल पाकिस्तान वर्ष 2022 में इंटरनेट तक पहुंच और डिजिटल शासन प्रणाली के मामले में दुनिया के सबसे खराब प्रदर्शन करने वाले देशों में से एक रहा है। एक रिपोर्ट में यह जानकारी सामने आई है। पाकिस्तान इंटरनेट लैंडस्केप 2022 शीर्षक वाली रिपोर्ट मानवाधिकार संगठन द्वारा जारी की गई। रिपोर्ट में पिछले साल पाकिस्तान में मानवाधिकारों और सूचना तथा संचार प्रौद्योगिकियों के बारे में बताया गया है। रिपोर्ट के अनुसार, इंटरनेट पहुंच और समग्र शासन के मामले में, पाकिस्तान में कुछ सुधार हुआ है, लेकिन दुनिया के संदर्भ में, देश सबसे खराब प्रदर्शन करने वाले देशों में से है, यहां तक कि एशिया में भी।'' रिपोर्ट के अनुसार इंटरनेट की पहुंच में वृद्धि के बावजूद, लगभग 15 प्रतिशत आबादी की अभी भी इंटरनेट और मोबाइल या दूरसंचार सेवाओं तक पहुंच नहीं है। इसके अनुसार पाकिस्तान में साइबर अपराध में लगातार वृद्धि देखी गई। दिसंबर 2022 तक 100,000 से अधिक शिकायतें दर्ज की गईं, जो पिछले पांच वर्षों में सबसे अधिक थी। रिपोर्ट के मुताबिक पाकिस्तान इंटरनेट पहुंच के मामले में एशिया के 22 देशों में सबसे निचले पायदान पर रहा।

रूसी सेना के पास हथियारों की कमी, 70 साल पुराने टैंक को यूक्रेन के खिलाफ तैनात किया

मॉस्को। रूस और यूक्रेन का युद्ध साल भर से भी ज्यादा समय से हो रहा है। पुतिन की सेना को इसमें भारी नुकसान हुआ है। रूसी सेना के पास हथियारों की कमी देखने को मिल रही है। इस बीच खबर है कि रूस ने अपने 70 साल पुराने टैंक को युद्ध में तैनात कर दिया है। एक्सपर्ट्स का मानना है कि यह असरदार हो सकता है। ये टी-55 टैंक हैं, इस रूस ने 1948 में दूसरे विश्वयुद्ध के बाद कमीशन किया था। रूस में अगर आज आप इन्हें देखना चाहें, तब उसके लिए म्यूजियम में जाना पड़ेगा। वीडियो को एक महिला ने रिकॉर्ड किया है। ट्रेन को शूट करते हुए वह कहती है, वाह, ये दूसरी ट्रेन है। इससे पहली ऐसी ही एक और ट्रेन जा चुकी है। वीडियो मार्च के अंत में बनाया गया था।। रिपोर्ट के मुताबिक इतिहासकार जॉन डेलाने ने कहा कि यह शीत युद्ध के दौरान सोवियत यूनियन की ओर से इस्तेमाल किया जाने वाला प्रमुख टैंक था। डेलाने ने कहा रेड आर्मी के लिए टी -55 सबसे प्रमुख टैंक था। बाद में इसके अन्य संस्करण बने जो दुनिया में अब तक सबसे ज्यादा संख्या में निर्मित टैंक हैं। इसतरह के एक लाख से ज्यादा टैंक बनाए गए थे। ये सस्ते, विश्वसनीय, इस्तेमाल और मेंटीनेंस में आसान थे। लेकिन बाद में पश्चिमी देशों के टैंकों से इनका कोई मुकाबला नहीं रहा। उन्होंने कहा कि प्रथम खाड़ी युद्ध में 1991 में अमेरिकी और ब्रिटिश टैंक इराकी टी 55 एस को 23 किमी दूर से ही ध्वस्त कर देते थे।

एयरलाइन कंपनी की गलती से बिना पासपोर्ट विदेश पहुंच गई एक महिला

न्यूजर्सी । अमेरिका में डोमेस्टिक ट्रेवलिंग के दौरान एक महिला के साथ अजीब वाकया देखने को मिला है। दरअसल महिला एक एयरलाइन कंपनी की गलती की वजह से डोमेस्टिक यात्रा में विदेश पहुंच गईं। हैरानी तो तब हुई जब महिला एयरपोर्ट पर उतरीं तो उनके पास न पासपोर्ट था और न ही वीजा। एक खबर के मुताबिक एलिस हेबर्ड नाम की महिला ने अमेरिकी एयरलाइन कंपनी फ्रंटियर से उड़ान भरी थी। उन्होंने न्यूजर्सी से फ्लोरिडा के लिए टिकट लिया था लेकिन एक गड़बड़ी के कारण वो दूसरी फ्लाइट में बैठ गईं और कैरेबियन कंट्री जमैका पहुंच गईं। एलिस को जाना था फ्लोरिडा लेकिन चेकइन के दौरान एयरलाइन कर्मियों ने ध्यान नहीं दिया और महिला इंटरनेशनल फ्लाइट में बैठ गईं।

नेपाल के ललितपुर में एक जंगल में लगी आग। जिसके बाद उठता हुआ धूआं।

पुतिन की विरोधियों को चेतावनी, हमारे खिलाफ एक वास्तविक युद्ध' छेड़ा गया

मॉस्को । रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने मॉस्को के 'रेड स्क्वायर पर देश की विजय दिवस परेड को संबोधित कर दावा किया कि रूस के खिलाफ 'एक वास्तविक युद्ध' छेड़ा गया है। वह यूक्रेन में युद्ध के संदर्भ में यह बात कह रहे थे जिस क्रेमलिन पश्चिम के साथ छद्म संघर्ष के तौर पर चित्रित करता है। पुतिन ने कहा, 'आज सभ्यता एक बार फिर निर्णायक मोड़ पर है। हमारी मातृभूमि के खिलाफ एक वास्तविक युद्ध छेड़ा गया है। पुतिन ने कहा कि पश्चिम में वे भूल गए हैं कि राक्षसी वैश्विक बुराई को किसने हराया।

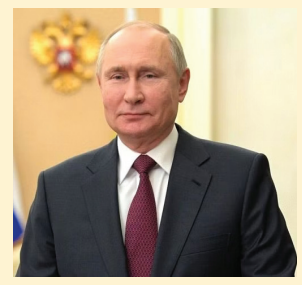

उन्होंने कहा, 'हम मानते हैं कि श्रेष्ठता की कोई भी विचारधारा घृणित, आपराधिक और घातक है, लेकिन पश्चिमी अभिजात वर्ग अभी भी उनकी असाधारणता के बारे में बात करते हैं। विरोधियों को चेतावनी देकर पुतिन ने कहा कि रूस के विरोधियों का लक्ष्य और कुछ भी नहीं है, बल्कि अपने देश के विघटन और विनाश को हासिल करना है। उन्होंने यूक्रेन पर रूसी हमले का जिक्र कर कहा कि कीव तख्तापलट और पश्चिम के हाथों सौदेबाजी के जाल में फंस गया है। उन्होंने परेड में मौजूद उन सैनिकों का स्वागत किया जो यूक्रेन में जंग लड़ रहे हैं।

पूर्व पीएम इमरान को इस्लामाबाद हाईकोर्ट से गिरफ्तार

- पीटीआई का दावा उन्हें मारने की कोशिश हो रही

-पाकिस्तान में हालात तनावपूर्ण

इस्लामाबाद (एजेंसी)। पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान को गिरफ्तार हो गए हैं। मंगलवार को इमरान उस समय गिरफ्तार किया जब वह इस्लामाबाद हाईकोर्ट में अपने बायोमैट्रिक वेरीफिकेशन के लिए जा रहे थे। पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) के नेता मुसर्रत चीमा ने दावा किया है कि इमरान को टॉर्चर किया जा रहा है। पार्टी की ओर से उन्हें मारे जाने और उनके बुरी तरह से घायल होने की बातें कही जा रही हैं। इमरान की गिरफ्तारी उनकी उस लाहौर रैली के बाद हुई है जिसमें उन्होंने सेना पर गंभीर आरोप लगाए थे। इमरान ने अपनी रैली में पूर्व राष्ट्रपति आसिफ अली जरदारी और विदेश मंत्री बिलावल भुट्टो पर निशाना साधा था।

वहीं इस्लामाबाद पुलिस की तरफ से ट्वीट कर बताया कि इमरान की गिरफ्तारी कादिर ट्रस्ट केस में हुई है। पीटीआई के उपाध्यक्ष फवाद चौधरी ने ट्वीट कर कहा कि हाईकोर्ट इस समय रेंजर्स के कब्जे में है और वकीलों को टॉर्चर किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि इमरान की कार को भी घेर लिया गया था। पीटीआई के एक और नेता अजहर मशवानी ने आरोप लगाया है कि इमरान को कोर्ट के बाहर रेंजर्स ने किडनैप कर लिया है। मशवानी के मुताबिक पार्टी ने देशभर में अपने समर्थकों को इकट्ठा होने के लिए कहा है। गिरफ्तारी से ठीक पहले प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ और पाकिस्तान पीपुल्स पार्टी (पीपीपी) के सह-अध्यक्ष आसिफ अली जरदारी ने इमरान खान के सेना पर लगाए गए गंभीर आरोपों की निंदा की है।

पीएम शरीफ ने कहा कि राजनीतिक लाभ के लिए पाकिस्तानी सेना और खुफिया एजेंसी को नियमित रूप से बदनाम करने और धमकाने का खान का यह कदम बेहद निंदनीय है। प्रधानमंत्री ने कहा, जनरल फैसल नसीर और हमारी खुफिया एजेंसी के अधिकारियों के खिलाफ बिना किसी सबूत के आरोप लगाने की अनुमति नहीं दी जा सकती है और इस बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। वहीं, पूर्व राष्ट्रपति जरदारी ने कहा कि पीटीआई प्रमुख ने संस्थानों को बदनाम करने के लिए सारी हदें पार कर दी हैं, जिसे अब बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

जरदारी ने पीटीआई प्रमुख का नाम लिए बिना बयान में कहा, संस्थानों को बदनाम करने की कोशिश ने आदमी का असली चेहरा उजागर कर दिया है और अब बहुत हो चुका है। विदेशी एजेंट के भाषण को सुनने के बाद कोई भी देशभक्त उसके पीछे चलने के बारे में सोच भी नहीं सकता। जरदारी ने कहा कि पाकिस्तानी सेना के बहादुर और प्रतिष्ठित अधिकारियों पर आरोप उस संस्था पर हमला है, जिसके साथ पूरा पाकिस्तान खड़ा है।

वीडियो में इमरान को घसीटते ले जाते दिख पाकिस्तानी रेंजर्स

पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) के अध्यक्ष और पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान को इस्लामाबाद हाई कोर्ट के बाहर से गिरफ्तार कर लिया गया। इमरान की गिरफ्तारी का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया, जिसमें पाकिस्तानी रेंजर्स उन्हें खींचते हुए ले जाते दिख रहे हैं। इमरान की पार्टी पीटीआई ने उनकी इस कदर गिरफ्तारी को अपहरण करार दिया है। पीटीआई ने कहा, 'पाकिस्तान रेंजर्स ने पीटीआई के अध्यक्ष इमरान खान का अपहरण कर लिया। पीटीआई ने दावा किया है कि गिरफ्तार करने के दौरान इमरान खान को पाकिस्तानी रेंजर्स ने धक्का दिया था जिससे वे घायल हो गए।

पाकिस्तानी अखबार के अनुसार, आरोप है कि बहरिया टाउन में पीटीआई अध्यक्ष और उनकी पत्नी के स्वामित्व वाले अल-कादिर ट्रस्ट को 53 करोड़ रुपये मूल्य की जमीन गलत तरीके से आवंटित कर दी गई। वहीं अपनी गिरफ्तारी से पहले इमरान खान ने कहा था, मुझ पर कोई मामला नहीं है। वे मुझे जेल में डालना चाहते हैं, मैं इसके लिए तैयार हूं।

इजरायली विदेश मंत्री पीएम मोदी से मुलाकात कर वापस अपने देश लौटे

-तीन दिन दौरा बीच में ही छोड़ा

तेल अवीव (एजेंसी)। इजरायली विदेश मंत्री एली कोहेन जो मंगलवार को ही भारत पहुंचे थे, अब अपना दौरा बीच में छोड़कर देश वापस लौट रहे हैं। उन्होंने खुद ट्वीट कर इसकी जानकारी दी। कोहेन द्विपक्षीय संबंधों को विस्तार देने के नए तरीकों पर बातचीत करने के लिए भारत आए थे। साथ ही उनका मकसद इस साल प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू की भारत यात्रा का आधार तैयार करना भी था। इजरायल में वर्तमान में हालात काफी तनावपूर्ण बने हुए हैं। इजरायली विदेश मंत्री कोहेन ने ट्वीट कर अपना दौरा बीच में छोड़ने की जानकारी दी। इस साल के अंत में इजरायली प्रधानमंत्री नेतन्याहू भारत आने वाले हैं। पीएम मोदी की तरफ से जनवरी में नेतन्याहू को भारत आने के लिए आमंत्रित किया था।

उन्होंने लिखा, मैं कुछ ही समय पहले नई दिल्ली पहुंचा हूं और यहां पर लैंड करते ही मुझे सुरक्षा स्थिति की ताजा जानकारी दी गई। इजरायल में घटनाक्रम को देखकर मैंने अपने इस राजनयिक दौरे की अवधि कम करने का फैसला किया है। मैं भारतीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात करने के तुरंत बाद ही अपने देश वापस लौट जाऊंगा जो कि आज ही होनी है। कोहेन का दौरान तीन दिनों का था मगर अब वह एक ही दिन में दौरा पूरा करके लौट रहे हैं।

कोहेन को अपने भारतीय समकक्ष एस जयशंकर के साथ रणनीतिक मामलों और व्यापार सहित दोनों देशों के बीच संबंधों पर वार्ता करनी थी। इजरायली विदेश मंत्री हालांकि मंगलवार को भारतीय उद्योग परिसंघ (सीआईआई) द्वारा आयोजित बिजनेस फोरम में शामिल हुए। उनका मुंबई जाने का भी प्रोग्राम था लेकिन अब उन्?होंने अपने सभी कार्यक्रम रदद कर दिए हैं। मंगलवार को ही इजरायली सेना ने तड़के गाजा पट्टी में 'इस्लामिक जिहाद' संगठन के ठिकानों पर हमले किए हैं। इसके बाद से ही स्थिति बिगड़ गई है। इजरायल की सेना की तरफ से तीन आर्तकियों को मारने की जानकारी दी गई है। आतंकी संगठन की तरफ से कहा गया है कि इस हमले में उसके तीन वरिष्ठ कमांडर और उनके परिवार के सदस्य मारे गए हैं। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया है कि कि गाजा शहर में एक अपार्टमेंट की सबसे ऊपरी मंजिल और दक्षिणी शहर राफा में एक घर में विस्फोट हुआ।

श्रीलंका में समलैंगिकता अपराध की श्रेणी से बाहर, सुप्रीम कोर्ट ने एक दर्जन से अधिक याचिकाओं को सुनने के बाद दिया फैसला

काहिरा (एजेंसी)। भारत की सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को समलैंगिक विवाह पर दलीलें सुनना जारी रखा। मुख्य न्यायाधीश डी वाई चंद्रचूड़ और जस्टिस एसके कौल, एसआर भट, हेमा कोहली और पीएस नरसिम्हा की पांच-न्यायाधीशों की संविधान पीठ मामले की सुनवाई कर रही है। वहीं भारत के पड़ोसी मुल्क श्रीलंका में एक बड़ा निर्णय लिया गया है। श्रीलंका के सुप्रीम कोर्ट ने समलैंगिकता को अपराध की श्रेणी से बाहर करने की मांग करने वाले विधेयक को हरी झंडी दे दी है। संसद के अध्यक्ष ने मंगलवार को 'ऐतिहासिक विकास' के रूप में उठाए गए कदम की सराहना की। श्रीलंका में एलजीबीटीक्यू अधिकार कार्यकर्ता एक ऐसे देश में कानून को बदलने के लिए वर्षों से अभियान चला रहे हैं जहां समलैंगिकता अभी भी जेल की सजा और जुर्माने का प्रावधान है। जिसके कारण पिछले महीने संसद में निजी सदस्य का बिल पेश किया गया था।

संसद के अध्यक्ष महिंदा यापा अबेवर्धने ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट ने तर्क के दोनों पक्षों पर एक दर्जन से अधिक याचिकाओं को सुनने के बाद फैसला सुनाया कि यह असंवैधानिक नहीं है। स्पीकर ने संसद को बताया कि सुप्रीम कोर्ट की राय है कि संपूर्ण रूप से या इसके किसी भी प्रावधान के रूप में बिल संविधान के साथ असंगत नहीं है। निर्णय को 'ऐतिहासिक विकास के रूप में देखा गया है जिसने वास्तविक परिवर्तन की दिशा में आशा पैदा की है। श्रीलंका में iProbono के अटॉर्नी-एट-लॉ और वकालत अधिकारी ने कहा, जिसने बिल का समर्थन करने वाली कई याचिकाओं का समर्थन किया।

आईएमएफ से कर्ज लेने के बाद भी नहीं सुधर रहे मिस्र में हालात

-लोगों में दाम ज्यादा होने के कारण मांस खाना बंद किया

काहिरा (एजेंसी)। पाकिस्तान के अलावा एक और इस्लामिक देश ऐसा है, जो भारी आर्थिक संकट से जूझ रहा है। मिस्र में हालात इसतरह के हैं कि जहां लोग एक साथ दूसरी नौकरी की तलाश में हैं। इसके अलावा लोगों ने यहां मांस खाना कम कर दिया है, क्योंकि उसके दाम हद से ज्यादा बढ़ चुके हैं। मिस्र का पाउंड डॉलर के मुकाबले एक साल में आधा रह गया है। मिस्र में मुद्रास्फीति 33 फीसदी हो गई है और लोग इससे निपटने के लिए संघर्ष कर रहे हैं। सबसे हालिया सरकारी आंकड़ों के मुताबिक मिस्र की गरीबी दर 30 फीसदी के करीब है, हालांकि सही आंकड़ा इससे ज्यादा होने की उम्मीद है।

भले ही मिस्र में गरीबी बढ़ रही हो, लेकिन सरकार काहिरा से 45 किमी पूर्व में एक शानदार नई प्रशासनिक राजधानी जैसी बड़ी परियोजनाओं पर भारी खर्च कर रही है। उसका दावा है कि यहां अफ्रीका की सबसे ऊंची इमारत और एक भव्य मस्जिद होगी। अमेरिका स्थित थिंकटैंक के टिमोथी ई कलदास ने कहा, 2019 में वर्ल्ड बैंक का अनुमान था कि मिस्र के 60 फीसदी लोग गरीबी रेखा के पास या उससे नीचे रहते हैं। तब एक बड़ी आबादी रेखा से ऊपर थी, लेकिन अब वह नीचे आ चुकी है। यूक्रेन पर हमला होने के बाद मिस्र ने एक बड़ी आबादी को नकद सहायता दी है। इस दौरान आईएमएफ की ओर से भी मदद दी जा रही है, लेकिन इसका कोई खास असर देखने को नहीं मिला है। अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) ने साल की शुरुआत में मिस्र को अतिरिक्त 3 अरब डॉलर के वित्तपोषण की मदद दी। इसमें आईएमएफ की शर्त थी कि मिस्र 2 करोड़ लोगों को नकद सहायता प्रदान करे। कलदास ने कहा कि सरकार पर्याप्त काम नहीं कर रही है। अगर 2019 में 60 फीसदी आबादी कमजोर थी, इसका मतलब है कि संकट के बाद या लाखों लोग गरीबी की कगार पर हैं। मिस्र आईएमएफ का दूसरा सबसे बड़ा कर्जदार बना हुआ है। मिस्र आईएमएफ का लगभग 13.5 अरब डॉलर का कर्जदार है। आईएमएफ ने पहले कड़ी शर्तें लगाने को कहा था, लेकिन इसके बावजूद वह रिजल्ट नहीं मिले, जिसका वादा किया गया था। हाल ही में जो पैकेज दिया गया उसके लिए भी सख्त शर्तें लगाई गई थीं, जिसमें मिस्र की विशाल और अपारदर्शी सैन्य अर्थव्यवस्था पर प्रतिबंध शामिल हैं।

पाकिस्तान को आंतकी कहने पर नहीं, पीओके का जिक्र होने पर चिढ़ा चीन

बीजिंग । पूरी दुनिया ने देखा कि कैसे भारत ने पहले पाकिस्तान को एससीओ बैठक में बुलाया फिर उसके बाद उसकी जमकर धुलाई कर दी। भारतीय विदेश मंत्री एस जयशंकर के बयान सुनकर पाकिस्तानी लोग शर्मिंदा हो गए हैं। वैसे आपको अगर लग रहा है कि एससीओ बैठक में भारत ने सिर्फ पाकिस्तान को लताड़ा हैं, तब आपको विदेश मंत्री जयशंकर के बयान और उनकी कूटनीति को दुबारा समझना होगा। दरअसल, भारत ने एससीओ बैठक में हमला तब पाकिस्तान पर किया था, लेकिन इस हमले में घायल चीन भी हो गया। चीनी विदेश मंत्री किंग गैंग एससीओ बैठक से निकलकर सीधा पाकिस्तान पहुंच गए। इतना ही नहीं पाकिस्तान पहुँच कर उन्होंने भारत को धमकी दे दी। चीन ने क्या कहा है, उससे पहले आपको ये जानना चाहिए कि आखिर चीन ऐसा क्यों कहा है? दरअसल, चीन को इससे कोई फर्क नहीं पड़ता कि भारत ने एससीओ बैठक में पाकिस्तान के विदेश मंत्री को आतंक की इंडस्ट्री का प्रवक्ता कहा है। लेकिन चीन इस बात से बेहद हैरान है कि भारत ने एससीओ बैठक में पीओके और सी-पैक प्रोजेक्ट का मुद्दा क्यों उठा दिया।

ट्रम्प कानून से ऊपर नहीं हैं, लेखक के बलात्कार के दावों में अंतिम सुनवाई के दौरान वकील ने मुकदमे में दलीलें बंद करने को कहा

वाशिंगटन (एजेंसी)। लेखक के बलात्कार के दावों में अंतिम सुनवाई के दौरान वकील ने कोर्ट से कहा कि ट्रंप कानून से ऊपर नहीं है। 1996 में एक सलाह स्तंभकार पर यौन हमला करने के लिए डोनाल्ड ट्रम्प को जवाबदेह ठहराया जाना चाहिए क्योंकि यहां तक कि एक पूर्व राष्ट्रपति भी कानून से ऊपर नहीं है।

स्तंभकार के एक वकील ने सोमवार को जूरी को मुकदमे में दलीलें बंद करने के लिए कहा जिसमें ट्रम्प पर बलात्कार का आरोप लगाया गया था। ट्रम्प के एक वकील ने आरोप लगाने वाले को अविश्वसनीय और अपमानजनक करार दिया।

अंतिम बहस पूरी हो जाने के बाद, जूरी सदस्यों से यह तय करने के लिए कहा जाएगा कि क्या ट्रम्प ने ई. जीन कैरोल को बदनाम किया और क्या हर्जाना दिया जाना चाहिए। कैरोल के मामले की पुनरावृत्ति में वकील रोबर्टा कापलान ने ट्रम्प के वीडियो क्लिप दिखाए और 2005 एक्सेस हॉलीवुड वीडियो को फिर से चलाया जिसमें ट्रम्प ने माइक में कहा कि मशहूर हस्तियां महिलाओं के जननांगों को बिना पूछे हड़प सकती हैं।

2024 रिपब्लिकन राष्ट्रपति पद की दौड़ में सबसे आगे चल रहे ट्रंप ने कैरोल के साथ बलात्कार की बात से इनकार किया है। उन पर 2019 के संस्मरण की बिक्री बढ़ाने के लिए कहानी बनाने का आरोप लगाया है जिसमें उन्होंने अपने दावों को सार्वजनकि किया है।

कूनो में आपसी संघर्ष में मादा चीता ने गवाई जान

श्योपुर। श्योपुर कूनो नेशनल पार्क में अफ्रीका से लाए गए एक और चीते की मौत हो गई है। आपसी संघर्ष में मादा चीता धीरा ने दम तोड़ दिया। अफ्रीका से आए मादा चीता धीरा का कूनो राष्ट्रीय उद्यान के अंदर एक अन्य चीता से लड़ाई हो गई थी। रिपोर्ट के मुताबिक नर चीता फिंडा, वायु और अग्नि से मादा चीता दक्षा और धीरा की भिड़त हुई थी। इसी में धीरा की मौत हो गई। दक्षिण अफ्रीका और नामीबिया से लाए गए ये तीसरे चीते की मौत है। सबसे पहले मादा चीता शाशा की मौत हुई थी।

शाशा की मौत स्वास्थ्य में गड़बड़ी के कारण हुई थी। उसके बाद उदय नाम के चीते की मौत हो गई थी हार्ट अटैक के कारण हुई थी। बता दें कि नामीबिया और दक्षिण अफ्रीका से कूनो नेशनल पार्क में 20 चीते लाए गए थे जिसमें अब 17 बचे हैं। अप्रैल महीने में क्वारंटाइन पीरियड पूरा होने के बाद अफ्रीकी चीतों को बड़े बाड़े से खुले जंगल में रिलीज कर दिया गया था।

एनसीपी नेता के विवादित बोल....द केरल स्टोरी निर्माता को सरेआम फांसी दी जाए

मुंबई। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के विधायक जितेंद्र आव्हाड ने मंगलवार को हाल ही में रिलीज हुई फिल्म 'द केरल स्टोरी' के निर्माता पर निशाना साधा है। आव्हाण ने कहा कि निर्माता को सरेआम फांसी दे देनी जाहिए। एनसीपी नेता ने कहा कि 'केरल स्टोरी के नाम पर एक राज्य और उसकी महिलाओं को बदनाम किया गया। तीन के आधिकारिक आंकड़े को बढ़ा-चढ़ाकर 32,000 के रूप में दिखाया गया। इस काल्पनिक फिल्म को बनाने वाले को सार्वजनिक रूप से फांसी दी जानी चाहिए। आतंकवादी समूह इस्लामिक स्टेट के लड़कियों की भर्ती के तरीकों को दिखाने वाली सुदीप्तो सेन के निर्देशित में बनी फिल्म ने देश भर में बड़े पैमाने पर राजनीतिक तूफान खड़ा कर दिया है। फिल्म को बीजेपी शासित राज्यों मध्य प्रदेश और उत्तर प्रदेश के साथ भारतीय जनता पार्टी का समर्थन मिला है। जिन्होंने फिल्म को टैक्स फ्री घोषित किया है। वहीं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बेल्लारी में एक रैली में फिल्म का उल्लेख करते हुए कहा था कि इसने समाज में आतंकवाद के नतीजों को उजागर किया है। दूसरी ओर बीजेपी अध्यक्ष नड्डा ने बेंगलुरू में एक विशेष स्क्रीनिंग में फिल्म देखी थी। हालांकि, पश्चिम बंगाल सरकार ने राज्य में 'नफरत और हिंसा से बचने' के लिए फिल्म पर प्रतिबंध लगा दिया है, जिससे राज्य में टीएमसी-बीजेपी की लड़ाई तेज हो गई है। वहीं सुप्रीम कोर्ट 15 मई को केरल हाईकोर्ट के आदेश के खिलाफ एक याचिका पर सुनवाई करेगा, जिसने फिल्म की रिलीज पर रोक लगाने से इनकार कर दिया था।

घाटी से आंतक को जड़ से खत्म करने में जुटी एनआईए, कई जगह छापेमारी

-जी20 की बैठक श्रीनगर में होने से तिलमिलाया पाकिस्तान

जम्मू। भारत ने जी20 की बैठक जम्मू-कश्मीर में करने की घोषणा की है, तभी से पाकिस्तान तिलमिलाया हुआ है। कश्मीर का अलगावादी खेमा भी पाकिस्तान से इस बैठक को रोकने की गुहार लगा रहा है। जी 20 की श्रीनगर में होने वाली बैठक को लेकर भारत ने अपनी पूरी कमर कस रखी है। इसके बाद जहां भारत कश्मीर के चप्पे-चप्पे को खंगाल कर आतंकियों को ढेर कर रहा है, इसके बाद आतंकी सेना को निशाना बना रहे हैं। अब आतंक को घाटी की जमीन से जड़ से खत्म करने के लिए राष्ट्रीय जांच एजेंसी भी जुटी हुई है। एनआईए जम्मू-कश्मीर में कई जगहों पर छापेमारी कर रही है। ये छापे उनके पाकिस्तानी कमांडरों और संचालकों के इशारे पर विभिन्न छद्म नामों के तहत संचालित आतंकवादी समूहों द्वारा रची गई आपराधिक साजिश से संबंधित हैं। ऑपरेशन श्रीनगर, अनंतनाग, कुपवाड़ा, पुंछ, राजौरी और किश्तवाड़ सहित जिलों में चलाया जा रहा है। एनआईए की छापेमारी 5 मई को राजौरी जिले में आतंकवादियों के साथ मुठभेड़ में सेना के पांच जवानों के शहीद होने के कुछ दिनों बाद आई है। सूत्रों ने बताया कि बॉर्डर एक्शन टीम (बीएटी), जिसमें पाकिस्तानी सेना के कमांडो और सुरक्षाकर्मियों के सिर काटने के लिए कुख्यात आतंकवादी शामिल हैं, उस पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर (पीओके) में देखा गया है।

2015 से 2022 के बीच भ्रष्टाचार के आरोपों में एक दर्जन सरकारी अधिकारी गिरफ्तार

नई दिल्ली। 2015 से 2022 के बीच हर साल दिल्ली में भ्रष्टाचार के आरोपों में कम से कम एक दर्जन सरकारी अधिकारियों को गिरफ्तार किया गया है। अधिकतर आरोपी वे थे, जो कि सार्वजनिक व्यवहार वाले विभागों जैसे कि दिल्ली जल बोर्ड (डीजेबी), दिल्ली नगर निगम (एमसीडी) और राजस्व, में तैनात थे। एक आरटीआई के जरिए ये आंकड़े सामने आए हैं। इस अवधि के दौरान 144 मामलों में अदालतों में चालान या चार्जशीट दायर किए जाने के बावजूद, केवल 32 या 30 प्रतिशत से थोड़ा अधिक मामलों में ही दोषसिद्धि हुई। 2015 से 2022 तक गिरफ्तार किए गए दिल्ली सरकार के 20 से अधिक विभागों के 101 अधिकारियों के अलावा, इस साल भ्रष्टाचार निरोधक शाखा (एसीबी) द्वारा तीन गिरफ्तारियां की गईं। परिवहन विभाग के दो कर्मियों और एमसीडी से एक-कुल मिलाकर गिरफ्तारियों की संख्या 104 हो गई है। एक वरिष्ठ सरकारी अधिकारी ने कहा कि ये संख्या केवल उन अधिकारियों से जुड़ी हैं, जो एसीबी के अधिकार क्षेत्र में आते हैं। कथित भ्रष्टाचार के मामलों में केंद्र के विभागों या सिविल सेवा के वरिष्ठ स्तर पर तैनात अधिकारियों जैसे दिल्ली, अंडमान और निकोबार, लक्षद्वीप, दमन और दीव, दादरा और नगर हवेली सिविल सेवा और आईएएस अधिकारियों के खिलाफ सीबीआई जैसी केंद्रीय जांच एजेंसियों द्वारा कार्रवाई की जाती है। आरटीआई के अनुसार, इस अवधि के दौरान आप सरकार के सबसे अधिक 23 अधिकारियों को दिल्ली जल बोर्ड में गिरफ्तार किया गया, इसके बाद राजस्व विभाग और एमसीडी में 18-18 अधिकारियों को गिरफ्तार किया गया। कम दोषसिद्धि दर के कारणों के बारे में पूछने पर, सूत्रों ने भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के मामलों की लंबी प्रक्रिया और कुछ अन्य कारणों की ओर इशारा किया। वहीं दावा किया गया कभी-कभी सरकारी विभाग से समय पर अभियोजन स्वीकृति की कमी के कारण जांच प्रभावित होती है। कई मामलों में, दस्तावेज जो सबूत का हिस्सा हैं, गुम हो जाते हैं या नष्ट हो जाते हैं, जब तक मामला सुनवाई के लिए आता है, तब तक गवाह मुकर जाते हैं या अपना स्थान बदल देते हैं।

कालाहांडी में ओडिशा पुलिस के साथ मुठभेड़ में 3 माओवादी ढेर, एके-47 रायफल बरामद

नई दिल्ली। कालाहांडी जिले में ओडिशा पुलिस कर्मियों के साथ मुठभेड़ में कम से कम तीन माओवादी मारे गए। मुठभेड़ मदनपुर-रामपुर पुलिस के अधिकार क्षेत्र में तपरेंगा-लुबेंगड जंगल में हुई। कालाहांडी के एसपी अभिलाष जी ने समाचार एजेंसी एएनआई को बताया कि मौके से एक एके 47 राइफल बरामद की गई है। मुठभेड़ के दौरान एक पुलिस अधिकारी गंभीर रूप से घायल हो गया और उसे बोलांगीर के भीमा भोई अस्पताल में भर्ती कराया गया है। अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक (माओवादी विरोधी अभियान) अमिताभ ठाकुर ने कहा कि माओवादियों के बारे में जानकारी जुटाने के दौरान, एसआईडब्ल्यू टीम को कंधमाल जिले की सीमा से लगे कालाहांडी के मदनपुर रामपुर थाना क्षेत्र के तपरेंगा-लुडेंगड जंगल में माओवादियों के शिविर होने की सूचना मिली थी। ऑपरेशन शुरू करने के लिए भवानीपटना शहर से स्पेशल ऑपरेशन ग्रुप के कमांडो को लाने में काफी समय लग सकता था, एसआईडब्ल्यू के जवानों ने तपरेंगा-लुडेंगड जंगल में इंटेल इनपुट पर तुरंत कार्रवाई की। ठाकुर ने कहा कि एसआईडब्ल्यू के जवान इलाके में पहुंचे तो वे माओवादियों के निशाने पर आ गए। जब उन्होंने जवाबी कार्रवाई की तो कम से कम 3 माओवादी मारे गए। हमारे एक डीएसपी के पैर में गोली लगी थी और उसे बोलांगीर शहर के एक अस्पताल में भर्ती कराया गया था और अब उसे भुवनेश्वर लाया जा रहा है।

नीतीश कुमार के ओडिशा दौरे को सुशील मोदी ने बताया विफल, लगाया सरकारी धन की बर्बादी का आरोप

नई दिल्ली (एजेंसी)। 2024 से पहले विपक्षी एकता को धार देने के लिए बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने मंगलवार को ओडिशा के मुख्यमंत्री नवीन पटनायक से मुलाकात की। हालांकि, दोनों मुख्यमंत्रियों ने दावा किया कि बैठक के दौरान अगले साल लोकसभा चुनाव के लिए जद (यू) और बीजू जनता दल (बीजद) के बीच किसी भी राजनीतिक गठबंधन बनाने पर कोई चर्चा नहीं हुई। लेकिन इसको लेकर राजनीति शुरू हो गई है। भाजपा ने नीतीश कुमार के ओडिशा दौरे को पूरी तरह से विफल बताया है। पूर्व उपमुख्यमंत्री एवं राज्यसभा सदस्य सुशील कुमार मोदी ने कहा कि ओडिशा के मुख्य मंत्री नवीन पटनायक ने नीतीश कुमार से कोई राजनीतिक बात नहीं होने की पुष्टि कर विपक्षी एकता को करारा झटका दिया।

भाजपा नेता ने कहा कि नवीन पटनायक भाजपा और कांग्रेस से समान दूरी बनाये रखने की अपनी नीति पर कायम रहे, जबकि ममता बनर्जी और शरद पवार के

बाद नीतीश कुमार भी उन्हें भाजपा-विरोधी खेमे में लाने में नाकाम रहे। उन्होंने कहा कि अपनी राजनीतिक मंशा की विफलता पर पर्दा डालने के लिए मुख्यमंत्री कह रहे हैं कि वे बिहार भवन के लिए जमीन मांगने के लिए उड़ीसा गए थे। मोदी ने साफ तौर पर कहा कि कहा कि नीतीश कुमार की इस बात में कोई दम नहीं, क्योंकि किसी राज्य सरकार से जमीन आवंटित करने जैसे काम के लिए किसी मुख्यमंत्री को वहाँ जाने की जरूरत नहीं पड़ती। उन्होंने कहा कि यदि मुख्यमंत्री की बात को सही मान लिया जाए, तो क्या मुंबई में बिहार भवन के लिए जमीन मांगने वे शरद पवार से पहले महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री शिंदे से भी मिलेंगे?

भाजपा के राज्यसभा सांसद ने कहा कि नीतीश कुमार की उड़ीसा यात्रा के लिए जेट प्लेन आदि का खर्च करदाताओं के धन की बरबादी है। उन्होंने कहा कि नीतीश कुमार जेडी-एस के नेता कुमारस्वामी से मिले, लेकिन कर्नाटक में कांग्रेस-जेडी-एस में एकता नहीं करा पाए। मोदी ने कहा कि नीतीश कुमार के राजनीतिक पर्यटन के बावजूद ममता बनर्जी और केजरीवाल ऐसे मंच का हिस्सा बनने को तैयार नहीं, जिसकी अगुवाई कांग्रेस करे या उसमें साथ हो। उन्होंने कहा कि पहले केसीआर और अब नवीन पटनायक ने विपक्षी एकता की मुहिम की हवा निकाल दी।

नीतीश कुमार ने नवीन पटनायक से मुलाकात की, गठबंधन पर चर्चा से इनकार

भुवनेश्वर। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने मंगलवार को यहां नवीन निवास में ओडिशा के मुख्यमंत्री नवीन पटनायक से मुलाकात की। दोनों के बीच करीब एक घंटे तक बातचीत हुई। हालांकि, दोनों मुख्यमंत्रियों ने दावा किया कि बैठक के दौरान अगले साल लोकसभा चुनाव के लिए जद (यू) और बीजू जनता दल (बीजद) के बीच किसी भी राजनीतिक गठबंधन बनाने पर कोई चर्चा नहीं हुई। नीतीश ने ओडिशा के मुख्यमंत्री के आवास पर पटनायक के साथ दोपहर का भोजन किया और फिर संयुक्त रूप से मीडिया को संबोधित करते हुए कहा कि उनका बहुत पुराना नाता है। पटनायक ने पत्रकारों से कहा, 'आज किसी भी गठबंधन पर कोई चर्चा नहीं हुई। मुझे खुशी है कि नीतीश जी भुवनेश्वर आए। जब हम अटल बिहारी वाजपेयी के मंत्रिमंडल में थे, तब से पुराने दोस्त और सहयोगी हैं।' पटनायक ने कहा कि ओडिशा सरकार भगवान जगन्नाथ के दर्शन के लिये आने वाले पर्यटकों के वास्ते सुविधाओं के निर्माण को लेकर बिहार सरकार को मुफ्त में 1.5 एकड़ जमीन मुहैया कराएगी।

केंद्रीय मंत्री का विवादित बयान, सहिष्णु मुसलमानों को उंगलियों पर गिन सकते

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्रीय मंत्री सत्यपाल सिंह बघेल ने एक विवादास्पद बयान देकर दावा किया कि 'सहिष्णु मुसलमानों को उंगलियों पर गिना जा सकता है' और यह भी 'मुखौटा लगाकर सार्वजनिक जीवन जीने का एक हथकंडा है' क्योंकि यह रास्ता उपराष्ट्रपति, राज्यपाल या कुलपति जैसे पदों तक पहुंचाता है। उन्होंने आरोप लगाया कि समुदाय के इसतरह के तथाकथित बुद्धिजीवियों का वास्तविक चेहरा उनके कार्यालय में अपना कार्यकाल पूरा करने या सेवानिवृत्त होने के बाद सामने आता है। केंद्रीय विधि और न्याय राज्यमंत्री ने यह टिप्पणी देव ऋषि नारद पत्रकार सम्मान समारोह को संबोधित करते हुए की। कार्यक्रम का आयोजन राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की मीडिया इकाई इंद्रप्रस्थ विश्व संवाद केंद्र द्वारा पत्रकारों को पुरस्कार प्रदान करने के लिये किया गया था। बघेल ने कहा, 'सहिष्णु मुसलमानों की गिनती उंगलियों पर की जा सकती है। मेरे विचार से उनकी संख्या हजारों में भी नहीं है। और यह भी मुखौटा लगाकर सार्वजनिक जीवन जीने का हथकंडा है, क्योंकि यह मार्ग उपराष्ट्रपति, राज्यपाल

या कुलपति के घर की ओर जाता है। उन्होंने कहा, लेकिन जब वे सेवानिवृत्त होते हैं, तब असली बयान देते हैं। जब कुर्सी छोड़ते हैं, तब वहां एक बयान देते हैं जो उनकी वास्तविकता दर्शाता है।

केंद्रीय मंत्री की यह टिप्पणी सूचना आयुक्त उदय माहुरकर द्वारा कार्यक्रम में दिए गए भाषण के बाद आई है, जिसमें उन्होंने कहा था कि भारत को इस्लामी कट्टरवाद से लड़ना चाहिए, लेकिन 'सहिष्णु मुसलमानों को साथ लेना चाहिए। अपने शासन के दौरान मुगल बादशाह अकबर के हिंदू-मुस्लिम एकता को बढ़ावा देने के प्रयासों का जिक्र करते हुए, माहुरकर ने दावा किया कि छत्रपति शिवाजी ने उन्हें 'सकारात्मक रोशनी' में देखा था। उन्होंने कहा, 'अकबर ने हिंदू-मुस्लिम एकता हासिल करने की पूरी कोशिश की।

बघेल ने हालांकि टिप्पणी को खारिज करते हुए अकबर के प्रयासों को महज 'रणनीति' करार दिया और आरोप लगाया कि मुगल बादशाह की जोधा बाई से शादी उनकी 'राजनीतिक रणनीति' का हिस्सा थी।

बघेल ने धर्मांतरण का मुद्दा उठाकर आरोप लगाया कि जिन लोगों को 'गंडे-ताबीज' के माध्यम से दूसरे धर्म में परिवर्तित किया गया है, उनकी संख्या तलवार के डर से ऐसा करने वालों की तुलना में अधिक है। उन्होंने कहा, वह चाहे ख्वाजा गरीब नवाज साहेब हों, हजरत निजामुद्दीन औलिया या सलीम चिश्तीज्आज भी हमारे समुदाय के लोग बड़ी संख्या में वहां बच्चे, नौकरी, टिकट (चुनाव लड़ने के लिए), मंत्री पद, राज्य मंत्री से कैबिनेट मंत्री बनने के लिए जाते हैं।

पहलवानों के धरना-प्रदर्शन को देखकर दिल्ली पुलिस ने कसी कमर

– गाजीपुर बॉर्डर जैसी तैयारी तेज कर दी

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली के जंतर-मंतर पर चल रहा पहलवानों का धरना-प्रदर्शन लगातार बढ़ता जा रहा है। पहलवानों के धरने का आज 17वां दिन है। किसानों और खापों के जुड़ने के बाद प्रदर्शन में भीड़ भी बढ़ने लगी है। प्रदर्शनकारी पहलवान यौन उत्पीड़न के आरोपों में घिरे भारतीय कुश्ती महासंघ (डब्ल्यूएफआई) के अध्यक्ष बृज भूषण शरण सिंह को पद से हटाने और उनकी गिरफ्तारी की मांग पर अड़े हैं।

जंतर-मंतर पर जुट रही भीड़ को देखकर दिल्ली पुलिस भी पूरी सतर्कता बरत रही है। पुलिस ने धरनास्थल पर आने वाली भीड़ को एक ही स्थान तक सीमित रखने के लिए गाजीपुर बॉर्डर जैसी तैयारी तेज कर दी है। दिल्ली पुलिस ने अब जंतर-मंतर पर लगे पुलिस बैरिकेड्स को वेल्डिंग के जरिए आपस में जोड़कर और मजबूत कर दिया है, ताकि प्रदर्शनकारी इन्हें तोड़कर आगे नहीं बढ़ सकें। पहलवान और दिल्ली पुलिस दोनों ही प्रदर्शनकारियों से शांति और कानून-व्यवस्था बनाए रखने में सहयोग की अपील कर रही है। फिलहाल स्थिति पूरी तरह शांतिपूर्ण है।

बता दें कि, किसान आंदोलन के दौरान दिल्ली पुलिस ने किसानों को दिल्ली में प्रवेश करने से रोकने के लिए दिल्ली-यूपी को जोड़ने वाले गाजीपुर बॉर्डर पर कंटीले और कांक्रीट के बैरिकेड लगाने के साथ ही सड़क पर नुकीली कीलें भी लगवा दी थीं।

बता दें कि, पहलवानों के विरोध प्रदर्शन में शामिल होने के लिए जंतर-मंतर पर आए सैकड़ों किसानों ने सोमवार को पुलिस बैरिकेड्स तोड़ दिए थे। पुलिस ने घटना के दौरान क्षतिग्रस्त हुए बैरिकेड्स को कुछ घंटे बाद वेल्डिंग कराकर ठीक करवा दिया और एहतियात के तौर पर प्रदर्शन स्थल पर रख दिया।

दिल्ली पुलिस के आधिकारिक ट्विटर हैंडल से किए गए एक ट्वीट में कहा गया ,सभी से अनुरोध है कि वे फर्जी खबरों पर विश्वास न करें। जंतर-मंतर पर प्रदर्शनकारियों को सुविधा दी जा रही है। सुरक्षा सुनिश्चित करने को डीएफएमडी के माध्यम से प्रवेश को विनियमित किया जा रहा है। कृपया शांतिपूर्ण रहें और कानून का पालन करें। गौरतलब है कि, पहलवान 23 अप्रैल से जंतर-मंतर पर धरना दे रहे हैं। उन्होंने डब्ल्यूएफआई अध्यक्ष तथा उत्तर प्रदेश से भाजपा सांसद बृजभूषण शरण सिंह के खिलाफ यौन उत्पीड़न के आरोप लगाए हैं।

कांग्रेस देश को कमजोर करने के लिए 'विभाजनकारी नीति' अपना रही है : रीजीजू

नयी दिल्ली। केंद्रीय कानून मंत्री किरण रीजीजू ने कांग्रेस नेता सोनिया गांधी के हवाले से 'कर्नाटक की सम्प्रभुता' को लेकर किए गए एक ट्वीट के मद्देनजर प्रमुख विपक्षी पार्टी पर देश को कमजोर करने के लिए 'विभाजनकारी नीति' अपनाने का आरोप लगाया। रीजीजू की यह टिप्पणी भाजपा द्वारा इस मुद्दे पर निर्वाचन आयोग का रुख करने के एक दिन बाद आई है, जिसमें उन्होंने सोनिया गांधी के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज करने और उनकी पार्टी की मान्यता रद्द करने की मांग की गई है। निर्वाचन आयोग ने कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे से पार्टी के सोशल मीडिया पोस्ट पर स्पष्टीकरण देने और उसमें सुधार करने को कहा है। कांग्रेस के ट्वीट के स्क्रीनशॉट के साथ रीजीजू ने ट्वीट किया, ''कांग्रेस पार्टी भारत को कमजोर करने के लिए विभाजनकारी नीति अपना रही है। वे मोदी जी (नरेन्द्र मोदी) से नफरत करते हैं क्योंकि एक विनम्र व्यक्ति को भारत के प्रधानमंत्री के रूप में चुना गया है जो सबसे लोकप्रिय वैश्विक नेता के रूप में भी उभरा है। उन्हें भारत से नफरत क्यों करनी चाहिए? आखिरकार, कांग्रेस छह दशकों तक सत्ता में थी।'' कांग्रेस ने शनिवार को हुबली में एक चुनावी रैली में सोनिया गांधी के भाषण का जिक्र करते हुए एक ट्वीट में कहा था कि कांग्रेस संसदीय दल की अध्यक्ष ने ''6.5 करोड़ कन्नड़ लोगों को एक कड़ा संदेश दिया''।

120 किमी प्रति घंटा की रफ्तार से चलेगी हवाएं, खतरानाक हो रहा चक्रवात मोचा

– देश के कई राज्य अलर्ट मोड पर

नई दिल्ली(एजेंसी)। साल के पहले चक्रवात मोचा को लेकर देश के कई राज्य अलर्ट मोड पर हैं। इसी कड़ी में भारत मौसम विज्ञान विभाग ने कहा कि बंगाल की खाड़ी में उठने वाला तूफान समुद्र के ऊपर 120 किमी प्रति घंटा की रफ्तार से चलने वाली हवाओं के साथ एक बहुत ही गंभीर चक्रवात में बदल सकता है। चक्रवात के मौसम की शुरुआत का संकेत देते हुए, मौसम विभाग ने इस सिस्टम के 9 मई को एक 'दबाव' में बदलने और 10 मई की रात के दौरान चक्रवाती तूफान के धीरे-धीरे तेज होने की उम्मीद है। मोचा के 11 मई तक उत्तर-उत्तर पश्चिम की ओर मध्य बंगाल की खाड़ी की ओर बढ़ने की संभावना है। 11 मई को मध्य बंगाल की खाड़ी के ऊपर 120 किमी/घंटा की रफ्तार से हवा चल सकती है। इसके बाद, मोचा की दिशा बदल जाएगी और उत्तर-पूर्वोत्तर की ओर बढ़ना शुरू कर देगी। इसके बाद मोचा बांग्लादेश-म्यांमार तट के पास पहुंच जाएगा।

हालांकि, यह बांग्लादेश तट की ओर बढ़ते हुए और अधिक खतरनाक होता जाएगा। अंडमान और निकोबार द्वीप समूह को पहले ही अलर्ट पर रखा गया है। क्योंकि चक्रवात के वर्तमान ट्रैक के द्वीपों के बहुत करीब होने का अनुमान है। मौसम विभाग ने अगले तीन दिनों के दौरान कुछ क्षेत्रों में 20 सेमी से अधिक 'बेहद भारी' बारिश की चेतावनी दी है। जैसे-जैसे सिस्टम मजबूत होगा, बंगाल की पूर्व-मध्य खाड़ी, दक्षिण-पूर्व बंगाल की खाड़ी और अंडमान सागर के ऊपर समुद्र की स्थिति भी खराब होने की संभावना है।

मछुआरों को समुद्र में नहीं जाने को कहा गया है। 12 मई को 60-70 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से 80 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से हवाएं अंडमान सागर और अंडमान द्वीप समूह को प्रभावित कर सकती हैं। जबकि चक्रवात के चलते वे 80-90 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से बंगाल की पूर्व-मध्य खाड़ी में हवा की स्पीड 100 किमी प्रति घंटे तक पहुंच सकती हैं।

वहीं उत्तर भारत में मौसम अभी भी हैरान किए हुए है। मई महीने का एक सप्ताह बीत चुका है। लेकिन उत्तर-भारत के अधिकांश राज्यों में तापमान 40 डिग्री से नीचे हैं। जबकि इन राज्यों में मई के महीने में तापमान जला देने वाला होता है।

कर्नाटक के बाद आज राजस्थान के दौरे पर पीएम मोदी, साल के अंत में चुनाव

–5500 करोड़ की परियोजनाओं का उद्घाटन, लोकार्पण और शिलान्यास

नई दिल्ली (एजेंसी)। कर्नाटक में बुधवार को विधानसभा चुनाव के लिए वोट डाले जाएंगे। इस बीच खबर है कि प्रधानमंत्री 10 मई को राजस्थान के दौरे पर जाएंगे। राजस्थान में भी इस साल के आखिर में विधानसभा के चुनाव होने हैं। इसके बाद पीएम मोदी के इस दौरे को चुनाव से जोड़कर देखा जा रहा है। राजस्थान विधानसभा चुनाव के लिए भाजपा भी 10 मई से आक्रामक प्रचार अभियान की शुरुआत सिरोही से करेगी। जपा जातिगत समीकरणों को दुरुस्त कर उन क्षेत्रों में अपनी स्थिति सुधारने की योजना बना रही है, जहां वह कमजोर है।

प्रधानमंत्री की यात्रा का प्रभाव सिरोही, जालौर और पाली जिलों में महसूस किया जा सकता है। जानकारी के मुताबिक प्रधानमंत्री 10 मई को

राजस्थान का दौरा करने वाले हैं। पूर्वाह्न करीब 11 बजे प्रधानमंत्री नाथद्वारा में श्रीनाथजी मंदिर जाएंगे। पूर्वाह्न करीब 11:45 बजे वह नाथद्वारा में विभिन्न विकास पहलों का लोकार्पण और शिलान्यास करने वाले हैं। इसके बाद करीब 3:15 बजे प्रधानमंत्री आबू रोड स्थित ब्रह्मा कुमारियों के शांतिवन परिसर का दौरा करने वाले हैं। प्रधानमंत्री 5500 करोड़ रुपये से अधिक की परियोजनाओं का उद्घाटन, लोकार्पण और शिलान्यास करने वाले हैं। इन परियोजनाओं का फोकस क्षेत्र में बुनियादी ढांचे और कनेक्टिविटी को मजबूत करने पर होगा।

प्रधानमंत्री राजसमंद और उदयपुर में टू-लेन के लिए सड़क निर्माण परियोजनाओं की आधारशिला रखने वाले हैं। जनता को बेहतर सुविधाएं मुहैया कराने के लिए प्रधानमंत्री उदयपुर रेलवे स्टेशन के पुनर्विकास की आधारशिला रखने वाले हैं। वह गेज परिवर्तन परियोजना और राजसमंद में नाथद्वारा से नाथद्वारा शहर तक एक नई लाइन की स्थापना के लिए आधारशिला भी रखने वाले हैं। प्रधानमंत्री का विशेष ध्यान देश भर में आध्यात्मिक कायाकल्प को गति देने पर रहा है। अपने प्रयास को जारी रखते हुए, प्रधानमंत्री ब्रह्मा कुमारियों के शांतिवन परिसर का दौरा कर वे सुपर स्पेशलिटी चैरिटेबल ग्लोबल हॉस्पिटल, शिवमणि वृद्धाश्रम के दूसरे चरण और नर्सिंग कॉलेज के विस्तार का शिलान्यास करने वाले हैं।

सुप्रीम कोर्ट ने मुख्तार अंसारी के जेल के अंदर और बाहर मीडिया साक्षात्कार का रोक

प्रयागराज ।प्रयागराज इलाहाबाद हाईकोर्ट ने यूपी के डीजीपी को बाहुबली मुख्तार अंसारी की जेल व जेल के बाहर कोर्ट में पेशी के दौरान पुलिस को कड़ी सुरक्षा व्यवस्था करने का निर्देश दिया है। सुप्रीम कोर्ट ने विचाराधीन कैदी का साक्षात्कार लेने पर रोक लगा दी है। अभी हाल ही में विचाराधीन कैदियों की हत्या मीडिया कर्मियों के वेश में आए अपराधियों की तरफ से की गई हत्या की घटना को देखकर कैदी के सुरक्षा हित में यह प्रतिबंध लगाना पड़ा है। इस मामले की सुनवाई सुप्रीम कोर्ट कर रहा है। यह आदेश न्यायमूर्ति डॉ. केजे ठाकर और न्यायमूर्ति शिवशंकर प्रसाद की खंडपीठ ने मुख्तार अंसारी की पत्नी की याचिका पर दिया है। याची ने जेल व जेल के बाहर कोर्ट में पेशी के दौरान अपने शौहर की हत्या किए जाने के खतरे की आशंका को लेकर हाई कोर्ट से सुरक्षा की गुहार लगाई है। अंसारी बांदा जेल में बंद हैं। डीएसपी मोहम्मदाबाद ने हलफनामा दाखिल कर कोर्ट को बताया कि पुलिस व जेल प्राधिकारी मुख्तार अंसारी की सुरक्षा को लेकर पूरी सावधानी बरत रहे हैं। जेल के भीतर व बाहर सुरक्षा उपाय किए गए हैं। उनकी सुरक्षा में एक इंस्पेक्टर, दो सब इंस्पेक्टर, दो हेड कॉन्स्टेबल, 8 कॉन्स्टेबल व दो ड्राइवर को सुरक्षा में लगाया गया है।

कर्नाटक में मुस्लिम आरक्षण मुद्दे पर राजनीतिक बयानबाजी न की जाए : न्यायालय

कनकगिरि। (एजेंसी)। नयी दिल्ली। उच्चतम न्यायालय ने कर्नाटक में चार प्रतिशत मुस्लिम आरक्षण वापस लेने से संबंधित अदालत के विचाराधीन मामले पर राजनीतिक बयानबाजी को लेकर मंगलवार को गंभीर आपत्ति जताई। न्यायालय को बताया गया कि केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह इस बेहद विवादास्पद मुद्दे पर सार्वजनिक बयान दे रहे थे। विचाराधीन मामले के बारे में राजनीतिक बयानबाजी को 'अनुचित' करार देते हुए शीर्ष अदालत ने कहा कि, 'कुछ पवित्रता बनाए रखने की आवश्यकता है'।

विधानसभा चुनाव से ठीक पहले मुसलमानों के लिए चार प्रतिशत आरक्षण को वापस लिए जाने और राजनीतिक रूप से प्रभावशाली लिंगायत व वोक्कालिगा समुदायों के बीच इसका पुनः आवंटन दक्षिणी राज्य में एक प्रमुख मुद्दा बन गया है। न्यायमूर्ति के.एम. जोसफ, न्यायमूर्ति बी.वी. नागरत्ना और न्यायमूर्ति अहसानुद्दीन अमानुल्लाह की एक पीठ ने कहा, 'जब मामला अदालत में विचाराधीन है और कर्नाटक मुस्लिम आरक्षण पर अदालत का आदेश है तो इस मुद्दे पर कोई राजनीतिक बयानबाजी नहीं होनी चाहिए। यह उचित नहीं है। कुछ पवित्रता बनाए रखने की जरूरत है।' चार प्रतिशत मुस्लिम आरक्षण को रद्द किए जाने को चुनौती देने वाले याचिकाकर्ताओं की तरफ से पेश हुए वरिष्ठ अधिवक्ता दुष्यंत दवे ने कहा, 'कर्नाटक में हर दिन गृह मंत्री बयान दे रहे हैं कि उन्होंने चार प्रतिशत मुस्लिम आरक्षण वापस ले लिया है। ऐसे बयान क्यों दिए जाने चाहिए?'

कर्नाटक सरकार की ओर से पेश सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने दवे के बयान पर आपत्ति जताते हुए कहा कि उन्हें ऐसी किसी टिप्पणी की जानकारी नहीं है और धर्म आधारित आरक्षण की आलोचना करने वाले गलत नहीं हैं। न्यायमूर्ति जोसफ ने कहा, 'सॉलिसिटर जनरल का अदालत में बयान देना कोई समस्या नहीं है लेकिन विचाराधीन मामले पर अदालत के बाहर कुछ कहना उचित नहीं है। 1971 में, पश्चिम बंगाल के एक राजनीतिक नेता को एक राशनिंग आदेश का बचाव करने के वास्ते एक संवाददाता सम्मेलन आयोजित करने के लिए अवमानना के मामले का सामना करना पड़ा था। राशनिंग का आदेश अदालत के समक्ष लंबित था।' मेहता ने कहा, 'हम अदालत की भावना को समझते हैं और सम्मान करते हैं।'

उन्होंने कहा, लेकिन एक वकील के रूप में 'मैं कह रहा हूं कि कोई भी धर्म-आधारित आरक्षण असंवैधानिक है'। न्यायमूर्ति नागरत्ना ने भी आरक्षण के मुद्दे पर अदालत के बाहर दिए जा रहे बयानों पर नाराजगी जताई। अदालत में दलीलों के दौरान उस वक्त तल्खी देखने को मिली जब दवे ने कहा कि हर दिन मुस्लिम आरक्षण वापस लेने का दावा करने वाले बयान गर्व से दिए जा रहे हैं। इस पर आपत्ति जताते हुए मेहता ने अदालत से आग्रह किया कि वह वरिष्ठ वकील को बिना संदर्भ के इस तरह के बयान देने से रोके। उन्होंने कहा, 'यह शीर्ष अदालत की पीठ है, इसे मछली बाजार में न तब्दील होने दें। इस अदालत को उन्हें (दवे) ऐसे बयान देने से रोकना होगा। वे (दवे और अन्य) जो कह रहे हैं वह बिना किसी संदर्भ के है। उन्हें यह दिखाने की जरूरत है कि संदर्भ क्या है, सामग्री क्या है और बयानों की अवधि क्या है। उन्हें इस आशय का एक आवेदन दाखिल करने दें, हम अपना जवाब दाखिल करेंगे।'

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशक : सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर,सिद्धिविनायक मंदीर के पास , (भाटेना) हो.सो अंजना सुरत गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक :सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/75100 (Subject to Surat jurisdiction)

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

बंगले पर बवाल: दंगा, घोटाला, अय्याशी, तानाशाही बनी केजरीवाल सरकार की पहचान..., भाजपा का आप सरकार पर हमला

दिल्ली। दिल्ली प्रदेश भाजपा अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा ने मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के विरुद्ध पार्टी की 70 जन चेतना सभा और 'झूठा कहीं का' अभियान का शुभारंभ किया। प्रदेश अध्यक्ष ने रविवार को पहली सभा को मुख्यमंत्री के चुनाव क्षेत्र नई दिल्ली के सरोजिनी नगर इलाके में संबोधित किया। वहीं, विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष रामवीर सिंह बिधूड़ी ने देवली एवं महरौली की जन चेतना सभा को संबोधित करके मुख्यमंत्री केजरीवाल के विरुद्ध शराब घोटाला, हवाला घोटाला, क्लासरूम घोटाला, दिल्ली जल बोर्ड घोटाला, डीटीसी बस घोटाला, बिजली घोटाला समेत कई मुद्दों पर अपनी बात रखी। सचदेवा ने केजरीवाल द्वारा वर्ष 2013 में अपना पहला चुनाव लड़ने से पहले जनता को सौंपे एफिडेविट के बारे में कहा कि एफिडेविट में केजरीवाल ने निजी सुरक्षा, सरकारी गाड़ी, सरकारी बंगले के साथ ही स्वराज एवं लोकपाल को लेकर दिल्ली वालों से जो वादे किए थे, उन वादों पर उन्होंने दिल्लीवासियों को धोखा दिया है। केजरीवाल का मुख्यमंत्री के रूप में यह तीसरा कार्यकाल है। उनके तीनों कार्यकाल की अलग कुपहचान बनी है। सचदेवा ने कहा कि वर्ष 2013 की पहली केजरीवाल सरकार के दौरान 26 जनवरी से पहले जंतर-मंतर पर धरना देकर एवं जनलोकपाल पर पीछे हटकर मुख्यमंत्री ने 'केजरीवाल सरकार एक' की पहचान बनाई थी। इसी तरह केजरीवाल दो की पहचान चुनावी रेवड़ीबाजी की फ्री स्कीमें एवं स्वराज पर धोखा बन गईं। वर्ष 2020 में तीसरी बार सत्ता में आने के तुरंत बाद हुए दिल्ली दंगे, फिर कोरोना काल में विफलता के साथ अपने राजमहल निर्माण और पत्रकारों व राजनीतिक विरोधियों से दुर्व्यवहार के चलते अरविंद केजरीवाल ने दिल्लीवासियों को पूरी तरह निराश किया है।

नोएडा में फेसबुक मैसेंजर से जान से मारने की दी धमकी

नोएडा। थाना दादरी में एक व्यक्ति ने रिपोर्ट दर्ज करवाई है कि एक व्यक्ति उसे मैसेज करके और फेसबुक मैसेंजर के माध्यम से बात करके गाली-गलौज कर जान से मारने की धमकी दे रहा है।थाना दादरी के प्रभारी सुजीत उपाध्याय ने बताया कि शरद वत्स निवासी तहसील के पीछे नियादरगंज दादरी ने थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई है कि कपिल पंडित नामक व्यक्ति ने उसके फेसबुक पर अभद्र भाषा के कमेंट की, तथा गाली गलौज कर धमकी भरे मैसेज भेजें। जिस व्यक्ति द्वारा मैसेज भेजे गए उसके ऊपर पहले से कई मुकदमे दर्ज हैं, जो गंभीर धाराओं में है।उन्होंने बताया कि आरोपी ने उसे फेसबुक के माध्यम से कॉल किया उसने जब फोन उठाया तो उसने उसे गंदी-गंदी गाली दी तथा कहा कि निकाय चुनाव होने के बाद उसके परिवार वालों तथा उसकी हत्या कर देगा। उन्होंने बताया कि घटना की रिपोर्ट दर्ज कर पुलिस मामले की जांच कर रही है।

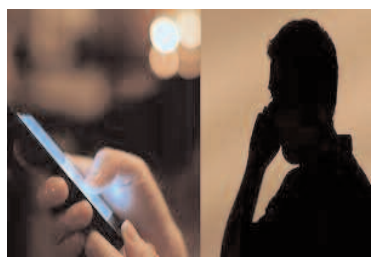

सुप्रीम कोर्ट से यू-ट्यूबर मनीष कश्यप को राहत नहीं, जमानत देने से इनकार

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने यू-ट्यूबर मनीष कश्यप के खिलाफ बिहार और तमिलनाडु में दर्ज एफआईआर को एक साथ जोड़ने या जमानत देने से इनकार कर दिया है। चीफ जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़ की अध्यक्षता वाली बेंच ने तमिलनाडु सरकार की ओर से लगाये गये राष्ट्रीय सुरक्षा कानून (एनएसए) को हटाने पर कोई आदेश नहीं दिया। कोर्ट ने कहा कि किसी भी राहत के लिए हाई कोर्ट का रुख करें।

सुनवाई के दौरान कोर्ट ने कहा कि आप कुछ भी दिखाकर तमिलनाडु जैसे एक स्थिर राज्य में अस्थिरता पैदा नहीं कर सकते हैं। आप राहत के लिए पटना हाई कोर्ट और मद्रास हाई कोर्ट जाने के लिए स्वतंत्र हैं। सुनवाई के दौरान मनीष कश्यप की ओर से वकील मनिंदर सिंह ने कहा कि एनएसए लगाकर जेल में डाला गया है जबकि दूसरे पत्रकारों द्वारा बहुत से लेख लिखे गए हैं, उन्हें भी जेल में डालना होगा।सुनवाई के दौरान चीफ जस्टिस ने पूछा कि बिहार में जो एफआईआर दर्ज हुई है वो किस घटना को लेकर है। तब बिहार सरकार के वकील ने कहा कि पहली एफआईआर फर्जी वीडियो को लेकर है जबकि दूसरी एफआईआर पटना एयरपोर्ट पर आरोपित के बयान को लेकर है, जो विवादित है। तीसरी एफआईआर हथकड़ी वाले फोटो को लेकर की गई है। बिहार सरकार ने कहा कि ये आदतन अपराधी है। चीफ जस्टिस ने तमिलनाडु सरकार से मनीष कश्यप के खिलाफ दर्ज एफआईआर के बारे में पूछा। तमिलनाडु सरकार की ओर से वकील कपिल सिब्बल ने कहा कि आरोपित को तमिलनाडु में दर्ज सभी एफआईआर को एक साथ करने के लिए मद्रास हाई कोर्ट जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि मनीष कश्यप पत्रकार नहीं है, बल्कि वो एक राजनेता है, जिसने बिहार में चुनाव भी लड़ा था। कोर्ट ने 11 अप्रैल को केंद्र, बिहार और तमिलनाडु सरकार को नोटिस जारी किया था। 6 अप्रैल को मनीष कश्यप की ओर से पेश वकील ने कहा था कि कई एफआईआर के अलावा उसके खिलाफ राष्ट्रीय सुरक्षा कानून (एनएसए) भी लगाया गया है। तमिलनाडु सरकार की ओर से पेश वकील संजय हेगड़े ने कहा था कि आरोपित को मजिस्ट्रेट के आदेश पर हिरासत में लिया गया है। जब आरोपित न्यायिक आदेश के तहत हिरासत में है तो रिट याचिका पर सुनवाई नहीं की जा सकती है।

तथाकथित शराब घोटाला भाजपा का राजनैतिक षड़यंत्र- मुख्यमंत्री

नई दिल्ली। 'आप' के राष्ट्रीय संयोजक एवं मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने शराब घोटाले को लेकर भाजपा पर पलटवार करते हुए अपना पक्ष रखा। उन्होंने कहा कि शराब घोटाला भाजपा का मात्र एक राजनैतिक षड़यंत्र है। यह केवल केजरीवाल और 'आप' को बदनाम करने की साजिश है।

केजरीवाल ने कहा कि भाजपा ने तथाकथित दिल्ली शराब घोटाले में आरोप लगाया कि साउथ लॉबी ने आम आदमी पार्टी के लोगों को 100 करोड़ रुपए की रिश्वत दी। सीबीआई-ईडी ने भी कोर्ट में यह माना है कि 100 में से 70 करोड़ रुपए का उनके पास कोई सबूत नहीं है। सीबीआई-ईडी ने आरोप लगाया है कि कोई राजेश जोशी नामक व्यक्ति साउथ लॉबी से 30 करोड़ रुपए लाया और उसने ये 30 करोड़ रुपए दिल्ली में 'आप' के नेतृत्व को दिए। इनके पास सिर्फ इतना ही सबूत है कि किसी ने गवाही दी है कि राजेश जोशी ने 30 करोड़ रुपए 'आप' को दिए। केजरीवाल ने कहा कि 6 मई को आए राउस एवेन्यू कोर्ट के आदेश में लिखा है कि राजेश जोशी के खिलाफ एक भी सबूत नहीं है कि वो साउथ लॉबी से एक भी पैसा लेकर दिल्ली आया। 30 करोड़ रुपए तो बड़ी दूर की बात है।

उन्होंने कहा कि दूसरा आरोप लगाया कि रिश्वत में ली गई 100

करोड़ रुपए गोवा चुनाव में खर्च किए गए। गोवा में आम आदमी पार्टी ने जितने लोगों से काम कराया, उन सभी वेंडर्स के यहां सीबीआई- ईडी ने पिछले छह महीने में रेड मार ली और सबको गिरफ्तार कर लिया। गोवा चुनाव की सारी जांच करने के बाद ईडी इस नतीजे पर पहुंची है कि मात्र 19 लाख रुपए आम आदमी पार्टी ने कैश में खर्च किए।

यह तो हमारे लिए बहुत बड़ा ईमानदारी का सर्टिफिकेट है। सीबीआई-ईडी का कहना है कि आम आदमी पार्टी ने पूरे गोवा के चुनाव में केवल 19 लाख रुपए कैश में खर्च किए और बाकी चेक में किए। 100 करोड़ तो बहुत दूर की बात है। पूरे देश में ऐसी कौन सी पार्टी है, जो केवल 19 लाख रुपए किसी राज्य के चुनाव में खर्च करती है। सीबीआई-ईडी ने तो आम आदमी पार्टी को ईमानदारी का सबसे बड़ा सर्टिफिकेट दे दिया है।

उन्होंने कहा कि आगे भाजपा वाले रोज हमारे ऊपर कीचड़ उछाल रहे हैं और मुझे गिरफ्तार कराने की धमकी क्यों दे रहे हैं, गिरफ्तार करा लें। भाजपा कह रही है कि अगला नंबर केजरीवाल का है। इससे साफ हो जाता है कि ईडी-सीबीआई को भाजपा के लोग ही चला रहे हैं। वरना भाजपा कैसे कह सकती है कि अगला नंबर केजरीवाल का है। सीबीआई ने भाजपा को बताया है या भाजपा ने सीबीआई को बताया है। यह साफ जाहिर है कि भाजपा सीबीआई को बता रही है कि अगला नंबर अरविंद केजरीवाल का है, पकड़ लो। फिर सीबीआई फंसाने के लिए सबूत इकट्ठे करने लगती है।

केजरीवाल सरकार द्वारा दिल्ली में आज से एंटी डस्ट अभियान शुरू- गोपाल राय

नई दिल्ली। दिल्ली में आज से एंटी डस्ट कैंपेन शुरू हो गया है। यह कैंपेन अगले एक महीने यानी आठ जून तक चलाया जाएगा। इस कैंपेन के तहत पूरी दिल्ली में निगरानी के लिए 13 विभागों की 629 कर्मियों की 235 पेट्रोलिंग टीम और 433 कर्मियों की 165 पेट्रोलिंग टीम रात में तैनात की गई है। साथ ही सीएंडडी पोर्टल पर 500 वर्ग मीटर से अधिक के सभी निर्माण साइट्स का सेल्फ रजिस्ट्रेशन करना अनिवार्य है। सभी विभागों को सीएंडडी साइट्स की लगातार निरीक्षण करने और कंस्ट्रक्शन साइटों पर निर्माण संबंधी 14 नियमों के उल्लंघन पर कार्रवाई करने के निर्देश जारी किए गए है।

डस्ट प्रदूषण को रोकने के लिए 84 मैकेनिकल रोड स्वीपिंग (एमआरएस) मशीनों , 609 वॉटर स्प्रिंकलर और 185 मोबाइल एंटी-स्मॉग गन की तैनाती गई है और 70 नई एकीकृत मैकेनिकल रोड स्वीपिंग (एमआरएस) मशीनों और 250 एकीकृत वाटर स्प्रिंकलर मशीनों की जल्द खरीद के लिए आज सभी विभागों के साथ समीक्षा बैठक की गई।पर्यावरण मंत्री गोपाल राय ने एंटी डस्ट कैंपेन के बारे में जानकारी देते हुए बताया कि मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के नेतृत्व में दिल्ली सरकार द्वारा उठाए गए कड़े कदमों की वजह से दिल्ली में वायु प्रदूषण में लगातार सुधार हो रहा है। दिल्ली सरकार द्वारा उठाए गए कदमो के कारण 2016 से 2022-23 तक दिल्ली के वायु प्रदूषण में 30 फीसद की भी कमी देखी गई है।

-टीमों का गठन :

एंटी डस्ट कैंपेन के तहत पूरी दिल्ली में निगरानी को लेकर 13 विभागों की 629 कर्मियों की 235 पेट्रोलिंग टीम और 433 कर्मियों की 165 पेट्रोलिंग टीम रात में तैनाती की गई है। यह टीमें 24 घंटे दिल्ली में डस्ट प्रदूषण की घटनाओ की निगरानी और उसे रोकने का काम करेंगी। जिसकी रिपोर्ट समय-समय पर पर्यावरण विभाग और डीपीसीसी के साथ साझा की जाएगी।

-सी एन्ड डी साइट्स का पोर्टल पर रजिस्ट्रेशन :

राय ने बताया कि कंस्ट्रक्शन साइट्स से पैदा होने वाला धूल प्रदूषण लोगो के स्वास्थ्य के लिए

काफी हानिकारक साबित होता है। इसी दिशा में कार्य करने के लिए कंस्ट्रक्शन एंड डेमोलिशन पोर्टल को लांच किया गया था। इस पोर्टल पर 500 स्क्वायर मीटर से अधिक सभी साइट्स का सेल्फ रजिस्ट्रेशन करना अनिवार्य है।

अभी तक 750 साइट्स का इस पोर्टल पर रजिस्ट्रेशन किया जा चुका है। इस अभियान के तहत यह सुनिश्चित किया जाएगा कि सभी सक्रिय सी एंड डी साइटें पोर्टल पर पंजीकृत हो जाएं और डीपीसीसी द्वारा पोर्टल पर रजिस्टर्ड सभी पंजीकृत साइट्स की सेल्फ अस्सेस्मेंट रिपोर्ट की समीक्षा का कार्य किया जाएगा। साथ ही सभी कंस्ट्रक्शन साइटों पर निर्माण संबंधी 14 नियमों को लागू करना जरूरी है। इसके लिए विभागों को निर्माण साइट्स की लगातार निगरानी करने के निर्देश जारी किए गए है।

-एंटी स्मोग गन्स/ एमआरएस/ वॉटर स्प्रिंकलर की तैनाती :

उन्होंने बताया कि डस्ट प्रदूषण को रोकने के लिए 84 मैकेनिकल रोड स्वीपिंग (एमआरएस) मशीनों , 609 वॉटर स्प्रिंकलर और 185 मोबाइल एंटी-स्मॉग गन की पूरी दिल्ली में तैनाती की गई है। धूल प्रदूषण को लेकर पहले केवल 20 हजार वर्ग मीटर से ऊपर के निर्माण साईट पर ही एंटी स्मोग गन लगाने का नियम था। अब नए नियम के आधार पर 5 हजार वर्गमीटर से लेकर उससे अधिक के एरिया के निर्माण साइट पर एंटी स्मोग गन लगाना अनिवार्य कर दिया गया है।

- पांच हजार से 10 हजार वर्ग मीटर के निर्माण साईट पर 1 एंटी स्मोग गन।

-10 हजार से 15 हजार वर्ग मीटर के निर्माण साईट पर 2 एंटी स्मोग गन।

-15 हजार से 20 हजार वर्ग मीटर निर्माण साइट पर 3 एंटी स्मोग गन और

20 हजार वर्ग मीटर से ऊपर के निर्माण साईट पर कम से कम 4 एंटी स्मोग गन होनी चाहिए।

-सभी 13 हॉटस्पॉट्स पर चलाया जाएगा विशेष अभियान :

राय ने बताया कि विशेष अभियान के जरिये सभी 13 हॉटस्पॉट में रोजाना वायु प्रदूषण को बढ़ावा देने वाले स्रोतों का रियल टाइम अपोर्शनमेंट स्टडी के आधार पर पता लगाया जाएगा और वहाँ के नोडल अधिकारियो को उनके एरिया में होने वाले प्रमुख प्रदूषण के कारको की जानकारी साझा की जाएगी ताकि उसपर त्वरित कार्रवाई कर सके।

तथाकथित शराब घोटाला निकला हवा-हवाई- संजय सिंह

नई दिल्ली। 'आप' के वरिष्ठ नेता एवं राज्यसभा सदस्य संजय सिंह ने पार्टी मुख्यालय में प्रेस वार्ता कर कहा कि 6 मई को दिल्ली की राउज एवेन्यू कोर्ट का आदेश आने के बाद पूरी दुनिया के सामने मनगढ़ंत फर्जी शराब घोटाले का सच देश के सामने आ गया है। अब पूरी दुनिया को पता चल गया

है कि शराब घोटाले जैसी कोई चीज ही नहीं थी। शराब घोटाले के नाम पर भाजपा ने अरविंद केजरीवाल और आम आदमी पार्टी की छवि खराब करने की एक गहरी साजिश रची थी।

उन्होंने कहा कि ईडी-सीबीआई ने जांच के दौरान कहा कि 100 करोड़ रुपए की रिश्वत ली गई है। कुछ दिन बाद ईडी-सीबीआई ने कहा कि 100 करोड़ में से 70 करोड़ रुपए का उसके पास कोई साक्ष्य ही नहीं है। ईडी ने 30 करोड़ रुपए के भ्रष्टाचार की झूठी जानकारी अपनी चार्जशीट में रखी। जांच एजेंसी ने कहा कि वेंडर राजेश जोशी को साउथ के शराब कारोबारियों ने 30 करोड़ रुपए की रिश्वत दी।

साथ ही इस पैसे को गोवा विधानसभा चुनाव में खर्च किया गया। कई लोगों से पूछताछ की और उन्हें डराया-धमकाया। ईडी ने सारी जांच के बाद कोर्ट के सामने कहा कि आम आदमी पार्टी ने कुल 19 लाख रुपए ही गोवा चुनाव में कैश में खर्च किए हैं। ईडी-सीबीआई का कहना है कि आम आदमी पार्टी दुनिया की अकेली ईमानदार पार्टी है, जिसने गोवा के विधानसभा चुनाव में मात्र 19 लाख रुपए ही कैश में खर्च किए।

नोएडा में सुपरटेक बिल्डर्स का मालिक आर.के.अरोड़ा गिरफ़्तार, 5 करोड़ जमा कराने पर छोड़ा !

ग्रेटर नोएडा। यूपी रेरा की आरसी जारी होने के बाद जिला प्रशासन ने बड़ा कदम उठाते हुए सुपरटेक ग्रुप के चेयरमैन आर.के. अरोड़ा को हिरासत में लिया । यूपी रेरा की तरफ से घर खरीदारों के पैसे रिकवरी को लेकर आरसी जारी की गई थी, जिसको लेकर जिला प्रशासन की तरफ से यह कदम उठाया गया । बताया जा रहा है कि 33 करोड़ रुपये की आरसी जारी की गई है, जिसका भुगतान सुपरटेक ग्रुप ने नहीं किया था। इसके बाद जिला प्रशासन की दादरी तहसील ने यह कार्रवाई की है। जानकारी के मुताबिक, सुपरटेक के चेयरमैन आरके अरोड़ा के खिलाफ यूपी रेरा में बहुत सारे केस चल रहे हैं, जिनमें अब आरसी जारी होना शुरू हो गया है।

इसी कड़ी में जिला प्रशासन के दादरी तहसील में यह बड़ी कार्रवाई की है। सुपरटेक के एमडी आरके अरोड़ा को डिटेन किया गया था। जिला प्रशासन की कार्रवाई के बाद अरोड़ा ने भी पैसे जमा करवाए। उसने जिला प्रशासन के साथ 5 करोड़ का सेटलमेंट किया, तब उसे छोड़ा गया।

आपको बता दें कि यूपी रेरा ने खरीदारों को पैसा वापस न लौटाने के मामले में पहले ही सुपरटेक कंपनी के चेयरमैन के खिलाफ आरसी जारी कर दी थी। आरसी जारी होने के बाद भी सुपरटेक कंपनी की ओर से यूपी रेरा में पैसा जमा नहीं कराया गया। इसके अलावा जिला प्रशासन का करोड़ों रुपया भी सुपरटेक कंपनी पर बकाया है। जिला प्रशासन का करोड़ों रुपये को जमा न कराने की स्थिति में आज जिला प्रशासन द्वारा आरके अरोड़ा को गिरफ्तार? किए जाने के आदेश जारी किए गए थे। रिपोर्ट के मुताबिक सुपरटेक बिल्डर पर 33.56 करोड़ रुपए बकाया है। काफी समय से यूपी रेरा के आदेश पर लगातार आरसी जारी की जा रही थी, लेकिन उसके बावजूद भी पैसा जमा नहीं किया जा रहा था। सोमवार की शाम को दादरी तहसीलदार ने अपनी टीम के साथ मिलकर आरके अरोड़ा का गिरफ्तार कर लिया। आपको बता दें कि एक माह पूर्व 7 अप्रैल 2023 को जिलाधिकारी मनीष कुमार वर्मा ने एक प्रेस वार्ता की थी। जिसमें उन्होंने कहा था कि अब उन बिल्डरों को बक्शा नहीं जाएगा, जिन पर जनता का पैसा बकाया है, उन बिल्डरों को जनता का पैसा लौटाना होगा अन्यथा कानूनी कार्रवाई का सामना करना होगा। जिसके बाद जिला प्रशासन ने बकायदा बिल्डरों की सूची जारी की थी।

गैंगस्टर ताजपुरिया हत्याकांड : दिल्ली हाईकोर्ट ने जेल अधीक्षक को किया तलब

नई दिल्ली। टॉप गैंगस्टर टिल्लू ताजपुरिया (33) की तिहाड़ जेल में हमलावरों द्वारा चाकू मारकर हत्या करने के मामले में दिल्ली हाई कोर्ट ने ऐसे अपराधों को रोकने के लिए उठाए गए कदमों पर जेल अधिकारियों से जवाब मांगा। न्यायमूर्ति जसमीत सिंह की पीठ ताजपुरिया के पिता और भाई की उस याचिका पर सुनवाई कर रही थी जिसमें हत्या की केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) से जांच कराने और उन्हें सुरक्षा देने की मांग की गई थी। जेल के अंदर लगे सीसीटीवी कैमरों में कैद इस घटना को देखने पर न्यायमूर्ति सिंह ने कहा कि यह देखा गया कि ताजपुरिया को उसके सेल से बाहर ले जाया गया और चाकू मारकर उसकी हत्या कर दी गई। उन्होंने कहा, यह समझ में नहीं आता कि अगर पूरी घटना सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई तो अधिकारियों ने कोई कदम क्यों नहीं उठाया। न्यायमूर्ति सिंह ने तिहाड़ जेल अधिकारियों से कहा, पूरी तरह से अस्वीकार्य स्थिति है। फुटेज ने तिहाड़ जेल के भीतर सुरक्षा के स्तर और हिंसा को रोकने के लिए अधिकारियों की ओर से बेहद सुस्त कार्रवाई ने कई सवाल खड़े कर दिए हैं।ताजपुरिया को कड़ी सुरक्षा के बीच तिहाड़ जेल में जेल नंबर 8 के ग्राउंड फ्लोर पर रखा गया है। अदालत ने आदेश दिया कि एक सप्ताह के भीतर तिहाड़ जेल के जेल महानिदेशक जवाब दायर करें।

दिल्ली सरकार ला रही प्रीमियम बस योजना, अब कार छोड़ लग्जरी बस में सफर कर पाएंगे आप

नई दिल्ली। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने प्रेस वार्ता कर प्रीमियम बस योजना के बारे में जानकारी दी। उन्होंने कहा कि हम देश की राजधानी दिल्ली का ट्रांसपोर्ट सिस्टम विश्व स्तरीय बनाने की कोशिश कर रहे हैं। दिल्ली का ट्रांसपोर्ट सेक्टर दुनिया के सबसे विकसित देशों के बराबर होना चाहिए। दिल्ली में ट्रैफिक बहुत ज्यादा है, क्योंकि निजी वाहन ज्यादा हैं। अगर कार और स्कूटर पर सफर करने वाले लोगों को पब्लिक ट्रांसपोर्ट पर ले जाना है तो हमें इसे आरामदायक, सुरक्षित और इसकी टाइमिंग सुनिश्चित करनी होगी। दिल्ली के ट्रांसपोर्ट सेक्टर में सबसे बड़ी क्रांति तब आई थी, जब मेट्रो शुरू हुई थी। मीडिल और अपर मीडिल क्लास अपनी गाड़ियां छोड़ कर मेट्रो से जाना शुरू किया। इससे दिल्ली की सड़कों पर काफी वाहनों की कमी आई थी। लेकिन धीरे-धीरे दिल्ली की सड़कों पर ट्रैफिक काफी बढ़ गया है। मेट्रो खचाखच भर गई हैं। मेट्रो में लोगों को बैठने की जगह नहीं मिलती है और सफर आरामदायक नहीं है। इसलिए काफी लोग वापस अपनी गाड़ियों से सफर करने लगे हैं। केजरीवाल ने कहा कि दिल्ली में डीटीसी और क्लस्टर्स की बसें हैं। इन बसों को अधिकतर लोअर मीडिल क्लास के लोग इस्तेमाल करते हैं। दिल्ली में एसी बसें भी हैं, लेकिन उसमें सीट की कोई गारंटी नहीं है।

दिल्ली सरकार दिल्ली मोटर व्हीकल्स ऑफ एग्रीगेटर (प्रीमियम बसें) स्कीम 2023 ला रहे हैं। ये प्रीमियम बसें आरामदायक होंगी। दो गुना दो की बसें होंगी। सभी बसें वातानुकूलित होंगी। इनमें वाई फाई, जीपीएस, सीसीटीवी, पैनिक बटन की सुविधा होगी। प्रीमियम बसों में सफर करने के लिए टिकट की बुकिंग एप या वेब आधारित होगी। किराए का भुगतान डिजिटली करना होगी। कोई भी खड़ी सवारी को बस में चढ़ने की अनुमति नहीं दी जाएगी। टिकट लेने वाले लोगों को शर्तियां तौर पर सीट मिलेगी।

प्रीमियम बसों के लाइसेंसिंग शर्तों के बारे में बतरते हुए मुख्यमंत्री ने कहा इसमें तीन साल से पुराने बस को अनुमति नहीं दी जाएगी। प्रीमियम

बस स्कीम के तहत जो भी बसें लाई जाएंगी, वो तीन साल से पुरानी नहीं होंगी। सारी बसें सीएनजी की होंगी।

एक जनवरी 2024 के बाद जो भी बस खरीदी जाएंगी, वो सभी इलेक्ट्रिक की होंगी। इसके तहत एग्रीगेटर को लाइसेंस दिया जाएगा। इसमें उसे कुछ लाइसेंस फीस देनी होगी। वहीं, इलेक्ट्रिक बसें लाने वाले एग्रीगेटर को कोई लाइसेंस फीस नहीं देना होगा। सभी बसों में कम से कम 12 सीटें होनी चाहिए। इससे ज्यादा कितनी भी सीटें हो सकती हैं। एग्रीगेटर को पहले सरकार से लाइसेंस लेना होगा। एक एग्रीगेटर को लाइसेंस मिलने के 90 दिन के अंदर कम से कम 50 बसें चलानी और मेंटेन करनी होगी। प्रीमियम बसों का एक 'लोगो', कलर कोड और यूनिफार्म तय किया जा रहा है। एग्रीगेटर बस के अंदर विज्ञापन कर राजस्व प्राप्त कर सकता है। केजरीवाल ने बताया कि दिल्ली सरकार ने प्रीमियम बस योजना को अंतिम रूप दे दिया है। अब इसे मंजूरी के लिए एलजी के पास भेजा जा रहा है। दिल्ली की प्रशासनिक व्यवस्था के अंतर्गत एलजी को तय करना है कि वो इस स्कीम को राष्ट्रपति को भेजेंगे या फिर दिल्ली सरकार को आगे बढ़ने की इजाजत देंगे।

ये प्रीमियम बसें केवल दिल्ली में संचालित होंगी। हर बस में 12 से अधिक सवारियों को बैठने की क्षमता होगी। बस पूरी तरह वातानुकूलित, वाई-फाई, जीपीएस, सीसीटीवी, पैनिक बटन युक्त होगी। बस के अंदर दोनों तरफ दो-दो सीटें होंगी। इसके लिए एग्रीगेटर को 5 साल के लिए लाइसेंस दिया जाएगा। सरकार ने लाइसेंस फी भी तय कर दिया है। इसके तहत नया लाइसेंस लेने के लिए 5 लाख रुपए देने होंगे। लाइसेंस का नवीनीकरण, डुप्लीकेट लाइसेंस लेने और एड्रेस चेंज कराने पर 2500 रुपए बतौर शुल्क देने होंगे। जबकि इलेक्ट्रिक बस लाने वाले एग्रीगेटर को लाइसेंस फीस नहीं देनी होगी। वहीं, एग्रीग्रेटर को लाइसेंस लेने के लिए सिक्युरिटी भी जमा करनी होगी। अगर एग्रीगेटर 100 बस लाना चाहता है तो इसके लिए एक लाख रुपए बतौर सिक्युरिटी जमा करना होगा। इसी तरह, 1000 तब बसें लाने पर 2.50 लाख रुपए और 1000 से अधिक बसें लाने पर 5 लाख रुपए जमा करने होंगे। एग्रीग्रेटर के पास सार्वजनिक या साझा परिवहन में वाहनों के संचालन व प्रबंधन का कम से कम 3 वर्ष का अनुभव होना चाहिए। हर साल कम से कम 100 बसें लानी होगी या हर वर्ष कम से कम 1000 यात्री कारों का बेड़ा लाना होगा। एग्रीगेटर कार और बसों का मिश्रित बेड़ा भी ला सकता है। 10 कारें एक बस के बराबर होंगी। एक अनुबंध कैरिज परमिट होना चाहिए। सीएनजी बसें 3 साल से अधिक पुरानी नहीं होनी चाहिए। 1 जनवरी 2024 के बाद केवल इलेक्ट्रिक नई बसें शामिल की जाएंगी।

नोएडा में हवाला कारोबार से जुड़े 10 लाख रुपये, 25 जाली आधार कार्ड बरामद, 4 गिरफ्तार

नोएडा। नगर निकाय चुनाव को लेकर पुलिस काफी चौकसी बरत रही है। कई जगहों पर रात में भी चेकिंग की जा रही है। रविवार रात पुलिस ने चेकिंग के दौरान कुछ लोगों को पकड़ा है। उनके पास से एक कार और 10 लाख रुपये बरामद हुए हैं। पुलिस ने जब रुपयों के बारे में पूछा तो उन्हें पता चला कि यह हवाला कारोबार से जुड़े रुपये हैं, जिन्हें डिलीवर करने के लिए चारों जा रहे थे। पुलिस ने मौके से 4 अभियुक्तों ङ्क राजीव शर्मा, संदीप राणा, विशाल कुमार अग्रवाल और विजय गुप्ता को गिरफ्तार किया है। अभियुक्तों के कब्जे से 10 लाख रुपये नगद, 28 आधार कार्ड (25 जाली व 3 अभियुक्तों के), दो टैब, 5 मोबाइल फोन व एक कार ऐसेंट बरामद की गई है। पुलिस से मिली जानकारी के मुताबिक, अभियुक्त, हवाला के पैसे का अवैध रूप से लेन-देन करते हैं। यह लेनदेन, दुबई समेत कई और देशों से चलाया जा रहा है। इन्होंने एक कंपनी बालाजी इंजीनियर्स एंड कन्सट्रक्शन, बीकानेर (राजस्थान) के नाम से बनाई है। पीएनबी बैंक के खाता के माध्यम से बरामद मोबाइलों व टैबलेटों द्वारा काले धन को इधर-उधर ट्रांसफर कर सफेद धन में बदला जाता है। पकड़े गए लोगों में एक पत्रकार और एक वकील भी शामिल है। जांच के दौरान पता चला कि गिरफ्तार आरोपियों में राजीव शर्मा पत्रकारिता से जुड़े हुए हैं, जबकि एक व्यक्ति अधिवक्ता है। पुलिस को यह भी पता चला कि यह लोग काले धन को सफेद करने और हवाला कारोबार से जुड़े हुए हैं। इस मामले में आयकर विभाग की टीम को भी जानकारी दी गई है, जो इन सभी से पूछताछ कर रही है। पूछताछ में पता चला कि ये लोग दुबई और ऑस्ट्रेलिया के रास्ते पैसा मांगाकर हवाला कारोबार के जरिए लोगों तक पहुंचाते हैं।

गाजियाबाद में वोट के बदले शराब बाटने वाली अवेध शराब भारी मात्रा मे पुलिस ने पकड़ी

गाजियाबाद। गाजियाबाद में दूसरे चरण में 11 मई को मतदान होना है। ऐसे में निकाय चुनाव की धूम मची हुई है। राजनीतिक पार्टियों व निर्दिल्य प्रत्याशी वोटरों को लुभाने के लिए नए-नए हथकंडे अपना रहे है। नगरीय चुनाव में वोटरों को रिझाने के लिए प्रत्याशी नोट के साथ-साथ शराब भी बांट रहे है। घंटाघर कोतवाली पुलिस ने शराब बांटने के मामले में कांग्रेस पार्षद प्रत्याशी के खिलाफ मुकदमा दर्ज करते हुए लाखों रुपए की हरियाणा शराब बरामद किया है।

एसीपी प्रथम सुजीत कुमार राय ने बताया कि पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली वार्ड-12 कालका गढ़ी कांग्रेस पार्षद प्रत्याशी प्रवीन उर्फ राहुल कुमार व उसका भाई मोनू पुत्र सत्य प्रकाश ने निगम चुनाव में वोटरों को रिझाने के लिए अपने घर के पीछे गली में खंडर पड़े मकान में हरियाणा मार्का शराब की पेटी भारी संख्या में मंगाकर रखी हुई है। सूचना के आधार पर तत्काल कार्रवाई करते हुए घंटाघर कोतवाली प्रभारी और उनकी टीम ने मौके पर जाकर छापेमारी कर कार्रवाई की। जहां खंडर पड़े मकान से 51 पेटी डबल ब्लू के 2448 पव्वे और दो खाली पेटी बरामद किया गया। शराब की कीमत करीब 3 लाख 70 हजार रुपए है। हरियाणा मार्का की अवैध शराब को जब्त कर लिया है और पार्षद प्रत्याशी प्रवीन उर्फ राहुल कुमार व उसके भाई मोनू के खिलाफ आबकारी अधिनियम व आदर्श आचार संहिता के उलंघन के आरोप में मुकदमा दर्ज किया गया है। जल्द ही आरोपियों को भी गिरफ्तार कर लिया जाएगा। जांच में पता चला है कि चुनाव के दौरान पिछले काफी समय से पार्षद प्रत्याशी शराब बांटने का काम कर रहा था।